E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 99 | गुवाहाटी | बुधवार, 2 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अखिल असम सामान्य जाति परिषद ने सीएम को सौंपा ज्ञापन — पेज 3

भारत दौरे पर आए भूटानी कमांडर से हुई रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा — पेज 4

राष्ट्रपति मुर्मू ने इंडिया वाटर वीक-2022 का किया शुभारंभ — पेज 5

अलवर में सरकार की नीतियों के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन — पेज 8

पड़ोसी मुल्कों से आए अल्पसंख्यकों को कानूनी नागरिकता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक बार फिर अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले और वर्तमान में गुजरात के दो जिलों में रह रहे हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता देने का फैसला किया है। यह नागरिकता उन्हें नागरिकता कानून, 1955 के तहत दी जाएगी। विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) के बजाय नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत नागरिकता देने का यह कदम महत्वपूर्ण है। विवादों में रहा नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) में भी अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता देने का प्रावधान है। चूंकि इस अधिनियम के तहत नियम अब तक सरकार द्वारा नहीं बनाए गए हैं, इसलिए इसके तहत अब तक किसी को नागरिकता नहीं दी जा सकी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी की गई एक अधिसूचना के माध्यम से यह जानकारी सामने आई है। इस अधिसूचना के अनुसार, गुजरात के आणंद और मेहसाणा जिलों में रहने वाले हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 5, धारा 6 के तहत नागरिकता दी जाएगी। उन्हें नागरिकता नियम, 2009 के प्रावधानों के अनुसार भारत के नागरिक के रूप में पंजीकरण की अनुमति मिलेगी या उन्हें देश के नागरिक का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है -शेष पृष्ठ दो पर

असम से पड़ोसी राज्यों के लिए उड़ान शुरू

सिंधिया ने किया वर्चुअली उद्घाटन

गुवाहाटी। असम में हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए एलायंस एयर ने लखीमपुर जिले के लीलाबाड़ी हवाई अड्डे से अपनी उड़ान सेवाएं शुरू कीं। उड़ान सेवा का उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने नई दिल्ली से वर्चुवली किया। बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के जीरो, मेघालय के शिलांग, मणिपुर के इंफाल और मिजोरम के एजल हवाई अड्डों सहित पूर्वोत्तर के चार अन्य हवाई अड्डों से केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत इस उड़ान सेवा का उद्घाटन शुभारंभ किया गया। एलायंस एयर सप्ताह में चार दिन शिलांग और सप्ताह में दो दिन जीरो के लिए उड़ान भरेगी। वहीं, लीलाबाड़ी-पासीघाट और लीलाबाड़ी-तेजपुर उड़ान सेवा भी शुरू कर दी गई हैं।

सीएए-प्रक्रिया से बंगाल नहीं रहेगा अछूता : शुभेंदु

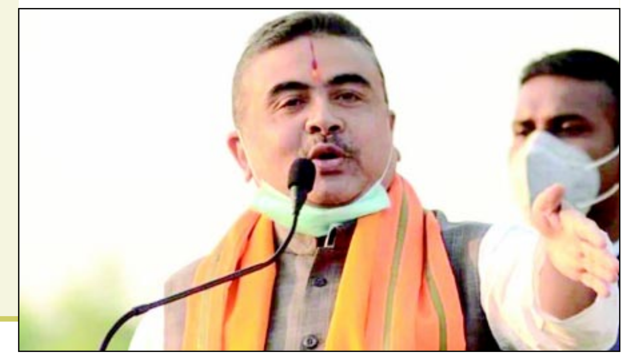

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को दावा किया कि देश में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और पश्चिम बंगाल इससे अछूता नहीं रहेगा। केंद्र ने सोमवार को अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले और वर्तमान में गुजरात के दो जिलों में रह रहे हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को नागरिकता कानून 1955 के तहत भारतीय नागरिकता देने का फैसला किया है। इसके एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अधिकारी की टिप्पणी आई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, गुजरात के आणंद और मेहसाणा जिलों में रहने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाइयों को नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा पांच के तहत नागरिक के तौर पर पंजीकरण कराने की इजाजत दी जाएगी या कानून की धारा छह के तहत उन्हें देश के नागरिक का प्रमाण पत्र दिया जाएगा और यह नागरिकता नियम 2009 के प्रावधानों के अनुसार होगा। केंद्र की अधिसूचना पर पूछे गए सवाल के जवाब में, अधिकारी ने कहा कि गुजरात के दो जिलों में सीएए पहले ही लागू करना शुरू किया जा चुका है और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से आए कुछ अल्पसंख्यक समूहों को नागरिकता देने वाली अधिसूचना जारी की गई है। नंदीग्राम से विधायक ने कहा कि बंगाल सीएए लागू होने की प्रक्रिया से अछूता नहीं रह सकता है। मटुआ समुदाय के सदस्यों और नमशूद्र जैसी अन्य पिछड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

मदरसों को सरकारी स्कूल बनाने को लेकर दायर याचिका पर एससी की नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2020 के असम विधानसभा कानून को बरकरार रखने वाले गौहाटी हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर नोटिस जारी कर दिया। इसके तहत राज्य संचालित सभी मदरसों को सरकारी स्कूलों या सामान्य शैक्षणिक संस्थानों में बदला जाना था। इस कानून के विरोध में मदरसा प्रबंधन समिति ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नोटिस जारी कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में असम मदरसा शिक्षा अधिनियम 1995 को बरकरार रखा था। इसके अलावा 12 फरवरी 2021 को जारी नोटिफिकेशन को भी बरकरार रखने का आदेश दिया था। जस्टिस अजय रस्तोगी व सीटी रविकुमार वाली बेंच ने असम सरकार व अन्य से जवाब मांगा है। एडवोकेट आदिल अहमद के जरिए याचिका दायर की गई थी। असम सरकार के इस फैसले के तहत 620 मदरसों पर कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने धार्मिक शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता पर रोक लगा दी है। असम सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति आज से नगालैंड, मिजोरम और सिक्किम के दौरे पर

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 2 से 5 नवंबर तक नगालैंड, मिजोरम और सिक्किम का दौरा करेंगी। राष्ट्रपति भवन की ओर से मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। 2 नवंबर को, राष्ट्रपति कोहिमा में नगालैंड सरकार द्वारा उनके सम्मान में आयोजित होने वाले नागरिक स्वागत समारोह में भाग लेंगी। उस अवसर पर वह राज्य में शिक्षा और बुनियादी ढांचे से संबंधित विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

बेबी वाइप्स में छिपाई करोड़ों की हेरोइन जब्त

नई दिल्ली। असम के करीमगंज में पुलिस ने 676 ग्राम हेरोइन जब्त की है। आरोपियों ने इसे बेबी वाइप्स के अंदर पैक किया था, जिसे गाड़ी के साउंड बॉक्स में छिपाकर रखा था। पुलिस की कार्रवाई का यह वीडियो प्रदेश के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। साथ ही पुलिस ऐक्शन की तारीफ की है। असम के मुख्यमंत्री ने हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पुलिस ने पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को रोका और साबुन के 52 डिब्बों में पैक 676 ग्राम हेरोइन को जब्त किया। आरोपियों ने इसे बेहद सावधानी से बेबी वाइप्स के अंदर पैक करके रखा था। हेरोइन युक्त इन डिब्बों को वाहन के साउंड बॉक्स के अंदर रखा गया था। ग्रेट वर्क असम पुलिस। मुख्यमंत्री द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में पुलिस को साउंड बॉक्स से बेबी वाइप के पैकेट्स से ड्रग्स -शेष पृष्ठ दो पर

दादरी प्लांट पर 24 गांवों के किसानों का हंगामा

नोएडा। एनटीपीसी दादरी में 1980 में हुए जमीन अधिग्रहण के मामले में एक बार फिर से किसान सड़कों पर आ गए हैं। मंगलवार को सैकड़ों की तादाद में आए किसानों ने प्लांट के गेट पर जमकर हंगामा किया और वहां पर तालाबंदी का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और पीएसी के अधिकारियों ने हंगामा कर रहे किसानों को काफी समझाने का प्रयास किया। जब किसान नहीं माने तो पहले तो उन पर वाटर केनन और फिर बाद में लाठीचार्ज कर खदेड़ दिया गया। इसमें कुछ किसानों को चोट भी आई हैं। किसानों के प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर में लगातार सुधर रहे हैं हालात : पूर्वी कमान

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर में अब लगातार हालात सुधर रहे हैं। कई राज्यों के कई जिलों से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) को पिछले दिनों हटाया गया है। पूर्वी कमान पांच विदेशी सीमाओं के साथ सीमा साझा करता हैं, हर तरफ पूरी नजर है और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है। इसके साथ ही सेना अपने सामाजिक दायित्वों का भी बखूबी निर्वहन कर रही है। यह बात आज मुख्यालय पूर्वी कमान की 102वीं स्थापना दिवस पर विजय स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्वी कमान प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता ने कही। इस दौरान पूर्वी सेना कमांडर ने आश्वासन दिया कि कमान हर समय सक्रिय रूप से तैयार है और किसी भी वर्तमान या भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

आलू, टमाटर, मूली म्यूजियम में

सिलचर। असम के सिलचर कछार जिले के इंदिरा भवन में युवा कांग्रेस ने बढ़ती कीमतों की वजह से कुछ जरूरी सामान जो रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल किए जाते हैं। जिसकी कीमत अभी हर रोज बढ़ती जा रही है, जिस वजह से लोग इस जरूरी चीजों का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। युवा कांग्रेस के नेताओं ने एक म्यूजियम बनाया है, म्यूजियम में देखने के लिए कुछ ऐसे समान, जिसको बढ़ती कीमत के कारण लोग नहीं खरीद पा रहे हैं उसको रखा गया। देखा जाए तो अभी असम में म्यूजियम बनाने की दौड़ चल रही है।

मोरबी दुर्घटना : अस्पताल में घायलों से मिले पीएम

अहमदाबाद (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार दोपहर बाद वायुसेना के हेलिकॉप्टर से मोरबी पहुंचे। जहां से पीएम का काफिला सीधे मच्छु नदी के किनारे पहुंचा। दुर्घटनास्थल पर जाकर पीएम ने टूटे पुल समेत हालात का निरीक्षण किया। उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी मौजूद थे। हर्ष संघवी ने प्रधानमंत्री को रविवार को हुए हादसे के स्थल समेत ब्रिज के बारे में जानकारी दी। करीब 15 मिनट पर पुल के एक छोर पर रहने के बाद पीएम का काफिला सिविल अस्पताल गया। सिविल अस्पताल में जाने से पहले वे राहत व बचाव कार्यों में जुटे लोगों से मिले। उन्होंने एनडीआरएफ टीम के सदस्यों समेत प्रशासन के अन्य अधिकारियों से भी बातचीत की। इसके बाद वे सिविल अस्पताल -शेष पृष्ठ दो पर

समान नागरिक संहिता का मुस्लिम पर्सनल लॉ ने किया विरोध

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने समान नागरिक संहिता को लेकर गुजरात सरकार के फैसले को संविधान विरोधी करार दिया है। बोर्ड का कहना है कि भारत जैसे देश में जहां विभिन्न धर्म एवं समुदाय के लोग रहते हैं वहां पर समान नागरिक संहिता लागू करने के बारे में सोचना संविधान एवं धार्मिक स्वतंत्रता का खुला उल्लंघन है। बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने मंगलवार को कहा कि उत्तराखंड सरकार के बाद अब गुजरात सरकार ने समान नागरिक संहिता का फैसला किया है। यह न सिर्फ मुसलमानों बल्कि देश के तमाम अल्पसंख्यक समुदायों और आदिवासी समूहों के लिए अस्वीकार्य है। संविधान के तहत प्राप्त मौलिक अधिकारों में अपने-अपने मजहब के अनुसार अमल करने और धर्म प्रचार करने का अधिकार दिया गया है। इसके तहत विभिन्न ग्रुपों के पर्सनल लॉ को संरक्षण दिया गया है। उनका कहना है कि हमारे देश और संविधान को बनाने वालों ने बहुत सोच समझकर और विभिन्न धर्मों एवं -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो गुजर गया उसकी चिंता नहीं करनी चाहिए, न ही भविष्य के बारे में चिंतिंत होना चाहिए। समझदार लोग केवल वर्तमान में ही जीते हैं।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अलग राज्य की मांग को लेकर लोग सड़कों पर

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी में कुछ लोग अलग राज्य की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। कलबुर्गी के डीसीपी ए श्रीनिवासुलु ने बताया कि आज केकेपीआरजेएस संगठन के लोग सड़कों पर उतरकर अगल राज्य की मांग करने लगे और उन्होंने अलग राज्य का झंडा फहराने की भी कोशिश की। साथ ही उन्होंने बताया कि हमने विरोध का नेतृत्व करने वाले एमएस पाटिल सहित 15 लोगों को गिरफ्तार किया और वहीं बाद में उन्हें आगे से ऐसा न करने की शर्त पर रिहा कर दिया।

प्रधानमंत्री ने गुजरात को दी 860 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात

पंचमहल/नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने देश में आदिवासी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के बारे में नहीं सोचा। भाजपा के सत्ता में आने से पहले ऐसा कोई मंत्रालय नहीं था। मंत्रालय बनने के बाद आदिवासी विकास कार्यों के लिए पैसा खर्च किया गया। प्रधानमंत्री मोदी गुजरात में पंचमहल के जंबुघोड़ा में लगभग 860 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। देश में आदिवासी समाजों के उत्थान में केंद्र सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि यह भाजपा सरकार थी जिसने पहली बार आदिवासी समाज के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया और वन धन जैसी सफल योजना को लागू किया। मोदी ने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तब आदिवासी विकास मंत्रालय का गठन किया गया था। उन्होंने कहा कहा किभाजपा के सत्ता में आने से पहले ऐसा कोई मंत्रालय नहीं था। मंत्रालय बनने के बाद आदिवासी विकास कार्यों के लिए पैसा खर्च किया गया। अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नेशनल हेल्थ मिशन का दो दिवसीय स्वास्थ्य मंथन

गुवाहाटी। नेशनल हेल्थ मिशन, असम ने आईपीएएस फाउंडेशन के सहयोग से यहां असम वाटर सेंटर में दो दिवसीय स्वास्थ्य मंथन का आयोजन किया। यह जानकारी नेशनल हेल्थ मिशन, असम ने जारी एक प्रेस नोट से दिया दिया है। प्राप्त प्रेस नोट के अनुसार उद्घाटन सत्र का शुभारंभ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने किया। इस अवसर पर प्रधान सचिव अविनाश जोशी, आईएएस स्वास्थ्य, एनएचएम, असम के मिशन निर्देशक डॉ. एमएच लक्ष्मी पिर्या, आइएएस, स्वास्थ्य सेवाएं के निदेशक डॉ. निलमाधव दास, आरआरसीएनइ के निदेशक डॉ. अशेक राय, एनएचएम असम के ओएसडी पंकज चमुहा, एसीएच और राज्य कार्यक्रम अधिकारीगण और जिला कार्यक्रम अधिकारीगण एनएचएम असम उपस्थित थे। दो दिवसीय रिव्यू कार्यशाला में सभी जिलों के भागीदारी ने भाग लिया। इनका पथ-प्रदर्शन स्वास्थ्य सेवाएं के संयुक्त निदेशक, सीएमओ (सीडी), एसडीएम एवं एचओ, जिला कार्यक्रम प्रबंधकगण इत्यादि ने किया। स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के स्वास्थ्य निदेशकों की उन्नति के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की।

रख-रखाव के अभाव में देश के 12 प्रतिशत विमान बंद

मुंबई। विमानन परामर्श कंपनी सीएपीए ने मंगलवार को कहा कि भारतीय विमानन कंपनियों के 75 से अधिक विमान रखरखाव और इंजन संबंधी समस्याओं के कारण फिलहाल बंद हैं। ये विमान कुल भारतीय बेड़े का करीब 10-12 प्रतिशत भाग हैं। सीएपीए ने मंगलवार को जारी इंडिया मिड-ईयर आउटलुक 2023 में कहा कि दूसरी छमाही में इसका वित्तीय नतीजों पर भी बड़ा असर दिखेगा। पहले से ही प्रतिकूल लागत वाले माहौल में ये बंद विमान गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहे हैं और बढ़ते नुकसान में योगदान दे रहे हैं। बता दें कि दो सूचीबद्ध कंपनियों इंडिगो और स्पाइसजेट सहित घरेलू एयरलाइनों में से किसी ने भी अब तक विमानों के बंद होने की कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान और भविष्य की डिलीवरी को प्रभावित करने वाली गंभीर आपूर्ति श्रृंखला के मुद्दों से क्षमता प्रभावित हुई है। इसमें अप्रैल 2023 से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में इन मुद्दों के बढ़ने की संभावना है जो भविष्य में डिलीवरी को प्रभावित करेगा।

ब्रह्मपुत्र नद में तैरते मिला शव

दरंग (हिंस)। दरंग जिला के मंगलदै बांदिया चापरी इलाके से एक शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ब्रह्मपुत्र नद में एक शव को तैरते देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सड़े-गले शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मंगलदै सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृत व्यक्ति की शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

आदाबाड़ी फुटब्रिज की लिफ्ट में घंटे भर फंसा रहा एक बच्चा

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के आदाबारी फुट ब्रिज की लिफ्ट में मंगलवार को एक बच्चा फंस गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार दो बच्चों को काफी देर तक फुटब्रिज पर खेलते देखा गया। इस बीच, 14 वर्षीय एक बच्चा के लिफ्ट में प्रवेश करते ही लिफ्ट बंद हो गई। जबकि, दूसरा बच्चा अंदर फंसे बच्चे को लिफ्ट के दरवाजे से देख रहा था। कुछ राहगीरों ने इस घटना को देखा और बाहर के बच्चे से घटना जानने की कोशिश की। बच्चा करीब एक घंटे तक लिफ्ट के अंदर फंसा रहा। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना जलुकबाड़ी पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस टीम बच्चे को बचाने के लिए लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला। स्थानीय निवासियों ने शिकायत की है कि लिफ्ट में अक्सर कोई सुरक्षा नहीं होती है। नतीजतन, बच्चे सीढ़ियों पर चढ़ते हैं और लिफ्ट से नीचे आ जाते हैं। पहले भी लिफ्ट में फंसने के मामले सामने आ चुके हैं।

मनुष्य जीवन का लक्ष्य बताता है देसंविवि : बिरला

हरिद्वार (हि.स.)। देव संस्कृति विश्वविद्यालय (देसंविवि), शांतिकुंज का छठवां दीक्षांत समारोह मंगलवार को सानंद हुआ। मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने 2661 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान कीं। इसमें सन् 2017 से 2022 तक के सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट के विभिन्न पाठ्यक्रमों के उत्तीर्ण विद्यार्थी हैं। इनमें पीएचडी के 72, पोस्ट ग्रेजुएट के 941, ग्रेजुएट 1157, डिप्लोमा के 187, सर्टिफिकेट कोर्स के 304 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। समारोह के मुख्य अतिथि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि देव संस्कृति विवि एक ऐसा विश्व विद्यालय है, जहां छात्र-छात्राओं को मनुष्य जीवन के सही लक्ष्य बताया जाता है। देव संस्कृति विवि से निकलने वाले युवा भारत को सांस्कृतिक रूप से उन्नत बनायेंगे। यहां के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध के साथ जीवन प्रबंधन आदि शुभ व्यवस्थित जीवन प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज प्राचीन मूल्यों को आधुनिक मूल्यों के साथ समन्वय करने की महती आवश्यकता है। देव संस्कृति विवि इसे बखूबी कर रहा है। उन्होंने कहा कि विवि से शिक्षित होकर देश विदेश में जाने वाले युवक हमारे सांस्कृतिक राजदूत हैं। समारोह के अध्यक्ष कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने कहा कि देसंविवि एकमात्र विवि है, जहां ज्ञानदीक्षा समारोह होता है, जिसके माध्यम से युवाओं को चरित्रवान एवं निष्ठावान छात्र बनने की प्रतिज्ञा कराई जाती है। उन्होंने कहा कि यहां से उत्तीर्ण होकर नये जीवन में प्रवेश करने वाले छात्र-छात्राएं विवि से प्राप्त गुणों का अन्यों में भी प्रसार करेंगे। इससे पूर्व कुलपति शरद पारधी ने शनैः शनैः प्रगति पथ अग्रसर हो रहे विवि की प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला, डॉ. अनिता बिरला, कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने दीक्षांत समारोह स्मारिका, अनाहत, संस्कृति संचार, अंतर्राष्ट्रीय जनरल आदि का विमोचन किया। कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने ओम बिरला को गंगाजली, स्मृति चिह्न एवं विवि के विशेष साहित्य भेंटकर सम्मानित किया। सन् 2017 की उर्वशी शर्मा, सन 2018 की वंदना आर्य, सन् 2019 की चित्रा कश्यपत्र, सन् 2020 की रूपम, सन् 2021 की चित्रा कश्यप, सन् 2022 की अंजलि पुण्डीर।

दानपात्र चुराने के आरोप में एक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भरलुमुख और जालुकबाड़ी पुलिस पेट्रोलिंग की टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दानपात्र चुराने के आरोप में सज्जाद अहमद (गाड़ीगांव) को मंगलवार की तड़के गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित के पास से असम इंजीनियरिंग कॉलेज के पास स्थित नामघर का दानपात्र बरामद किया गया है। पुलिस इस संबंध में नामघर कमेटी द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार चोर सज्जाद अहमद से सघन पूछताछ कर रही है।

बरपेटा की लड़की हरियाणा से बरामद

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिला के माजदिया पुलिस ने नारी देह व्यापार का भंडाफोड़ करते हुए सर्थेबारी के गरोमारी इलाके की एक लड़की को हरियाणा से बरामद किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि धुबड़ी जिला के शहर अली उर्फ बबलू नामक युवक लड़कियों को बहला-फुसलाकर हरियाणा में 1 लाख 20 हजार रुपए में बेच दिया था। इस मामले की जांच करते हुए पुलिस ने लड़की को हरियाणा से बरामद किया है। वहीं इस मामले में हरियाणा के राजेश कुमार और अनिल कुमार को गिरफ्तार किया है। नारी देह व्यापार का धंधा करने वाले गरीब तबके की लड़कियों को बहला-फुसलाकर अन्य राज्यों में ले जाकर बेच देते हैं। हरियाणा में लड़कियों को बेचने के बाद अपहर्ता शहर अली ने लड़की के परिवार वालों को फोन कर बताया कि उसने लड़की से शादी कर लिया है। इस मामले में मुख्य आरोपित बाबुल अली उर्फ शहर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। हरियाणा से बरामद बच्ची को पुलिस लेकर आई। वहीं इस मामले में शामिल राजेश कुमार और अनिल कुमार से पुलिस पूछताछ कर रही है।

मनमोहन देवरी भाजपा से निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मनमोहन देवरी को पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में पार्टी से निलंबित कर दिया है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय से मंगलवार को जारी बयान में बताया गया है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता ने मनमोहन देवरी को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। ज्ञात हो कि देवरी स्वायत्तशासी परिषद का चुनाव आगामी 8 नवंबर को होने जा रहा है।

जुआ के लिए पैसा नहीं मिलने पर घर में लगाई आग

नगांव (हिंस)। नगांव जिला के कोलियाबर के आमबागान पुलिस चौकी अंतर्गत पूर्व शोवालनी गांव में जुआ खेलने के लिए पैसा नहीं मिलने पर एक व्यक्ति ने अपने घर को आग के हवाले कर दिया। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को बताया है कि गांव के स्वपन बर्मन नामक व्यक्ति अपनी पत्नी से चार सौ रुपए लेकर जुआ में हार गया। फिर से घर पहुंचकर पत्नी से पांच सौ रुपए की मांग की। पत्नी ने उसे पैसा देने से इंकार कर दिया। जिसके बाद स्वपन ने अपनी पति से झगड़ना शुरू कर दिया। पैसा नहीं मिलने से नाराज स्वपन बर्मन ने अपने घर को आग के हवाले कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों और अग्निशमन की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक घर का काफी हिस्सा जल चुका था। गांव की महिलाओं ने आरोप लगाया है कि गांव में जुआ खेलने वाले और नशीला पदार्थ का सेवन करने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ गई है। बड़े तो बड़े छोटे बच्चे को भी जुआ खेलने की लत लग गई है। घटना के संबंध में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

पड़ोसी मुल्कों से आए...

कि गुजरात के दो जिलों में रहने वाले ऐसे लोगों को अपने आवेदन ऑनलाइन जमा करने होंगे, जिनका सत्यापन जिला स्तर पर कलेक्टर द्वारा किया जाएगा। आवेदन और उस पर रिपोर्ट एक साथ केंद्र सरकार के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर जरूरी समझने पर आवेदक के नागरिकता पाने के लिए उपयुक्त होने को लेकर किसी भी तरह की जांच कर सकते हैं। इसके लिए कलेक्टर को ऑनलाइन ही संबंधित जांच एजेंसी को आवेदन भेजता है तो ऐसे में एजेंसी के लिए उसका सत्यापन करना और अपनी टिप्पणी के साथ जांच पूरी करना आवश्यक हो जाता है। अधिसूचना में कहा गया है कि प्रक्रिया को पूरा करने के बाद कलेक्टर, आवेदक की उपयुक्तता से संतुष्ट होकर, उसे पंजीकरण या नागरिक बनाकर भारत की नागरिकता प्रदान करता है। इसके साथ ही मामले के अनुसार, पंजीकरण या नागरिक बनाए जाने का प्रमाण पत्र जारी करता है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सताए गए और 31 दिसंबर, 2014 तक भारत आए गैर-मुस्लिमों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई को भारतीय राष्ट्रीयता देना चाहती है। दिसंबर 2019 में संसद से सीएए पारित होने और उसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद देश के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इन विरोध प्रदर्शन के दौरान सौ से अधिक लोगों की जान चली गई थी। हालांकि, सीएए अभी तक लागू नहीं किया गया है क्योंकि इसके तहत नियम बनाए जाने बाकी हैं। संसदीय कार्य की नियमावली के अनुसार, किसी भी कानून के लिए नियम राष्ट्रपति की सहमति के छह महीने के भीतर तैयार किए जाने चाहिए या लोकसभा और राज्यसभा में अधीनस्थ विधान संबंधी समितियों से विस्तार की मांग की जानी चाहिए। जनवरी 2020 में गृह मंत्रालय ने अधिसूचित किया था कि यह अधिनियम 10 जनवरी, 2020 से लागू होगा। लेकिन बाद में राज्यसभा और लोकसभा में संसदीय समितियों से नियमों को लागू करने के लिए कुछ और समय देने का अनुरोध किया था, क्योंकि देश कोविड महामारी के कारण अपने सबसे खराब स्वास्थ्य संकट से गुजर रहा था और इसका विरोध भी किया जा रहा था। पिछले पखवाड़े में केंद्रीय गृह मंत्रालय को सीएए के नियमों को तैयार करने के लिए राज्यसभा और लोकसभा में अधीनस्थ विधान पर संसदीय समितियों को एक और विस्तार दिया गया था। राज्यसभा से जहां 31 दिसंबर, 2022 तक अनुमति दी गई है, वहीं लोकसभा ने 9 जनवरी, 2023 तक का समय दिया है। सीएए के तहत नियम बनाने के लिए गृह मंत्रालय को दिया गया यह सातवां विस्तार था।

पूर्वोत्तर में लगातार ...

लिए अपनी क्षमताओं को विकसित करना जारी रखेगी। उन्होंने मुख्यालय पूर्वी कमान के सभी अधिकारियों, सैनिकों और रक्षा नागरिक कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। कमान के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यालय के सभी कर्मियों के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने सभी से भारतीय सेना की सच्ची परंपराओं में समर्पण और भक्ति के साथ काम करना जारी रखने का आह्वान किया। कलिता ने कहा कि सेना के जवानों में तनाव से जो घटनाएं घट रही है, उनमें कमी आई है। इस पर हम विशेष तौर पर काम कर रहे हैं। हमारी कोशिश रहती है कि ऐसे जवानों को तुरंत काउंसिलिंग दी जाए और फिर तुरंत उनका उपचार किया जाए। इस पर हम लगातार काम कर रहे हैं और इससे घटनाओं में कमी आई है। पूर्वी कमान लोगों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऑपरेशन सद्भावना और ऑपरेशन सामरितन जैसी योजनाओं ने स्थानीय आबादी के जीवन पर एक अमिट प्रभाव छोड़ा है। चाहे मानवीय सहायता हो, आपदा राहत अभियान हो या कानून-व्यवस्था बहाल करना, कमान ने अपनी सेवा से विश्वास को और मजबूत किया है।

सीएए-प्रक्रिया से ...

जातियों के सदस्यों को भी जल्द कुछ लाभ मिलेगा। सीएए हमारे राज्य में भी लागू किया जाएगा। केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा किमैं केवल इतना कह सकता हूं कि अगर सीएए लागू होता है, तो यह मटुआ समुदाय सहित पिछड़ी जातियों के सदस्यों के लिए बहुत मददगार होगा। सीएए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान करता है, लेकिन सरकार ने अधिनियम के तहत नियम अब तक नहीं बनाए हैं, इसलिए अब तक किसी को भी इसके तहत नागरिकता नहीं दी जा सकी है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी सीएए को कभी भी राज्य में लागू नहीं होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया किभाजपा देश में सीएए को लागू नहीं कर पाएगी। शुभेंदु अधिकारी 2023 के पंचायत चुनावों से पहले समाज के ध्रुवीकरण की कोशिश के तहत बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। माकपा की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजान चक्रवर्ती ने कहा कि हम देश में सीएए को लागू नहीं होने देंगे। भाजपा बिना आम सहमति के ऐसा कोई फैसला नहीं थोप सकती। देश में कोई भी धर्मनिरपेक्ष दल ऐसा नहीं होने देगा। पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और बरहामपुर के सांसद अधीर रंजन चौधरी ने भी कहा कि भाजपा सीएए लागू करने के बारे में सिर्फ शोर मचा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकता और सद्भाव के लिए खड़ी है और वह समाज को धार्मिक आधार पर बांटने की पक्षधर नहीं है।

मदरसों को सरकारी ...

की ओर से सरकारी नियंत्रण वाले मदरसों को स्कूल में बदलने के फैसले के खिलाफ मदरसों की प्रबंध समितियों ने गौहाटी हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका में बताया गया कि बिना पर्याप्त मुआवजे के ऐसा करना मदरसे की ओर से याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकार का हनन है। यह सीधे ही अनुच्छेद 30 0(1ए) का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट में मोहम्मद इमादुद्दीन बरभुईयां और असम के 12 अन्य निवासियों ने हाई कोर्ट के आदेश पर अंतरिम राहत के लिए रोक की मांग की थी। इस साल फरवरी में पारित हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका में कहा गया कि फैसले के अनुसार कार्यवाही के फलस्वरूप इस अध्ययन सत्र के लिए मदरसे में छात्रों के नामांकन में रुकावट आएगी।

बेबी वाइप्स में छिपाई ...

निकालते हुए देखा जा सकता है। गौरतलब है कि असम पुलिस की ओर से की गई यह नवीनतम छापेमारी 15 करोड़ रुपए से अधिक की हेरोइन और भांग जब्त करने और तीन जिलों से नौ लोगों को गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने करीमगंज जिले के बदरपुरघाट में एक वाहन को रोका और 4 करोड़ रुपए की अनुमानित 621 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। इस जब्ती में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। दूसरे ऑपरेशन में, गुवाहाटी पुलिस ने मेघालय सीमा के पास जोराबत में एक ट्रक को रोका और 1 करोड़ की 2,500 किलोग्राम भांग जब्त की। यहां दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, तीसरा ऑपरेशन कार्बी आंग्लांग जिले में अंजाम दिया गया। यहां दो वाहनों को जब्त करके 1.26 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसकी कीमत 10 करोड़ से अधिक थी।

दादरी प्लांट पर...

पहलवान समेत करीब 30 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है, जिसमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं। एनटीपीसी दादरी के लिए वर्ष 1980 में जमीन का अधिग्रहण किया गया था। किसानों का कहना है कि उस दौरान कुछ जमीन 10 रुपए के रेट पर और कुछ जमीन 150 रूपये के रेट पर अधिग्रहित हुई थी। उस समय करार किया गया था कि जो सुविधाएं और मुआवजा प्राधिकरण के द्वारा अन्य किसानों को दिया जाएगा, वही उन्हें भी मिलेगा। अब किसानों की मांग है कि उन्हें बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए और क्षेत्र का विकास हो। इन मांगों को लेकर किसानों ने प्राधिकरण को 31 अक्तूबर तक का समय दिया था और एक नवंबर से प्लांट पर तालाबंदी का एलान किया था। इसी क्रम में मंगलवार को क्षेत्र के गांव ऊंची अमीरपुर, खंगौड़ा, सीधीपुर, ततारपुर, रसूलपुर, प्यावली बिसाहड़ा, बड़पुरा, कैलाश पुर, रूपबांस समेत 24 गांवों के किसान प्लांट के गेट पर पहुंच गए और वहां पर तालाबंदी का प्रयास करते हुए धरना दिया। हालांकि, भारी फोर्स होने के कारण वह तालाबंदी नहीं कर सके। इस दौरान उनकी अनेक बार पुलिस अधिकारियों से नोंकझोंक भी हुई। आरोप है कि दोपहर में अचानक से प्लांट पर पीएसी कर्मियों की संख्या बढ़ गई और उसके बाद किसानों पर पहले फायर बिग्रेड की गाड़ियों से पानी की बौछार डाली गई और फिर उन पर लाठीचार्ज कर दिया गया, जिसमें अनेक किसानों के चोटें भी आई हैं। किसानों के अनुसार, पुलिस ने किसान नेता सुखवीर खलीफा, ऊदल आर्य, प्रवीण चौहान, मुनींद्र समेत 30 से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया है, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं और गांवों में बड़ी संख्या में फोर्स तैनात कर दी गई है। हालांकि, पुलिस अधिकारी लाठीचार्ज की बात से इनकार कर रहे हैं।

मोरबी दुर्घटना : अस्पताल...

में भर्ती 6 लोगों से मिले। घायलों के समीप खड़े उनके परिजनों से भी बातचीत की। पीएम मोदी ने सिविल अस्पताल में ही हादसे में मृत लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें आश्वासन दिया। पीएम ने हादसे में मारे गए 23 मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। केंद्र सरकार की ओर से सभी मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की गई है। वहीं राज्य सरकार ने भी अपनी ओर से हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए देने की घोषणा की है। रविवार को मोरबी के करीब 140 साल पुराने झूलते पुल के टूटने से अब तक 135 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2 लोग अभी लापता है। घटना में 177 लोगों को बचाया गया है।

समान नागरिक संहिता ...

संस्कृतियों के ढांचे को सामने रखकर संविधान में इस अनुच्छेद को शामिल किया था। यह देश की एकता और संप्रभुता की पहचान है क्योंकि समाज में खानदानी कानूनों से विभिन्न ग्रुपों की पहचान होती है। अगर लोगों को उनकी पहचान से वंचित करने की कोशिश की गई तो यह बात लोगों को स्वीकार नहीं होगी। मौलाना रहमानी ने कहा है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड अन्य अल्पसंख्यकों के साथ मिलकर उत्तराखंड और गुजरात सरकार के फैसले के खिलाफ आवाज उठाएगा और इसका हर स्तर पर विरोध करेगा। उनका कहना है कि बोर्ड इस संबंध में क्रिस्चियन, सिख, बौद्ध और दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं के साथ संपर्क में हैं। उनका कहना है कि ऐसा लगता है कि सरकार चुनाव के अवसर पर अपनी नाकामी छुपाने के लिए इस तरह के मामलों को बढ़ावा दे रही है। हम सरकार से अपील करते हैं कि वह देश के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय अपने फायदे के कामों में अपना समय बर्बाद ना करे और अल्पसंख्यकों को जो बुनियादी हक दिए गए हैं उसकी सुरक्षा करे।

प्रधानमंत्री ने गुजरात ...

बात को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने ब्रिटिश काल से चली आ रही बांस की खेती और बिक्री पर रोक लगाने वाले कानून को खत्म करने, वनोपज की लगातार हो रही उपेक्षा को खत्म करने, आदिवासियों को अधिक से अधिक एमएसपी का लाभ देने वाली सरकार का उदाहरण दिया। 80 से अधिक विभिन्न वन उपज, और आदिवासियों के जीवन को आसान बनाते हुए उनका गौरव बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा किपहली बार आदिवासी समाज में विकास और नीति-निर्माण में भागीदारी बढ़ने का अहसास हुआ है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के सरकार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कियह हमारी सरकार थी जिसने फैसला किया कि बिरसा मुंडा को सम्मानित करने के लिए 15 नवंबर को *जनजातीय गौरव दिवस* (आदिवासी गौरव दिवस) के रूप में मनाया जाएगा। क्षेत्र के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने जंबुघोड़ा में उपस्थित होने पर बहुत गर्व व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से जुड़ी सैकड़ों करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है और शिलान्यास किया जा रहा है। गोविंद गुरु विश्वविद्यालय और केंद्रीय विद्यालय के नए प्रशासनिक परिसर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से हमारे आदिवासी बच्चों को काफी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने पिछली सरकार द्वारा पैदा की गई विकास की खाई को याद किया जो उन्हें विरासत में मिली थी जब उन्हें दो दशक पहले गुजरात की सेवा करने का मौका दिया गया था। आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, पोषण और पानी की बुनियादी सुविधाओं का भारी अभाव था। उन्होंने कहा किइस स्थिति से निपटने के लिए, हमने सबका प्रयास की भावना से काम किया। उन्होंने कहा किहमारे आदिवासी भाइयों और बहनों ने बदलाव की कमान संभाली और सरकार ने उनके लिए एक दोस्त होने के नाते हर संभव मदद की। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव एक दिन के काम का नतीजा नहीं है, बल्कि यह लाखों आदिवासी परिवारों के चौबीसों घंटे प्रयास है। प्रधानमंत्री ने आदिवासी क्षेत्र में शुरू हुए प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के 10 हजार नए स्कूलों, दर्जनों एकलव्य मॉडल स्कूल, बेटियों के लिए विशेष आवासीय स्कूल और आश्रम शालाओं का उदाहरण दिया। प्रधानमंत्री ने बेटियों को दी जाने वाली बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा और स्कूलों में पौष्टिक भोजन की उपलब्धता का भी उल्लेख किया। वनबंधु कल्याण योजना ने पिछले दशकों में आदिवासी जिलों के सर्वांगीण विकास में जो बड़ी भूमिका निभाई है, उस पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 14-15 वर्षों में इसके तहत 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए गए हैं। आदिवासी क्षेत्रों में योजना उन्होंने यह भी बताया कि गुजरात सरकार ने आने वाले वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपए और खर्च करने का फैसला किया है। क्षेत्र के समग्र विकास के बारे में जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने पाइप से पानी की सुविधा, सूक्ष्म सिंचाई और आदिवासी क्षेत्रों में डेयरी क्षेत्र पर जोर देने का उदाहरण दिया। उन्होंने यह भी बताया कि आदिवासी बहनों को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए सखी मंडलों का गठन किया गया था। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, संसद सदस्य और गुजरात सरकार के मंत्री उपस्थित थे।

राष्ट्रपति आज से ...

परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगी। 3 नवंबर को राष्ट्रपति कोहिमा युद्ध कब्रिस्तान में श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी और किगवेमा गांव का दौरा करेंगी जहां वह ग्राम परिषद के सदस्यों और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी। उसी दिन, वह एजल में मिजोरम विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी और मिजोरम राज्य में शिक्षा से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगी। शाम को, वह राजभवन, एजल में मिजोरम सरकार द्वारा उनके सम्मान में आयोजित नागरिक स्वागत समारोह में भी शामिल होंगी। 4 नवंबर को राष्ट्रपति एजल में मिजोरम विधानसभा के सदस्यों को संबोधित करेंगी। उसी दिन, वह अपने सम्मान में सिक्किम सरकार द्वारा आयोजित एक नागरिक स्वागत समारोह में भाग लेंगी और केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगी। 5 नवंबर को राष्ट्रपति दिल्ली लौटने से पहले तथागत त्साल, रावोंगला में महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के साथ बातचीत केरेंगी।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **तृतीय अध्याय**

(भक्ति)

ज्ञान तिव्र वैराग है, भक्ति सहायक जान।
सो अनन्य प्रभु भक्त में, भक्ति सकल गुण खान॥ 27॥

शब्दार्थ : (तीव्र) प्रखर, उत्कृष्ट।

भाष्य : तीव्र ज्ञान और वैराग्य भक्ति के सहायक हैं। समस्त गुणों से युक्त पूर्ण ज्ञानष वैराग्यवान प्रभु-भक्त को प्राप्त होता है।

नाम भक्ति पर श्रेष्ठ है, चिंतामणि परकाश।
बाह्याभ्यान्तर देखई, रूप अनूप विकाश॥ 28॥

शब्दार्थ : (चिन्तामणि) आराध्य (परकाश) उजाला।

भाष्य : नाम सत्पुरुष को कहते हैं। उस सत्पुरुष की भक्ति सर्वश्रेष्ठ है। नामरूपी मणि के प्रकाश में बाहर-भीतर सब प्रत्यक्ष हो जाता है और अनुपम प्रकाश की प्राप्ति होती है, उसी नाम-मणि के प्रकाश का चिंतन, अवराधन बख्त करते हैं।

अखिल असम सामान्य जाति परिषद ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

कहा, जनरल कास्ट के साथ हो रहा अन्याय

गुवाहाटी (विभास)। अखिल असम सामान्य जाती सुरक्षा परिषद ने गत 30 अक्तूबर को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के हाथों एक ज्ञापन सौपा। यह ज्ञापन परिषद के अध्यक्ष देवजीत गोस्वामी के हाथो सौंपा गया। इस दौरान परिषद के उपाध्यक्ष खिरोज कुमार बरदलै, महासचिव अमृत कुमार शर्मा, संजुक्त सचिव लिमा महंता सांगठनिक सचिव दिगन्ता गोस्वामी सही अन्य कई और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। परिषद ने इस ज्ञापन के जरिए अपनी चिंता व्यक्त करते हुए हुए लिखा है की आरक्षण के नाम पर असम के खास परिचय को धूमिल किया जा रहा है। अलप संख्यक और सोसित समुदाय के नाम पर मिल रहे आरक्षण के चक्कर में लोग वृहत्तर असमिया समाज को तोड़ जातीय व्यस्था में टूटते जा रहे है और अपने को एक दूसरे द्वारा शोषित बताने की होड़ सी लगी हुई है। कभी असम पर राज करने वाले अहोम और कोच-राजवंशी जैसे राजघराने के लोग भी अपने को शोषित बताने में लगे हुए। ऐसे में कुछ विशेष लोग जिसे संबिधान ने उच्च जाती का दर्जा दे रखा है वे समाज में अलग थलग पड़ने के कगार पर पांच चुके है। परिषद ने इस विषय पर विचार करने और जल्द कोई कारगर कदम उठाने तथा इस सामान्य जाती के लोगों के अधिकारों को सुरक्षित करने की बात कही है। परिषद का कहना है की मुख्यमंत्री इस विषय को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाए और राष्ट्रीय स्तर पर ही इस पर कोई बड़ा निर्णय हो।

नकली नोट के कारोबार में शामिल अरुणाचल के पुलिस वाहन चालक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर अरुणाचल प्रदेश पुलिस के एक वाहन चालक को नकली नोट के कारोबार में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मंगलवार को जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस चौकी क्षेत्र के नौ माइल के हस्तिनापुर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के किनारे नकली नोट के कारोबार में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अरुणाचल प्रदेश पुलिस के चालक बुद्धि समबायो के रूप में की गई है। अरुणाचल प्रदेश के लोवर सुवनसिरी जिले का रहने वाला बताया गया है। गिरफ्तार आरोपित के पास से पुलिस ने नकली नोट बनाने वाली एक मशीन, नगद दो नकली नोट, एक रिम ए4 साइज पेपर बरामद किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

पूसीरे का भूटान के साथ व्यापार सहयोग का लक्ष्य

लॉजिस्टिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यवसाय-विकास की बैठक आयोजित

मालीगांव (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के अलीपुरद्वार मंडल द्वारा हाल ही में पूसीरे और भूटान सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच एक व्यवसाय विकास बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें उनके विदेश मंत्रालय, व्यापार निकायों और चैंबर ऑफ कॉमर्स आदि के सदस्य शामिल थे। यह बैठक पूसीरे और भूटान सरकार के बीच व्यापार सहयोग के लक्ष्य को प्राप्ति के उद्देश्य से आयोजित की गई थी, जो भूटान के साथ भविष्य के संबंधों के लिए लॉजिस्टिक्स दृष्टिकोण का समर्थन करेगी। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने मंगलवार को बताया कि भूटान के प्रतिनिधिमंडल ने हासीमारा रेलवे स्टेशन का दौरा किया, जहां भूटान के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए पूसीरे द्वारा रणनीतिक रूप से एक बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। भूटान के साथ लॉजिस्टिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के सहयोग से एक गोदाम के साथ एक साइडिंग बनाने की योजना चल रही है। वास्तव में, भारतीय रेलवे ने पहले ही 75 उपयोगिता वाहनों वाले मल्टी-मॉडल मार्ग के माध्यम से भूटान को सामग्री की अपनी पहली प्रेषण पहुंचाया। वाहनों को न्यू मॉडिफाइड गुड्स (एनएमजी) रेक द्वारा चेन्नई से हासीमारा रेलवे स्टेशन ले जाया गया, जो विशेष रूप से हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) के परिवहन के लिए डिजाइन किया गया एक रेक है, जो 28 अक्तूबर को अलीपुरद्वार मंडल पहुंचा। इसके बाद प्रेषण को रोडवेज से भूटान ले जाया गया। प्रतिनिधिमंडल निकट भविष्य में चांगराबान्धा स्टेशन का दौरा करने का इरादा रखते है। बैठक में वाहनों, सीमेंट, पत्थर की सामग्रियों आदि की आवाजाही और लोगों से लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने व पर्यटन विकास से संबंधित चर्चा भी हुई। अलीपुरद्वार मंडल ने भूटान सरकार के प्रतिनिधियों को अवगत किया कि रेलवे का विजन है जो सामग्री रसद परिवहन के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्रमुख साधन और देश में और दक्षिण-पूर्व एशिया में भी व्यापक परिवहन के एक स्थायी विकल्प रूट है। रेलवे ने भूटान सरकार के प्रतिनिधियों को भारत और भूटान के बाजारों में विस्तृत और तेजी से माल परिवहन के लिए प्रतिस्पर्धी लागत और रणनीतिक क्षमताओं के बारे में बताया। भारतीय रेल ने भारत में कोकराझार से भूटान में गेलेफू तक ब्रॉड-गेज रेलवे ट्रैक बिछाकर क्रॉस-बॉर्डर लिंकेज के लिए पहले से ही नई परियोजनाएं शुरू कर दी हैं।

आठ लाख रुपए की प्रतिबंधित याबा टेबलेट जब्त

करीमगंज (हिंस)। जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लक्ष्मीबाजार ग्राम पंचायत (जीपी) के लाफासाइल में छापेमारी के दौरान बीएसएफ कर्मियों ने आठ लाख रुपए मूल्य की प्रतिबंधित नशे की याबा टेबलेट को जब्त किया। हालांकि, इस सिलसिले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पायी है। बीएसएफ की 37वीं बटालियन सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तड़के भारत-बांग्लादेश सीमा पर उत्तर करीमगंज विधानसभा क्षेत्र के लाफासाइल में छापेमारी के दौरान 1,575 याबा टेबलेट जब्त किया गया। बांग्लादेश में तस्करी के उद्देश्य से इस खेप को सीमा पर संग्रहीत किया गया था। बीएसएफ ने इसे स्थानीय पुलिस को कानूनी कार्रवाई के लिए सौंप दिया।

असमिया बीजेपी वार्ता पार्टी के संकल्प, कार्यों व विचारों का दस्तावेज : किरेन रिजिजू

नगांव (हिंस)। मासिक समाचार पत्र *असमिया बीजेपी वार्ता* के छठे वर्ष के ग्यारहवें संस्करण का मंगलवार को नगांव जिला के बढ़मपुर चुनाव क्षेत्र स्थित शहीद भवन में आयोजित एक समारोह में विमोचन किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भाजपा के मुखपत्र का विमोचन करते हुए कहा कि असमिया बीजेपी वार्ता पार्टी का संकल्प, कार्यों और विचारों का दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि पार्टी के मुखपत्र में प्रकाशित हर लेख भाजपा के आदर्शों को दर्शाता है। पार्टी कार्यकर्ताओं को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए नियमित रूप से बीजेपी वार्ता का अध्ययन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भाजपा का मुखपत्र पार्टी व सरकार के बीच सेतु का काम करता रहा है और भविष्य में भी करता रहेगा। इस कार्यक्रम की मेजबानी भाजपा नगांव जिला समिति के अध्यक्ष अभिजीत नाथ ने की। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष अशोक भट्टाराई, महासचिव दिप्लू रंजन शर्मा, विधायक रूपक शर्मा और जीतू गोस्वामी के साथ काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

गोलकगंज से कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुरू

धुबड़ी (असम) (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा शुरू की गई भारत जोड़ो यात्रा की कड़ी में मंगलवार को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) द्वारा धुबड़ी से ऊपरी असम के सदिया तक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के नेतृत्व में भारत जोड़ो पदयात्रा आरंभ की गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा ने धुबरी जिला के गोलकगंज निर्वाचन क्षेत्र से भारत जोड़ो यात्रा का उद्घाटन किया। वहीं, बेलगुड़ी में एक जनसभा का आयोजन किया। एआईसीसी के महासचिव जितेंद्र सिंह, एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा, नेता प्रतिपक्ष देवब्रत सैकिया, महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीरा बोरठाकुर, सांसद गौरव गोगोई, प्रद्युत बोरदोलोई, उपनेता प्रतिपक्ष रकीबुल हुसैन, विधायक वाजेद अली चौधरी, चौहान अली सरकार, धुबरी जिला कांग्रेस अध्यक्ष शमसुल इस्लाम ने भारत जोड़ो यात्रा में भाग लिया। गोलकगंज निर्वाचन क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने दावा किया कि लोग इस पदयात्रा में स्वत:स्फूर्त भाव से जुड़ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा धर्म की राजनीति करने में जुटी हुई है। जिसके चलते समाज में अशांति पैदा कर सांप्रदायिक पार्टी असम के समाज जीवन को नष्ट करने पर तुली हुई है।

होजाई में श्याम निशान पदयात्रा चार को

होजाई (होस)। सांवरिया भक्त मंडल, होजाई आगामी 4 नवंबर को श्याम निशान पदयात्रा का आयोजन करने जा रहा है। इस संवाददाता को जानकारी देते हुए श्याम भक्त संजय मुरारका ने बताया की बाबा श्याम की कृपा से सांवरिया भक्त मंडल होजाई आगामी 4 नवंबर को होजाई के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर से मां दुर्गा बालाजी बाबोसाहा मंदिर में श्याम दरबार को निशान पदयात्रा आयोजित करने जा रहा है। उन्होंन बताया की 4 नवंबर की सुबह 8.30 बजे श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में पूजा शुरू होगी और उसके बाद भक्तों के साथ पारंपरिक पोशाक में निशान के साथ पदयात्रा शुरू होगी। वहीं दूसरे दिन 5 नवंबर को शाम 5 बजे से श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के राम सदन में एक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां फरीदाबाद के भजन कलाकार अंश और वंश बाबा श्याम के दरबार में प्रस्तुति देंगे। इसके पश्चात श्याम रसोई का आयोजन होगा।

पश्चिमी देशों में स्वामी विवेकानंद की विचारधारा प्रसिद्ध : मानस डेका

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। स्वामी विवेकानंद की विचारधारा पश्चिमी देशों में व्यापक रूप से जानी जाती है। स्वामी विवेकानंद के सिद्धांतों की चर्चा भारत से भी ज्यादा विदेशों में हुई है। यह टिप्पणी स्वामी विवेकानंद और निकोला टेस्ला इंटरनेशनल फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष मानस डेका ने की। हिंदुस्थान समाचार से बात करते हुए डेका ने कहा कि हाल ही में यूरोप में भारत की *आजादी का अमृत महोत्सव* के हिस्से के रूप में क्रोएशिया के जागरेव में भारतीय दूतावास द्वारा *भारत और पश्चिम का ज्ञान और विज्ञान: टेस्ला के जीवन की अवधारणा में वैदिक सिद्धांत* पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि गत 25 अक्तूबर को भारत में जहां दीपावली का पर्व मनाया जा रहा था, उसी समय क्रोएशिया में आयोजित सम्मेलन स्वामी विवेकानंद और महान वैज्ञानिक निकोला टेस्ला के जीवन पर केंद्रित था। इस कार्यक्रम में कई विद्वानों ने भाग लिया, जिन्होंने स्वामी विवेकानंद और महान वैज्ञानिक निकोला टेस्ला के जीवन व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश कैसे विश्व नेता बनने जा रहा है, उसपर चर्चा की। स्वामी विवेकानंद और निकोला टेस्ला इंटरनेशनल फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष मानस डेका ने कहा कि सम्मेलन में क्रोएशिया के भारतीय राजदूत राजकुमार श्रीवास्तव, निकोला टेस्ला-जीनियस फॉर द फ्यूचर एसोसिएशन की अध्यक्ष ड्रिगिका मिहाजलोविच और मेन्डफुलनेस इंस्ले ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल एक आभासी समारोह में स्वामी विवेकानंद की आध्यात्मिकता और निकोला टेस्ला की वैज्ञानिकता के बारे में बात की थी।

तीन दिवसीय श्याम कार्तिक महोत्सव चार से

गुवाहाटी (विभास)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम परिवार गुवाहाटी के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्री श्याम कार्तिक महोत्सव का आयोजन आगामी 4 नवंबर से किया जाएगा। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित साधना मंदिर प्रांगण में खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु का भव्य दरबार बैठाया जाएगा। इस दौरान पूजा-अर्चना व ज्योति प्रज्वलित कर महाआरती की जाएगी। बाबा को छप्पन भोग का प्रसाद च ?ाया जाएगा एवं भजन-कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन 4 नवंबर को रात्रि 9.15 बजे से कोलकाता से नीतेश शर्मा अपने भजनों की प्रस्तुती देंगे। वहीं मध्य रात्रि 12 बजे खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु का जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

मालीगांव गौशाला में गौ-पूजा का आयोजन

गुवाहाटी (विभास)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोपाष्टमी के उपलक्ष में मालीगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में गौ पूजन का आयोजन किया गया। गौशाला के पदाधिकारियों ने गौ माता की पूजा अर्चना कर उन्हें गुड़, घास खिलाया। तत्पश्चात परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में वीर बजरंगबली की पुजा अर्चना व आरती भी की गई। इस मौके पर मालीगांव गौशाला के संयोजक सुशील गोयल, सहसंयोजक गौतम शर्मा, समित सराफ, कार्यकारणी सदस्य पितराम केडिया, केआर चौधरी, विवेक सांगानेरिया, शैलेंद्र शर्मा, अरुण अग्रवाल, प्रभाष पोद्दार आदि मौजूद थे। मालीगांव गौशाला के प्रभारी प्रमोद शर्मा वहां आने वाले सभी गौ भक्तों को व्यवस्थित रूप से गौ पूजन करने में सहयोग करते देखे गए। दिन भर आज वहा भी भक्त गौ पूजन करने पहुंच रहे थे।

सेंटर फॉर साइट हॉस्पिटल्स ने गुवाहाटी में खोला वर्ल्ड क्लास सेंटर

गुवाहाटी (विभास)। सेंटर फॉर साइट ग्रुप ऑफ आई हॉस्पिटल्स ने भारत के उत्तरी पूर्वी हिस्से में एक बेहतर और गुणात्मक नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने की दिशा में कदम उठाते हुए गुवाहाटी में अपना एक नया आई केयर सेंटर शुरू कर दिया है। डॉक्टरों की एक विश्वसनीय टीम द्वारा नवीनतम तकनीक के साथ आंखों का उपचार किया जाएगा। सेंटर के शुभारंभ के अवसर पर असम सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, सूचना प्रौद्योगिकी व विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्री केशव महंत, गुवाहाटी से सांसद रानी ओझा समेत विभिन्न क्षेत्रों के कई अन्य दिग्गज मौजूद रहे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री केशव महंत ने कहा कि मैं सेंटर फॉर साइट का गुवाहाटी में स्वागत करता हूं। इस ग्रुप द्वारा अब तक अर्जित उपलब्धियों को देखकर मुझे खुशी हो रही है। सेंटर फॉर साइट ने मरीज के इलाज के लिए उपलब्ध तकनीक, विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचे के मामले में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे यह एक आदर्श वन स्टॉप आई केयर डेस्टिनेशन बन गया है। अस्पताल के खुलने से गुवाहाटी और आसपास के क्षेत्र में आखों की देखभाल के एक नए युग की शुरुआत होगी. सेंटर फॉर साइट इस क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण किफायती सुविधाएं प्रदान करेगा। वहीं इस मौके पर गुवाहाटी सांसद क्वीन ओझा ने कहा कि यह अस्पताल डॉक्टरों की एक अत्याधुनिक और प्रसिद्ध टीम से सुसज्जित है और मेरा मानना है कि सेंटर फॉर साइट के आने से, यहां के लोगों के अलावा पूरे नॉर्थ ईस्ट को फायदा होगा. इस मौके पर सेंटर फॉर साइट ग्रुप ऑफ आई हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. महिपाल सिंह सचदेव ने कहा कि भारत में लगभग 12 मिलियन नेत्रहीन लोग हैं, जो भारत को दुनिया की एक तिहाई नेत्रहीन आबादी का घर बनाते हैं। वर्तमान समय में सुपर स्पेशियलिटी और उन्नत नेत्र देखभाल में वृद्धि हुई है, लेकिन सुविधा या इलाज पूरे देश में समान रूप से हर जगह उपलब्ध नहीं है। हम भारत के हर हिस्से में सस्ती व विश्व स्तरीय आंखों की देखभाल के मिशन पर काम कर रहे हैं। भारत के 30 से अधिक शहरों, 50 से अधिक स्थानों साथ और हर साल 10 लाख से अधिक रोगियों की सेवा करने के साथ ही अब सेंटर फॉर साइट गुवाहाटी में भी सेवा दे रहा है। यह केंद्र उन्नत मोतियाबिंद समाधान से लेकर डायबिटिक रेटिनोपैथी, ग्लूकोमा और सभी प्रकार की जटिल सर्जरी और सस्ती नेत्र देखभाल सेवाएं देने के अलावा एक ही छत के नीचे व्यापक आंखों के संबंधी सेवाएं प्रदान करने में विशिष्ट है, जो इसे एक आदर्श वन-स्टॉप आई केयर बनाता है। केंद्र को प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों के साथ सूचीबद्ध किया जाएगा। टीपीए पहले से ही पूर्वोत्तर के लोगों के लिए व्यापक नेत्र जांच शिविर आयोजित कर रहा है। अब इस सेंटर में एक ऑप्टिकल विंग, सीएफएस विजन से संपूर्ण आईवियर समाधान हो सकेगा। मरीजों को विश्व स्तरीय नेत्र देखभाल प्रदान करने के लिए केंद्र सभी एडवांस और उन्नत मशीनों से लैस है। जिसमें फेकमूल्सीफिकेशन (फेको) के साथ सूक्ष्म चीरा मोतियाबिंद सर्जरी (एमआईसीएस) के बाद फोल्डेबल उन्नत लेंस- ट्राइफोकल, मल्टीफोकल, टॉरिक, ईडीओएफ और उन्नत डिजाइन इंट्राओकुलर लेंस (आईओएल) का आरोपण किया जाता है।

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा ने किया गौ पूजन

गुवाहाटी (विभास)। दीपों के इस झिलमिलाते त्यौहार की आइए मिलकर बधाइयां दें। गो माता का पूजन कर उनकी भी बलाइयाँ लें। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर सदस्याओं ने सर्वप्रथम श्री गणेश तथा हनुमान जी और फिर गोमाता की पूजा अर्चना की। उन्होंने सम्मिलित रूप से सवामणी का भोग लगाया, चुनरी ओढ़ाई, गुड़ और घांस खिलाया। सभी ने एक दूसरे को राम-राम कहा और त्यौहारों की बधाइयां दी। ध्यान फाउंडेशन द्वारा बार्डर पर पकड़ी गई तथा परित्यक्त गायों की सेवा सरकार की मदद से की जा रही हैं। सदस्याओं ने उन गायों के सहायतार्थ भी कुछ राशि जमा की। तत्पश्चात सभी ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय तथा अखिल विश्व गायत्री परिवार, हरिद्वार द्वारा लिए जा रहे भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा तथा नेत्र जांच शिविर आदि अपने अगले प्रकल्प पर विचार विमर्श किया। आपस में कुछ खेल खेले गए तथा खुले आसमान के नीचे अति शुद्ध वातावरण में सभी ने गरमागरम नाश्ते का लुत्फ उठाया। कार्यकारिणी सदस्य चंदा तुलस्यान को जन्मदिन की बधाई दी। शाखा के इस प्रकल्प की सभी ने खुले दिल से प्रशंसा की।

श्री जानकी बल्लभ मंदिर परिसर में हर्षोल्लास मना गोपाष्टमी उत्सव

गुवहाटी। श्री जानकी बल्लभ मंदिर कल्याण भवन (राम मंदिर) प्रांगण में भी गोपाष्टमी का उत्सव हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया काफी संख्या भक्तों पुरुष महिला ने गौ माता की पूजन अर्चन किया मंदिर के सभी पंडित जी द्वारा भक्तों द्वारा पूजा किया गया। बेलतला सर्वे सुपर मार्केट लास्ट गेट क्रिनबस्त, हेगेराबारी, भेटापारा, लाल माटी, काहिलीपाड़ा, जतिया गणेशगुरी, लक्ष्मी नगर सभी क्षेत्र के आस-पास के भक्तों ने उपस्थित होकर पूजन अर्चन की कई सालों से इस पर्व को मनाएं आते रहे हैं। वर्तमान समय गुवाहाटी गुवाहाटी गौशाला जाने की ट्रैफिक जाम को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। गौपा अष्टमी के विषय पर आचार्य गोपाल जी ने कहा की यह त्यौहार भगवान कृष्ण और गायों का समर्पित दिन है नंद महाराज ने श्रीकृष्ण को वृंदावन की गायों को देखभाल करने की जिम्मेदारी दी थी उसी कारण को याद करके मनाया जाता है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन गोपाष्टमी का त्योहार मनाया जाता है और हिंदू धर्म में इस दिन विशेष महत्व है। क्योंकि हिंदू धर्म में गौ माता को पूजनीय स्थान प्राप्त है और कहते हैं कि गौ माता का पूजन करने से सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार आज यानि 1 नवंबर को कार्तिक माह की शुक्ल अष्टमी तिथि है और आज के दिन गोपाष्टमी का त्योहार मनाया जाता है। अगर आप भी सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद पाना चाहते हैं तो गोपाष्टमी के और नित्य नित्य पूजन करें गौ माता की।

No. HMB.242/202 1/63

NOTIFICATION

In pursuance of this Department's Advertisement No. HMB.242/2021/42 dated 12.07.2022 and Corrigendum No. HMB.242/2021/45 dated 01.08.2022, it is for information to all Applicants that Home & Political Department will hold the Interview/ Viva-Voce for the post of 13 numbers of Scientific Officer and 7 numbers of Jr. Scientific Officers under the Directorate of Forensic Scicnce, Assam under Regulation 3(f) of Assam Public Service Commission (Limitations & Functions) Regulations, 1951 at the O/o the Directorate of Forensic Science, Assam, Kahilipara, Guwahati-19 from 07/11/2022 at 10.30 A.M. onwards.

Kindly note that the candidates appearing the Interview/ Viva-Voce may kindly download their Admit card from the website http://niyukti.assam.gov.in/forensic/ from 04/11/2022 and must bring the testimonials/ documents described in the Advertisement and Corrigendum.

-- Janasanyog /D/15143/ 22

Joint Secretary to the Govt. of Assam,
Home & Political Department, Dispur.

भारत दौरे पर आए भूटानी कमांडर से हुई रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली, (हि.स.)। रॉयल भूटान आर्मी के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल बट्ठू शेरिंग मंगलवार को भारत की यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। उन्होंने भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू से मुलाकात करके दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। सैन्य अधिकारियों के बीच हुई वार्ता भारत-भूटान रक्षा सहयोग पर केंद्रित रही और दोनों कमांडरों ने उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों की समीक्षा की। भारत यात्रा पर पहुंचे भूटानी कमांडर ने शहीद जवानों के सम्मान में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (नेशनल वॉर मेमोरियल) में माल्यार्पण किया। उन्हें साउथ ब्लॉक के लॉन में गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। लेफ्टिनेंट जनरल शेरिंग की दिल्ली यात्रा तब हो रही है, जब पूर्वी लद्दाख सीमा पर चीनी गतिविधियों के बीच भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे इसी साल जुलाई में दो दिवसीय भूटान यात्रा पर वहां गए थे, जहां उन्होंने शीर्ष नागरिक और सैन्य नेताओं के साथ बातचीत की थी। चीन

डोकलाम पठार में भूटानी क्षेत्र के आसपास बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है। डोकलाम पठार भारत के सामरिक हित के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र माना जाता है। इसलिए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने लेफ्टिनेंट जनरल बट्ठू शेरिंग के साथ द्विपक्षीय सैन्य संबंधों का विस्तार करने के तरीकों पर व्यापक बातचीत की। सेना प्रमुख जनरल पांडे ने लेफ्टिनेंट जनरल बट्ठू शेरिंग का गर्मजोशी से स्वागत किया और दोनों सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। भारतीय सेना के वाइस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल बीएस राजू के साथ बातचीत में लेफ्टिनेंट जनरल शेरिंग ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। अधिकारियों ने कहा कि यह वार्ता भारत-भूटान रक्षा सहयोग पर केंद्रित रही और दोनों कमांडरों ने उभरते क्षेत्रीय सुरक्षा खतरों की समीक्षा की। भारत और भूटान की सेनाओं के बीच पुराने रिश्ते हैं। भूटान चौतरफा थलीय सीमा से जुड़ा है और कोई भी जलीय सीमा नहीं है। इसलिए वहां नौसेना नहीं है। भूटान के पास वायुसेना भी नहीं है, इसलिए भूटानी सेना भारत के पूर्वी एयर कमांड पर निर्भर है। भूटान की सेना का नाम रॉयल भूटान आर्मी है, जिसकी स्थापना 64 साल पहले 1958 में की गई थी। इसका मुख्यालय भूटान की राजधानी थिंपू के लुंगतेनफू में है। भारत के उत्तर-पूर्वी दिशा में मौजूद 38,394 वर्ग किलोमीटर में फैला पड़ोसी देश भूटान भारत के केरल राज्य से थोड़ा ही छोटा है। भारतीय सेना ने भूटानी सेना की ट्रेनिंग के लिए इंडियन मिलिट्री ट्रेनिंग टीम बनायी है। इसके अलावा पुणे स्थित एनडीए और देहरादून स्थित आईएमए में भी भूटानी सेना के जवानों को ट्रेनिंग दी जाती है।

किसानों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस करेगी बैठक

नई दिल्ली, (हि.स.)। किसानों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस शीतकालीन सत्र के पहले बैठक करने वाली है। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा ने मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर किसानों, मजदूरों के मुद्दों को लेकर चर्चा की है। खैरा ने कहा कि किसानों की आर्थिक हालत लगातार खराब होती जा रही है। किसानों के मुद्दों को लेकर केन्द्र सरकार गंभीर नहीं है। ऐसे में संसद में किसानों के मुद्दों को अधिक से अधिक उठाया जा सके इसको लेकर कांग्रेस 15 नवंबर से पहले कांग्रेस मुख्यालय में बैठक कर किसानों के हितों को लेकर चर्चा करेगी। खैरा ने कहा कि 20 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है।

इस सत्र में किसानों के मुद्दों को गंभीर से उठाया जाए उसको लेकर कांग्रेस तैयार में जुटी है। उसी क्रम में बैठक का आयोजन किया जाएगा। खैरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में किसान आर्थिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में किसानों पर कर्जे बढ़ रहे हैं। पंजाब के किसानों पर बैंकों के कर्ज एक लाख करोड़ के आस-पास पहुंच गए हैं। बीते सात महीनों में पंजाब में 60 से अधिक किसानों ने कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती से मप्र में लागू होगा पेसा एक्ट: शिवराज

- मुख्यमंत्री चौहान मानगढ़ धाम की गौरव गाथा कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। मध्य प्रदेश सरकार इस अवसर पर जनजातीय भाई-बहनों के कल्याण के लिए पेसा एक्ट लागू करने जा रही है। जनजातीय भाई-बहन स्वाभिमान के साथ जिएं, इसके लिए अनेक विकास गतिविधियां और कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री चौहान मंगलवार को राजस्थान के बांसवाड़ा स्थित मानगढ़ हिल पर आयोजित मानगढ़ धाम की गौरव गाथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल तथा केन्द्रीय मंत्रीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मानगढ़ के जनजातीय नायकों

के सम्मान और उनकी पहचान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्य किया है। नायकों के बलिदान स्थल पर स्मारक बनाने का निर्णय, शहीदों के प्रति वास्तविक श्रद्धांजलि है। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शहीदों के पूजन की परम्परा को पुनः आरंभ किया गया है। मध्यप्रदेश की धरती पर भी भीमा नायक, टंट्या मामा, रघुनाथ शाह-शंकर शाह जैसे जनजातीय नायकों की स्मृति में स्मारक बनाने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के कई शहीद ऐसे थे, जिनका बलिदान सामने नहीं आ पाया। मानगढ़ में गोविंद गुरु ने अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए अंग्रेजों की चुनौती को स्वीकार किया और 1500 से अधिक वीरों ने बलिदान दिया। प्रधानमंत्री मोदी का बलिदान स्थल पर स्मारक बनाने का निर्णय अभिनंदनीय है। मध्यप्रदेश से भी बड़ी संख्या में जनजातीय भाई-बहन मानगढ़ धाम को प्रणाम करने आए हैं। यह लोग मानगढ़ धाम की माटी से अपने भाल पर तिलक करें और इस बलिदानी माटी को अपने गांव भी ले जाएं। मानगढ़ धाम बलिदान की धरती है। देश पर अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले सदैव स्मरण किए जाएंगे और पूजे जाएंगे।

दिल्ली के नरेला में शूज फैक्टरी में आग, दो की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। देश की राजधानी दिल्ली में बाहरी उत्तरी जिले के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार सुबह जूता-चप्पल बनाने वाली फैक्टरी में आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। कई मजदूर लपटों में घिर गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 10 गाड़ियां पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकालाए जबकि दो लोगों को अचेत अवस्था में नजदीकी अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शुरूआती जांच में पता चला है कि दोनों मजदूरों की दम घुटने से मौत हुई है। पुलिस मृतकों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों की उम्र 30 से 32 के बीच की है। खबर लिखे जाने तक आग बुझाने का काम जारी है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने इसकी पुष्टि की है। दमकल विभाग के अनुसार यह तीनमंजिला फैक्टरी नरेला इंडस्ट्रियल एरिया के ई ब्लाक में है। यह तीन सौ वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली है। इसकी दूसरी-तीसरी मंजिल पर आग लगी है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी देवेश कुमार महला के मुताबिक अभी 2-3 लोगों के अंदर होने की आशंका है। सभी फैक्टरी में काम कर रहे थे। आग के बुझने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया जाएगा। हादसे के वक्त रबड़ की चप्पल तैयार हो रही थीं। इस वजह से आग तेजी से फैली। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सोमवार शाम दक्षिण दिल्ली में माउंट कैलाश अपार्टमेंट की 7वीं मंजिल पर आग लग गई थी। दमकल की 6 गाड़ियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस साल अग्निजनित हादसों में गई 591 की जानः वर्ष 2021-22 में दमकल विभाग के कंट्रोल रूम को कुल 27343 कॉल्स (एक अप्रैल से 31 मार्च तक) मिलीं। यह आंकड़ा 2020-2021 में 25709 का था। आंकड़ों के हिसाब से पिछले साल के मुकाबले कुल 1634 कॉल की संख्या में इजाफा हुआ। कोविड से पूर्व वर्ष 2019-2020 और 2018-2019 की बात करें तो यह आंकड़ा 31 हजार से ज्यादा का था। उस समय हादसों में जान गंवाने लोगों की संख्या बेहद कम थी। इस साल जान गंवाने वालों लोगों की संख्या 591 है। पिछले साल 346 लोगों की जान गई थई।

मुख्यमंत्री शिंदे के ओएसडी को नक्सलियों ने दी जान से मारने की धमकी

मुंबई, (हि.स.)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) डॉ. राहुल गेठे को नक्सलवादियों ने पत्र भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। गेठे ने इससे पुलिस को अवगत करा दिया है। इस धमकी के मद्देनजर पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस इस पत्र की छानबीन कर रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले नक्सलियों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भी जान से मारने की धमकी दी थी। इस पत्र को लाल स्याही से लिखा गया है। यह पत्र नवी मुंबई स्थित राहुल गेठे के घर पर भेजा गया है। पत्र में कहा गया है कि राहुल गेठे की वजह से नक्सल

गतिविधियों को नुकसान हो रहा है। इसलिए मौत का फरमान जारी किया गया है। जल्द इस पर अमल किया जाएगा। पत्र में जय नक्सलवाद भी लिखा है। डॉ. राहुल गेठे पिछले पांच साल से एकनाथ शिंदे के ओएसडी हैं। उल्लेखनीय है कि शिंदे गढ़चिरौली जिले के संरक्षक मंत्री रह चुके हैं। तब गेठे की देखरेख में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य शुरू किए गए थे। तब से गेठे नक्सलियों के निशाने पर हैं।

नासिक एयरपोर्ट 13 दिन रहेगा बंद, चार दिसंबर को खुलेगा

मुंबई, (हि.स.)। नासिक का ओजर एयरपोर्ट 20 नवंबर से 13 दिन के लिए बंद रहेगा। इसे 04 दिसंबर को खोला जाएगा। इस अवधि में मरम्मत होगी। यह जानकारी एयरपोर्ट प्रबंधन ने दी है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड प्रशासन के अनुसार रनवे के रिसर्फेसिंग का काम किया जा रहा है। फिलहाल इस एयरपोर्ट से स्पाइस जेट की फ्लाइट सर्विस संचालित है। नासिक से दिल्ली और हैदराबाद को जोड़ने वाली

सेवा अगले 13 दिन तक बंद रहेगी। इन फ्लाइट्स को शिरडी डायवर्ट किया जाएगा। इससे यात्रियों को शिरडी से इन उड़ानों को पकड़ना होगा। नासिक एयरपोर्ट पर यह सेवा 3 दिसंबर के बाद शुरू होगी।

चारधाम यात्रा : 43 लाख 58 हजार से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे दर्शन-पूजन को

-बदरीनाथ में सर्दी बढ़ी, मौसम सामान्य

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड चारधाम यात्रा में 43 लाख 58 हजार से 860 तीर्थयात्री धाम पहुंचे हैं। चारों धाम में केदारनाथ सहित तीन धाम के शीतकाल के लिए कपाट बंद हो गए हैं। बदरीनाथ धाम के कपाट 19 नवंबर को बंद हो जाएंगे। बदरीनाथ धाम यात्रा सुचारू रूप से चल रहा है। धाम में सर्दी बढ़ने के साथ मौसम सामान्य है। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अनुसार बदरीनाथ धाम में 31 अक्टूबर रात्रि तक 3808 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे। अब तक कुल कपाट खुलने की तिथि 8 मई 31 अक्टूबर शाम तक 16 लाख 85 हजार 378 तीर्थयात्री धाम में पहुंचे हैं। अब तक कुल चारोधाम में 31 अक्टूबर शाम तक 43 लाख 58 हजार 860 तीर्थयात्री पहुंचे हैं। केदारधाम, यमुनोत्री और गंगोत्री के अक्टूबर माह में कपाट बंद हो गए। अब केवल बदरीधाम के कपाट खुले हैं। केदारनाथ धाम कपाट खुलने की तिथि 6 मई से 27 अक्टूबर कपाट बंद होने तक 15 लाख 63 हजार 278 लोगों

ने दर्शन किया। इनमें से हेलीकॉप्टर से कपाट बंद होने तक पहुंचे 1 लाख 51 हजार 795 तीर्थयात्री भी शामिल।

31 अक्टूबर तक बदरीनाथ-केदारनाथ पहुंचने वाले कुल तीर्थयात्रियों की संख्या का योग 32 लाख 48 हजार 656 है। यमुनोत्री धाम कपाट खुलने की तिथि 3 मई से 27 अक्टूबर कपाट बंद होने तक तक 4 लाख 85 हजार 688 तीर्थयात्री और गंगोत्री धाम में कपाट खुलने की तिथि 3 मई से 26 अक्टूबर तक कपाट बंद होने तक 6 लाख 24 हजार 516 लोग धाम पहुंचे। दोनों धामों में 11 लाख 10 हजार 204 तीर्थयात्री दर्शन किए। हेमकुंड साहिब-लोकपाल तीर्थ कपाट खुलने की तिथि 22 मई से 10 अक्टूबर कपाट बंद की तिथि तक 2,47000 तीर्थयात्री पहुंचे। चारधाम तथा हेमकुंट साहिब लोकपाल तीर्थ को मिलाकर कुल तीर्थयात्रियों की संख्या 46 लाख 5 हजार 860 लोगों ने धाम की यात्रा की है।

कपाट बंद होने की तिथियां- बदरीनाथ धाम शनिवार 19 नवंबर को बंद होंगे। केदारनाथ धाम 27 अक्टूबर (गुरुवार) और यमुनोत्री धाम का 27 अक्टूबर को कपाट बंद हुए।गंगोत्री धाम (बुधवार) 26 अक्टूबर कपाट बंद हुए।

तृणमूल ने कुणाल को दी शुभेंदु के गढ़ में सांगठनिक मजबूती की जिम्मेदारी

कोलकाता, (हि.स.)। सूबे की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल ने कुणाल घोष को नंदीग्राम से भाजपा विधायक और राज्य के विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी के गढ़ पूर्व मेदिनीपुर जिले की "जिम्मेदारी" सौंपी है। भले ही वह लंबे समय से राजनीति में हैं, लेकिन कुणाल को कभी भी तृणमूल की जिम्मेदारी लेकर कोलकाता के बाहर नहीं जाना पड़ा था। खुद को तृणमूल का "बैड टाइम्स सोल्जर" कहने वाले कुणाल घोष को यह जिम्मेदारी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हाल में कुणाल घोष विश्व हिंदू अधिकारी के बीच जमकर तकरार

हुई है। इस बीच घोष की जिम्मेवारी मिलने को लेकर राजनीतिक अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। दावा किया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले क्षेत्र में अधिकारी परिवार को कमजोर करने की रणनीति के तहत कुणाल घोष को यह जिम्मेदारी दी गई है। बहरहाल वही से कितना पूरा कर पाएंगे यह देखने वाली बात होगी।

गुजरात के मुख्यमंत्री तुरंत दें इस्तीफा : केजरीवाल

सुकेश की चिट्ठी ब्रिज हादसे से मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को मोरबा में हुए हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। केजरीवाल ने मंगलवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि मोरबी में पुल हादसे में 134 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह सामान्य घटना नहीं है। यह भ्रष्टाचार का मामला है। केजरीवाल ने कहा कि एक घड़ी बनाने वाली कंपनी को पुल बनाने का ठेका क्यों दिया गया? इस कंपनी को पुल के रखरखाव का कोई अनुभव नहीं था, फिर भी इसे काम क्यों दिया गया? केजरीवाल ने कहा कि जिस कंपनी ने पुल का काम किया था। उसका एफआईआर में नाम नहीं है। सरकार असली गुनाहगारों को छुपाने की कोशिश कर रही है। केजरीवाल ने हादसे में जान गंवाने

वाले लोगों के लिए प्रार्थना की और घायलों के स्वस्थ्य होने की कामना करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। सुकेश और आप नेता सत्येन्द्र जैन के संबंध को लेकर केजरीवाल से सवाल पूछने पर उन्होंने कहा कि सुकेश के पत्र की कोई सच्चाई नहीं है। भाजपा गुजरात में हुए ब्रिज हादसे से मीडिया का ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कर रही है। तिहाड़ जेल में बंद सुकेश चन्द्रशेखर ने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक पत्र लिखा है। इसमें सुकेश ने दावा किया है कि उसने जेल में सुविधा पाने के लिए आप नेता सत्येन्द्र जैन को 10 करोड़ रुपये दिए थे। जिसे केजरीवाल ने सिरे से खारिज कर दिया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव : आम आदमी पार्टी ने 22 और उम्मीदवारों की घोषणा की

-8वीं सूची में अहमदाबाद, सौराष्ट्र और मध्य गुजरात से बनाए उम्मीदवार

-अब तक 108 उम्मीदवारों की जारी की सूची

अहमदबाद, (हि.स.)। आम आदमी पार्टी ने मंगलवार सुबह गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की 8वीं सूची जारी कर दी। इस सूची में 22 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई है। आप अभी तक 108 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर चुकी है। आप ने 4 नवंबर को अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री का चेहरा भी घोषित करने की बात कही है। गुजरात विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा करने में आम आदमी पार्टी मुख्य प्रतिद्वंदी भाजपा और कांग्रेस से दो कदम आगे हैं। दोनों बड़ी पार्टियों की ओर से अभी तक एक भी नाम की घोषणा नहीं की गई है। आम आदमी पार्टी की जारी 8वीं सूची में दहेगाम विधानसभा सीट से युवराज सिंह जाडेजा, एलिस ब्रिज विधानसभा से पारसभाई शाह, नारणपुरा विधानसभा से पंकजभाई पटेल, मणिनगर विधानसभा से विपुलभाई पटेल, धंधुका से कैप्टन चंदूभाई बामरोलिया, अमरेली से रविभाई धानाणी, लाठी से उद्योगपति जयसुखभाई देत्रोजा, राजुला से भरतभाई बलदाणीया, भावनगर पश्चिम सीट राजूभाई सोलंकी, मातर सीट से महिपत सिंह चौहाण, छोटाउदेपुर की जेतपुर विधानसभा से राधिकाबेन राठवा, डभोई से अजितभाई ठाकोर, वडोदरा सिटी से चंद्रिकाबेन सोलंकी, अकोटा विधानसभा से शशांकभाई खरे, वड़ोदरा के रावपुरा विधानसभा से हिरेनभाई सिरके, जंबुसर

विधानसभा से साजिद रेहान, भरूच विधानसभा से मनहरभाई परमार, नवसारी विधानसभा से किसान नेता उपेशभाई पटेल, वांसदा पंकजभाई, धरमपुर विधानसभा से कमलेशभाई, पारडी विधानसभा से केतनभाई पटेल, कपराड़ा विधानसभा से जयेंद्रभाई गावित को पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया ने कहा कि मोरबी दुर्घटना में मृत व्यक्तियों की आत्मा की शांति के लिए आम आदमी पार्टी गुजरात की सभी विधानसभाओं क्षेत्रों में कैंडल मार्च निकालकर मृत व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देने और पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। 2 नवंबर को भी आम आदमी पार्टी विभिन्न शोक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की गारंटी के माध्यम से हर एक घर तक अरविंद केजरीवाल के विचारों का संदेश, आम आदमी पार्टी का काम और गुजरात में एक नया मजबूत शानदार विकल्प आ गया है, जो मैसेज घर तक पहुंच रहा है।

दिल्ली में प्रदूषित हवा के लिए 'आप' सरकार जिम्मेदार: भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि दिल्ली में जो हवा प्रदूषित हो रही है, वो पंजाब में पराली जलाने का परिणाम है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि आज दिल्ली की जनता ये जानना चाह रही है कि जब पंजाब में भी आप की सरकार है तो ऐसा क्यों हो रहा? मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इसका जवाब देना चाहिए। भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि आज दिल्ली और पंजाब की जनता कह रही है कि दिल्ली और पंजाब की हवा में जो जहर है, उसके लिए आप सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि ये सब अरविंद केजरीवाल के निठल्लेपन का कहर है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने केजरीवाल को अपने राजकीय कोष से सारी सहूलियत और मशीनें उपलब्ध कराई, जिससे कि पराली जलाने का प्रदूषण कम हो जाए और हवा जहरीली न हो। लेकिन 1 लाख 20 हजार मशीनें

होने के बाद भी पंजाब सरकार ने उसका इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा कि पहले केजरीवाल कहते थे कि जो दिल्ली में हवा प्रदूषित हो रही है, वो पंजाब में पराली जलाए जाने का परिणाम है।

किंतु, आज जब पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है तो दिल्ली की जनता यह जानना चाहती है कि यहां की हवा में प्रदूषण का जहर क्यों नही रुक रहा जब पंजाब में भी आप की ही सरकार है। केजरीवाल को सामने आकर दिल्ली की जनता के इस सवाल का जवाब देना चाहिए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इंडिया वाटर वीक-2022 का किया शुभारम्भ

-इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में पांच दिन तक चलेगा इंडिया वाटर वीक-2022
-जल से जुड़े तमाम विषयों से जुड़े मुद्दों पर देश और दुनिया के विशेषज्ञ करेंगे चर्चा

नोएडा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में इंडिया वाटर वीक-2022 का शुभारम्भ किया। इस मौके पर उन्होंने एक तरफ जहां केन्द्र और राज्य सरकारों के जल संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों को जिक्र किया, वहीं सीमित जल संसाधन के लिए लोगों में जागरुकता लाने, इस क्षेत्र में बढ़-चढ़कर कार्य करने और आचार व्यवहार में लाने की अपील की। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत समेत विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से आते हैं। सर्वाधिक आबादी वहीं होगी, जहां जीवन जीने की व्यवस्था सबसे अधिक हो। देश में पर्याप्त जलसंसाधन हैं, लेकिन नियोजन का अभाव था। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से नियोजन हुआ। हम सब प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं। पांच दिन जलसंरक्षण और समसामयिक विषयों पर विशेषज्ञ चिंतन करेंगे और हमे रास्ता दिखाएंगे। कभी नदियों को जोड़ने का प्रयास नहीं हुआ। छोटी नदियां विलुप्तप्राय होती गयी। उप्र में 60 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया गया। गंगा उप्र के सर्वाधिक भूभाग को कवर करती है। कानपुर में गंगा की सबसे खराब स्थिति थी। आज एक भी बूंद सीवर का पानी नहीं गिरता है। आज वह स्थान सेल्फी प्वाइंट बना है। जलीय जीव गंगा में दिखने लगे हैं। यह नमामि गंगे परियोजना की देन है। काशी में एक बार फिर से गंगा में डाल्फिन दिखाई देने लगी है। यह वर्ष आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष है। प्रधानमंत्री मोदी ने जल संचयन क्षेत्र में कार्य करने का आह्वान किया है। उप्र में सभी 58 हजार ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवर का कार्य शुरू किया है। हमें माटी के बर्तन की ओर बढ़ना होगा। प्लास्टिक और थमाकोल को छोड़ना होगा। उप्र में माटी कला बोर्ड का गठन किया गया। बोर्ड के प्रयासों से मिट्टी के बर्तन प्लास्टिक और थमाकोल की कीमत में ही मिलने लगे तो लोगों की रुझान उस ओर बढ़ी है। दिसंबर 2022 तक बुंदेलखण्ड और विंध्य क्षेत्र के हर घर में शुद्ध जल पहुंचा दिया जाएगा। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि हम सब जानते हैं कि बढ़ते हुए जलसंकट की चुनौतियों से हम सब जूझ रहे हैं। समय की मांग है कि हम सब एक साथ मिलकर विचार करें और कार्य करें। देश और दुनिया की कोई एक संस्था या सरकार के काम करने से समाधान होने वाला है। इसलिए सबको लगना होगा। प्रधानमंत्री मोदी इस संकट को समझते हुए जलशक्ति मंत्रालय का गठन किया। दुनिया में उपलब्ध जल का केवल चार प्रतिशत का ही पीने के लिए उपयोग किया जा सकता है। दुनियाभर में मौजूद पानी का केवल चार प्रतिशत चल ही भारत के पास है। यहां की जलवायु, वर्षा का निर्धारित समय, कभी सूखा और कभी बाढ़ की वजह से हमारी चुनौतियां बड़ी हैं। बढ़ती आबादी की वजह से पानी की खपत बढ़ती जा रही है। भूगर्भ जल पर निर्भरता हमारी ज्यादा है। ऐसी तमाम चुनौतियों से निपटना होगा। यह राष्ट्रीय कार्य है। सबको इस अभियान से जुड़ना होगा।

यातायात माह का आगाज, अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय ने दिखाई हरी झंडी

वाराणसी, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मंगलवार से यातायात माह का आगाज हुआ। यातायात पुलिस लाइन स्थित आडिटोरियम हॉल के पास से अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध/कानून-व्यवस्था संतोष सिंह ने यातायात रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसके पहले यातायात पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों और यातायात विभाग के कर्मियों को एडिशनल पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक डीके पुरी ने यातायात माह के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने आम लोगों से यातयात नियमों का पालन करने की अपील की। अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों के पालन के साथ जागरूक आवश्यक है। इसके लिए ई-शिक्षा, प्रवर्तन, अभियान्त्रिकी, आपातकालीन देखभाल के बारे में भी जानकारी दी गई। बताते चलें कि वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने और हादसे रोकने के लिए प्रतिवर्ष एक नवम्बर से 30 नवम्बर तक यातायात माह मनाया जाता है। यातायात पुलिस टीम शहर के विभिन्न चौराहों और वाहन स्टैंड पर चालकों को यातायात नियमों के बारे में जहां जानकारी देगी। वहीं, नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई भी करती है।

पूर्वा एक्सप्रेस को पलटाने के लिए ट्रैक पर रखा गया था पत्थर का खंभा, त्रिस्तरीय जांच शुरू

- अज्ञात लोगों के खिलाफ चकेरी और आरपीएफ थाना में दर्ज हुआ मुकदमा

कानपुर, (हि.स.)। कानपुर में पूर्वा एक्सप्रेस ट्रेन को पलटाने की साजिश रची गई थी। इस मामले में चकेरी और कानपुर सेंट्रल स्टेशन की आरपीएफ थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इस साजिश के पीछे किन लोगों का हाथ है, इसकी तह तक जाने के लिए पुलिस, आरपीएफ और जीआरपी के माध्यम से त्रिस्तरीय जांच शुरू हो गई है। आरपीएफ के थाना प्रभारी बुधपाल सिंह ने बताया कि यह मामला रविवार की रात का है, जहां अज्ञात लोगों ने चकेरी रेलवे स्टेशन से थोड़ा आगे फतेहपुर-कानपुर रेलवे ट्रैक पर एक पत्थर का खम्भा रखा था। रात करीब एक बजे के आसपास पूर्वा एक्सप्रेस वहां से गुजर रही थी, तो ट्रेन का इंजन पत्थर से टकरा गया। पत्थर हलका होने की वजह से वह टूट गया। इधर, चालक ने भी रफ्तार धीमी कर सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन पलटाने की साजिश की जानकारी होने पर रेलवे के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचे और लगभग 25 मिनट बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। इस घटना को लेकर यात्री भी दहशत में थे। रेल पथिक निरीक्षक की तहरीर पर चकेरी और कानपुर सेंट्रल की आरपीएफ थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच के लिए त्रिस्तरीय टीम लगी हुई हैं। इसमें आरपीएफ के अलावा जीआरपी और चकेरी थाना की पुलिस है। इसके पीछे किन लोगों का हाथ है, जल्द ही खुलासा किया जाएगा, जांच चल रही है।

गोपाष्टमी पर पूजी गई गौमाता, मंदिरों और मठों की गोशालाओं में पर्व की धूम

वाराणसी, (हि.स.)। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर मंगलवार को काशी में गोपाष्टमी मनाई जा रही है। शहर के मंदिरों और मठों की गोशालाओं में गौमाता का पूजन किया गया। सुबह नौ बजे से गो पूजन आरंभ हुआ। इस दौरान गौ माता का विधिवत श्रृंगार कर उन्हें विशिष्ट भोग दलिया, फल, गुड़ एवं हरा चारा आदि चढ़ाया गया। गोमाता के पूजन के बाद दर्शन एवं गुड़ चना खिलाने का क्रम चलता रहा। पर्व पर दुगाकुंड स्थित धर्मसंघ परिसर में गौमाता का पूजन किया गया। गौमाता के पूजन में धर्मसंघ शिक्षा मंडल के सचिव जगजीतन पांडेय, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी, रोहनिया के पूर्व विधायक सुरेन्द्र नारायण सिंह 'औढ़े', भाजपा के महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय आदि शामिल रहे। गौरतलब हो कि गोपाष्टमी पर्व पर गाय की पूजा कर उनका आशीर्वाद लिया जाता है। पूजा-पाठ के बाद गाय की परिक्रमा कर उनके पैर के स्थान की मिट्टी को लोग माथे पर लगाते है। माना जाता है कि गाय की पूजा कर उन्हें प्रणाम करने से सभी प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गोशालाओं में आज के दिन गायों का कुछ यूं श्रृंगार होता है कि लोग गौमाता को अपलक देखते रह जाते हैं।

1 दिसंबर से शुरू होगी कुशीनगर-कोलकाता के बीच हवाई सेवा

- स्पाइस जेट को विंटर शिड्यूल में मिली मंजूरी

कुशीनगर, (हि.स.)। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से कोलकाता के लिए एक दिसम्बर से उड़ान सेवा शुरू हो जायेगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने विमानन कम्पनी स्पाइस जेट को विंटर शिड्यूल में सेवा शुरू करने की मंजूरी दे दी है। यह उड़ान सेवा प्रतिदिन रहेगी। कोलकाता से कम्पनी का 90 सीटर बॉम्बार्डियर विमान तीन बजे लैंड करेगा, इसके बाद 3.30 बजे पुनः कोलकाता के लिए उड़ान भरेगा। इस सेवा के शुरू होने से यूपी के पूर्वांचल व पश्चिमी बिहार के सीमावर्ती जिलों के निवासियों को हवाई सेवा का लाभ मिलेगा। साथ ही बौद्ध सर्किट में आने वाले विदेशी सैलानियों को भी फायदा होगा। दरअसल कोलकाता एयरपोर्ट पर म्यांमार, श्रीलंका व थाईलैंड, लाओस के बौद्ध सैलानी आते हैं। इन सैलानियों को बुद्ध की निर्वाणस्थली महापरिनिर्वाण मन्दिर का दर्शन करना होता है। श्रद्धालु यहां से बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बनी (नेपाल) व कपिलवस्तु, श्रावस्ती भी जाते हैं। ऐसे में विदेशी बौद्ध श्रद्धालुओं की कुशीनगर आने की राह आसान हो जायेगी। इस सम्बंध में प्रभारी एयरपोर्ट निदेशक बी0 प्रदीप ने बताया कि विंटर शिड्यूल में कुशीनगर-कोलकाता उड़ान सेवा को मंजूरी मिली है। विमानन कम्पनी 14 नवम्बर से ही सेवा शुरू करने वाली थी लेकिन मंगलवार को सूचना मिली कि यह सेवा एक दिसम्बर से शुरू होगी।

चार दिन में बन्द हो गई थी उड़ान - कुशीनगर-कोलकाता हवाई यात्रा के लिए पर्याप्त संख्या में यात्री नहीं मिल रहे थे। जिसके चलते 27 मार्च 2022 को चार दिन उड़ान भरने के बाद कुशीनगर-कोलकाता हवाई सेवा बन्द हो गई थी। हालांकि बौद्ध सर्किट के पर्यटन सीजन के शुरूआती दौर में ही सेवा के शुरू होने से पर्याप्त यात्री मिलने की उम्मीद है।

बालू और पत्थर के अवैध कारोबारी से हेमंत सरकार की मिलीभगत : बाबूलाल मरांडी

गिरिडीह, (हि.स.)। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को हेमंत सरकार पर कड़ा हमला किया। पत्रकारों से बातचीत में बाबूलाल ने कहा कि पहले उन्हें सिर्फ संदेह था कि हेमंत सरकार का बालू और पत्थर के अवैध कारोबारी से मिलीभगत है। अब यकीन हो गया है कि हेमंत सरकार बालू, कोयला और पत्थरों के अवैध कारोबार से खुल कर पैसे कमा रही है। राज्य के अधिकारी के साथ दलाल और जेएमएम नेता लूटने में लगे हुए हैं। तीनों मिलकर पैसे कमा रहे हैं। हैरानी की बात है कि साहिबगंज में कारवाई के दौरान ईडी ने अपने चार्जशीट में डीसी और डीएमओ तक के नाम को शामिल किया है। इसके बाद भी हेमंत सरकार इन दोनों अधिकारयों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इससे जाहिर हो रहा है कि सरकार की भी मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि एक तरफ हेमंत सरकार बालू, कोयला और पत्थर लूट रही है तो दूसरी ओर गिरिडीह और कोडरमा में मजदूरों के रोजगार के साधन माइका को ठप कर दिया गया है। वन विभाग को माइका कारोबार को लेकर खुला छोड़ दिया गया है, चाहे वो फिर वन विभाग से बाहर के इलाके से माइका निकल रहा हो, या बन विभाग के भीतर इलाके से। भाजपा ने भी प्रण लिया है की जब तक हेमंत सरकार को सत्ता से बाहर नहीं निकाल देती, तब तक शांत नहीं बैठने वाली। इसके मद्देनजर सात नवंबर से राज्य सरकार के खिलाफ प्रखंड स्तर पर आंदोलन शुरू किया जा रहै है। इसी कड़ी के तहत भाजपा की ओर से कोडरमा और गिरिडीह में ठप पड़े माइका कारोबार को चालू कराने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाना है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल ने तेलोडीह की घटना के लिए सदर विधायक सोनू और गांडेय विधायक सरफराज अहमद को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि दोनों की साजिश थी फेस्टिवल में दो समुदाय के बीच विवाद पैदा करने का। लेकिन दोनों की साजिश नाकाम हुई। मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष महादेव दुबे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साहू, जिला महामंत्री संदीप डंगाईच, पूर्व मेयर सुनील पासवान, मनोज संघई, राजेश जायसवाल समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

लीकेज सिलेंडर से पंडाल में लगी आग, 13 लोग झुलसे

फतेहपुर, (हि.स.)। सदर कोतवाली क्षेत्र के गढ़ीवा इलाके में बीती रात को उस वक्त हादसा हो गया जब मुंडन संस्कार कार्यक्रम के बाद प्रतिभोज चल रहा था और लीकेज सिलेंडर में आग लग गई। देखते ही देखते आग पंडाल में फैल गई। आग की चपेट में आने से करीब 13 लोग झुलस गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी श्रुति ने जिला अस्पताल पहुंचकर झुलसे लोगों का हालचाल लिया। उन्होंने बताया कि झुलसे लोगों में शिवकरन उनकी पत्नी आशादेवी और आठ साल का बेटा कल्लू हैं। उनके अलावा पप्पू, रामकली, अंशिका, पप्पू, रीता, अर्चना, सुरजकली, छोटू, प्रांशु हैं। वहीं महिला नीलम की हालत गंभीर होने पर कानपुर रेफर किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि सीएमएस बीके सिंह की मौजूदगी में सभी झुलसे लोगों का इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा है कि कुछ लोग मामूली तौर पर झुलसे हैं, जिनकी हालत खतरे से बाहर है। कुछ छोटे बच्चे और महिलाएं भी आग से झुलसी हैं, जिनको बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है। जिलाधिकारी मरीज और तीमारदारों से बातचीत के बाद वहां से रवाना हो गई।

यात्रियों की मांग पर गुरुवार को चलेगी सहरसा-अमृतसर स्पेशल ट्रेन

लखनऊ, (हि.स.)। रेलवे प्रशासन यात्रियों की मांग पर सहरसा-अमृतसर स्पेशल ट्रेन (05553) का संचालन तीन नवम्बर (गुरुवार) को शुरू करेगा। इससे छठ पर्व के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार से वापसी करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। रेलवे प्रशासन के मुताबिक, यात्रियों की मांग पर सहरसा-अमृतसर स्पेशल ट्रेन (05553) का संचालन तीन नवम्बर को एक फेरे के लिए किया जाएगा। यह स्पेशल ट्रेन गुरुवार को सहरसा स्टेशन से सुबह 09:20 बजे प्रस्थान कर सिमरी बख्तियारपुर से 09:40 बजे, मानसी से 10:42 बजे, खगड़िया से 10:54 बजे, हसनपुर रोड से 11:30 बजे, समस्तीपुर से 12:25 बजे, मुजफ्फरपुर से 13:30 बजे, बापूधाम मोतीहारी से 15 बजे, सगौली से 15:17 बजे, बेतिया से 15:40 बजे, नरकटियागंज से 16:10 बजे, बगहा से 17:52 बजे, गोरखपुर से 21 बजे, बस्ती से 22:04 बजे, गोंडा से 23:35 बजे, सीतापुर से देर रात 02 बजे, बरेली से दूसरे दिन सुबह 05:32 बजे, मुरादाबाद से 07:35 बजे, सहारनपुर से 11 बजे, अम्बाला कैंट से दोपहर 13:10 बजे, सरहिन्द से 14:10 बजे, लुधियाना से अपराह्न 15:15 बजे, फगवाड़ा से 16:05 तथा जलन्धर सिटी से 16:45 छूटकर अमृतसर स्टेशन पर शाम 18:30 बजे पहुंचेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज कुमार ने मंगलवार को बताया कि यात्रियों की भीड़ को देखते हुए सहरसा-अमृतसर स्पेशल ट्रेन का संचालन तीन नवम्बर को किया जाएगा। इससे छठ पर्व के बाद वापसी करने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। ट्रेन में साधारण द्वितीय श्रेणी के 20 और जीएसएलआरडी 02 कोच सहित 22 बोगियां लगाई जाएंगी।

गन्ने की अधिक पैदावार के लिए करे बेहतर प्रबंधन : मृदा विशेषज्ञ

मोतिहारी, (हि.स.)। बिहार के किसान खासकर चंपारण के किसानो के लिए गन्ना एक मुख्य नकदी फसल है। हालांकि कालांतर में उपेक्षा का शिकार होने के कारण इस क्षेत्र में कई चीनी मिल बंद होने के कारण किसान गन्ना के खेती से मुंह मोड़ने लगे।फिर भी चंपारण परिक्षेत्र में अब भी गन्ना की खेती बड़े पैमाने पर हो रही है। ऐसे में गन्ना के अधिक पैदावार के लिए हिन्दुस्थान समाचार ने जिले के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा विशेषज्ञ आशीष राय से बात की तो उन्होने बताया कि गन्ना चीनी के साथ गुड़ उत्पादन का मुख्य स्त्रोत है। विश्व स्तर पर गन्ने की खेती लगभग 20.10 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है, जिसका उत्पादन लगभग 1,318 मिलियन टन के आसपास है और उत्पादकता 65.5 टन प्रति हेक्टेयर है।भारत दुनिया का दुसरा बड़ा चीनी उत्पादक देश है। साथ ही गन्ने की उपज के मामले में भी इसे दूसरा स्थान प्राप्त है। भारत में गन्ने की फसल की अनुमानित उत्पादकता 77.6 टन प्रति हेक्टेयर है तथा उत्पादन लगभग 306 मिलियन टन है, तो वही ब्राजील में 758 मिलियन है। उन्होने बताया कि यहां की मिट्टी खासकर गंगा और गंडक के मैदानी भाग गन्ने की खेती के काफी अनुकूल है। ऐसे में यहां के किसान गन्ना की उन्नत कृषि क्रियाओं को अपनाकर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

गन्ना की रोपाई - गन्ना की रोपाई दो समय में की जाती है।जिसमे शरद कालीन रोपाई का समय सितंबर से अक्टूबर तक वही बसंत कालीन रोपाई मध्य फरवरी से मार्च के अंत तक की जा सकती है।

बीज की मात्रा - गन्ना के बेहतर उत्पादन के लिए 35-45 क्विंटल गन्ना बीज प्रति एकड़ की रोपाई के लिए इस्तेमाल करनी चाहिए।

बीज को करे उपचारित - रोपाई से पहले गन्ने के बीज के पोरियों को कार्बेंडाजिम के घोल में 5 मिनट तक डुबोकर उपचार करें इसके लिए 100 ग्राम कार्बेंडाजिम को 100 लीटर पानी में घोलकर 35 क्विंटल गन्ना बीज को उपचारित करे

मनाया गया जल-जीवन-हरियाली दिवस, डीडीसी ने दिए आवश्यक निर्देश

बेगूसराय, (हि.स.)। जल-जीवन हरियाली दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान आज डीआरडीए सभागार में "सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार, कुओं एवं चापाकलों के किनारे सोख्ता का निर्माण" विषय पर परिचर्चा की गई। उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सुशांत कुमार की अध्यक्षता में आयोजित परिचर्चा में नगर आयुक्त एवं जिला जन संपर्क पदाधिकारी, बेगूसराय सहित अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि जल जीवन हरियाली अभियान जिला प्रशासन की प्राथमिकता में है तथा इस अभियान में शामिल सभी 11 अवयवों के लिए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जल जीवन हरियाली अभियान में सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार, कुओं एवं चापाकलों के किनारे सोख्ता का निर्माण एक महत्वपूर्ण अवयव के रूप में शामिल है। जिसका मुख्य उद्देश्य पूर्व से अथवा पारंपरिक तौर पर मौजूद विभिन्न सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार कर ना सिर्फ उसे जल संचयन कर फिर से उपयोगी बनाना है। बल्कि कुओं का जीर्णोद्धार, कुओं एवं चापाकलों के किनारे सोख्ता का निर्माण कर जल संरक्षण भी बढ़ावा देना है। इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित विभागों से अपील करते हुए कहा कि अभियान के तहत लंबित कार्यों को अविलंब पूरा करते हुए सभी पूर्ण कार्यों का निश्चित रूप से जियो टैग करना सुनिश्चित करें। परिचर्चा में नगर आयुक्त ने सार्वजनिक कुओं का जीर्णोद्धार, कुओं एवं सोख्ता निर्माण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे भू-जल स्तर में कमी की समस्या से निबटने में मदद मिलेगी, ताकि भविष्य में संभावित जल संकट के असर को कम किया जा सके। उन्होंने नगर निगम के संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अभियान के तहत किए जाने वालों कार्यों की गुणवत्ता एवं समुचित रिपोर्टिंग करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को जल-जीवन-हरियाली दिवस का आयोजन जिला मुख्यालय, अनुमंडल, प्रखंड एवं नगर ईकाई के स्तर पर किया जाता है। इसी कड़ी में आज विकास भवन के डीआरडीए सभागार में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

बरौनी रिफाइनरी ने रवाना किया सतर्कता जागरुकता रथ

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देश पर 31 अक्टूबर से छह नवम्बर तक "भ्रष्टाचार मुक्त भारत-विकसित भारत" विषय पर मलाई जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत दूसरे दिन मंगलवार को भी इंडियन ऑयल के बरौनी रिफाइनरी द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए। सप्ताह के दूसरे दिन रिफाइनरी के प्रवेश द्वार से सतर्कता जागरुकता रथ निकाला गया। भ्रष्टाचार मुक्त और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए बरौनी रिफाइनरी द्वारा पहल करते हुए भ्रष्टाचार उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने के ध्येय के साथ आम जनता को जागरूक करने के लिए निकाले गए सतर्कता जागरूकता रथ को कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख आर.के. झा ने रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) सत्य प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी.के. बिसई, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) जी.आर.के. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (टीएस एवं एचएसई) एस.जी. वेंकटेश, मुख्य महाप्रबंधक (सामग्री एवं संविदा) डॉ. प्रशांत राऊत, आईओओए के ट्रेजरर अभिषेक मौर्य एवं बीटीएमयू के प्रतिनिधि डोमन पासवान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी शरद कुमार ने बताया कि यह जागरूकता रथ बरौनी रिफाइनरी के निकटवर्ती गांवों के साथ-साथ पूरे जिले में चार दिनों तक भ्रमण कर लोगों के बीच जागरुकता के संदेश का प्रसार करेगा। आमजन के बीच जागरुकता के लिए रथ के माध्यम से पंपलेट का भी वितरण किया जाएगा।

संपादकीय

और भी होंगे 'झूलते पुल'

अवकाश का मौसम और मानस था, लिहाजा पर्यटन का आनंद लेने लोग मच्छू नदी पर बने 'झूलते पुल' तक भी पहुंच गए थे। गुजरात के मोरबी शहर में यह पुल ऐतिहासिक और तकनीकी की श्रेष्ठता का नमूना माना जाता रहा है। देश की आज़ादी से बहुत पहले 1887 के आसपास मोरबी के तत्कालीन राजा वाघजी रावजी ठाकोर ने जब इस पुल की कल्पना करते हुए बनवाया था, तो यूरोप की आधुनिकतम तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया था। अचानक यह 'झूलता पुल' अनेक लोगों के लिए 'यमराज' साबित हुआ। अधिकृत और अनौपचारिक आंकड़ों का निष्कर्ष है कि इस त्रासद हादसे में करीब 141 लोगों की मौत हो गई। 100 से अधिक लोग घायल हुए। कइयों को बचा लिया गया। कइयों की ज़िंदगी पर विराम लग गया। जो चोटिल हुए थे, वे कितना गंभीर और नाजुक स्थिति में हैं, इसका सम्यक खुलासा अभी होना है। 'झूलता पुल' अचानक टूट कैसे गया? क्षमता से कई गुना ज्यादा भीड़ उस स्थल तक क्यों पहुंचने दी गई और पुल पर 400-500 लोग क्यों सवार होने दिए गए? पुल की क्षमता 100 लोगों का भार वहन करने की बताई जा रही है। ऐसे पर्यटक स्थलों पर जन-सैलाब को इज़ाजत क्यों दी जाती रही है? पुल की मरम्मत इसी 26 अक्टूबर को की गई थी। वह मरम्मत कितनी अधूरी, फर्जी और लापरवाह थी कि 30 अक्टूबर की शाम को ही मौत का ऐसा हादसा हो गया? यदि मरम्मत करने वाली कंपनी ने 'फिटनेस सर्टिफिकेट' नहीं लिया था और पुल पर भार वहन करने वाले उपकरणों, मशीनरी और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच नहीं की गई थी, तो यह निश्चित तौर पर सवालिया है और 'वास्तविक हत्यारिन' कंपनी ही है। लापरवाही के दोषी सरकारी, गैर-सरकारी चेहरों और अनुबंध वाली कंपनी को तुरंत बर्खास्त कर, काली सूची में, डाल देना चाहिए। भयंकर लापरवाही संचालकों की भी है। ऐसे पुल मौत का कारण कभी भी बन सकते हैं, तो जिम्मेदार इकाइयां आंखें कैसे मूंद लेती हैं? ये इतनी संवेदनहीन कैसे हो जाती हैं? ये मानवीय सवाल हैं, जो निरुत्तर नहीं रखे जा सकते। 'झूलता पुल' से जुड़ा यह त्रासद हादसा पहला नहीं है। अगस्त 11, 1979 को इसी नदी पर बना मच्छू बांध ढह गया था। तब 2000 से ज्यादा मौतें हुई थीं। यह भी पुल से ही जुड़ा रहस्य था। यही नहीं, सितंबर, 2002 में बिहार में एक रेलवे पुल टूट गया था, जिसमें 130 मौतें हुईं। 29 अक्तूबर, 2005 को आंध्रप्रदेश में वेलिगोंडा रेलवे पुल टूटा था। उसमें भी 114 जिंदगियां समाप्त हो गई थीं। केरल में 21 जुलाई, 2001 को रिवर रेलवे ब्रिज टूटने से 57 लोग मर गए थे। देश में पुल टूटने के ये तीन सबसे त्रासद हादसे हैं। ऐसी घटनाएं होती रही हैं। यदि हमारी जिम्मेदार व्यवस्था यूं ही लापरवाह रही, तो न जाने कितने और 'झूलते पुल' टूटेंगे और नदी में गिरकर इनसानी जिंदगियां पथरा जाएंगी? एक सदी से ज्यादा पुराना होने के कारण इस पुल की मरम्मत की जाती रही है। बीते 6-7 माह से यह पुल बंद था, क्योंकि मरम्मत की जा रही थी। इस तकनीक के जानकार विशेषज्ञ इंजीनियर मानते हैं कि पुल का ओवरलोड टेस्ट नहीं किया था, लिहाजा यह हादसा हुआ। 'झूलता पुल' पिकनिक स्पॉट के तौर पर इस्तेमाल किया जाता रहा है, लिहाजा भीड़ का होना स्वाभाविक है। बताया जा रहा है कि जब अचानक पुल टूट गया और करीब 300 लोग 60 फुट नीचे मच्छू नदी में जा गिरे, तो चारों ओर हाहाकार मच गया। जिन हाथों में पुल की जाली-केबल आ गई, वे बचाव के लिए चीखते रहे। बेहद खौफनाक मंज़र था। ऐसे करीब 200 लोगों को बचा लिया गया। बहरहाल चिंता और सरोकार ऐसे पर्यटन स्थलों को लेकर है, जिनके जरिए हमारी सरकारें राजस्व भी कमाती हैं। यदि ऐसे स्थलों पर हादसे होते रहे या भगदड़ की घटनाएं हुई अथवा निर्माण टूट गया या रोप-वे फंस गया अथवा हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, तो अंततः पर्यटन की संभावनाएं भी क्षीण होती जाएंगी। बहरहाल गुजरात सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी की अध्यक्षता में 'विशेष जांच दल' का गठन किया है, जिसमें इंजीनियरों को भी स्थान दिया गया है। देखते हैं कि उनकी रपट क्या कहती है।

> 'झूलता पुल' अचानक टूट कैसे गया? क्षमता से कई गुना ज्यादा भीड़ उस स्थल तक क्यों पहुंचने दी गई और पुल पर 400-500 लोग क्यों सवार होने दिए गए? पुल की क्षमता 100 लोगों का भार वहन करने की बताई जा रही है। ऐसे पर्यटक स्थलों पर जन-सैलाब को इज़ाजत क्यों दी जाती रही है? पुल की मरम्मत इसी 26 अक्टूबर को की गई थी। वह मरम्मत कितनी अधूरी, फर्जी और लापरवाह थी कि 30 अक्टूबर की शाम को ही मौत का ऐसा हादसा हो गया? यदि मरम्मत करने वाली कंपनी ने 'फिटनेस सर्टिफिकेट' नहीं लिया था और पुल पर भार वहन करने वाले उपकरणों, मशीनरी और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच नहीं की गई थी, तो यह निश्चित तौर पर सवालिया है और 'वास्तविक हत्यारिन' कंपनी ही है।

अमृत कलश

आधिपत्य ईश इच्छा के विरुद्ध

जो आसुरी सम्पत्ति का मूल है। जो वस्तु अपनी नहीं है उसे अपनी मानने से और उसकी प्राप्ति के लिये कर्म करने से ही बन्धन होता है। कोई भी वस्तु अपनी नहीं है। शरीर, इन्द्रियाँ, मन, बुद्धि, प्राण, धन, सम्पत्ति, पदार्थ आदि सब प्रकृति के कार्य हैं और संसार भी प्रकृति का कार्य है। इसलिए इन वस्तुओं की संसार से एकता है तथा परमात्मा का अंश होने से स्वयं की परमात्मा से एकता है। अतः ये वस्तुएँ व्यक्तिगत (अपनी) नहीं हैं, प्रत्युत इनके उपयोग का अधिकार व्यक्तिगत है। इसके सिवाय सद्गुण, सदाचार, त्याग, वैराग्य, दया, क्षमा, आदि भी व्यक्तिगत नहीं हैं, प्रत्युत भगवान के हैं। ये दैवी सम्पत्ति अर्थात भगवत्प्राप्ति की सम्पत्ति (पूँजी) होने से भगवान्के ही हैं। यदि ये सद्गुण सदाचार आदि अपने होते तो इन पर हमारा पूरा अधिकार होता और हमारी सम्मति के बिना किसी दूसरे को इनकी प्राप्ति न होती। इनको अपना मानने से तो अभिमान ही होता है जो आसुरी सम्पत्ति का मूल है। जो वस्तु अपनी नहीं है उसे अपनी मानने से और उसकी प्राप्ति के लिये कर्म करने से ही बन्धन होता है। शरीरादि वस्तुएँ अपनी तो हैं ही नहीं अपने लिये भी नहीं हैं। यदि ये अपने लिये होतीं तो इनकी प्राप्ति से हमें पूर्ण तृप्ति या संतोष हो जाता, पूर्णता का अनुभव हो जाता। परन्तु सांसारिक वस्तुएँ कितनी ही क्यों न मिल जायँ कभी तृप्ति नहीं होती। तृप्ति या पूर्णता का अनुभव उस वस्तु (भगवान्) के मिलने पर होता है जो वास्तव में अपनी है। अपनी वास्तविक वस्तु के मिलने पर फिर स्वप्न में भी कुछ पाने की इच्छा नहीं रहती।

बोध कथा

कृपण सेठ

प्राचीन समय की बात है, उज्जैन में एक धनी व्यक्ति रहता था। उसने व्यापार आदि करके बहुत-सी धन-सम्पति इकट्ठी कर ली थी। वह बहुत ही कृपण और लोभी था। उसकी कृपणता एवं बुरे स्वभाव के कारण उसके बेटे-बेटी, पत्नी सहित सभी परिवारजन मन-ही-मन दुःखी रहते और उसका अनिष्ट-चिन्तन किया करते थे। कोई भी उसके मन को प्रिय लगने वाला व्यवहार नहीं करता था। वह केवल धन की रखवाली किया करता था। न उसने उसका भोग किया और न धर्म कमाया। कालान्तर में उसका वह धन धीरे-धीरे उसकी आँखों के सामने ही नष्ट-भ्रष्ट हो गया। कुछ तो कुटुम्बियों ने छीन लिया और कुछ चोर चुरा ले गये। वह पूरी तरह कंगाल हो गया। न तो वह उस धन से धर्म कमा पाया और न ही उसका भोग कर पाया। उसके सगे-सम्बन्धियों ने भी उसकी ओर से मुख मोड़ लिया। धन के नाश से उसके हृदय में बड़ी जलन हुई। उसका मन खेद से भर गया। परंतु इस तरह चिन्ता करते-करते ही उसके मन में संसार के प्रति महान दुःख बुद्धि और उत्कट वैराग्य का उदय हो गया। अब वह धनी व्यक्ति मन-ही-मन कहने लगा, "हाय! हाय! बड़े खेद की बात है, मैंने इतने दिनों तक, अपने को व्यर्थ ही इस प्रकार सताया। जिस धन को मैंने इतने परिश्रम से कमाया, वह न तो धर्म में लगा और न मेरे सुख भोग के काम आया। ठीक ही कहा है सूम का धन शैतान खाते हैं। कृपण पुरुषों को कभी धन से सुख नहीं मिलता। वे धन की रक्षा की चिन्ता में लगे रहते हैं। न तो वह उस धन से धर्म कमा पाते हैं और न ही उसका भोग कर पाते हैं। उस धन को या तो चोर खाते हैं या उसकी मृत्यु के बाद कुटुंबीजन दुरुपयोग करते हैं।

विचार

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा 'डर्टी बम' का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है

परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आशंकाएं से बढ़ी चिन्ताएं

ललित गर्ग

> भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते हुए दोनों ही देशों को दिशा-दर्शन देते रहे हैं। परमाणु युद्ध न हो, इसके लिये रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यह अपील अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु से बातचीत के दौरान की। यह बातचीत रूस की पहल पर ही आयोजित हुई थी। हालांकि कहना मुश्किल है कि रूस भारत की इस अपील को कितनी गंभीरता से लेगा। जब युद्ध शुरू हुआ तबसे लेकर अब तक भारत कई बार यह बात दोहरा चुका है, मगर दोनों में से किसी भी देश ने अपने रुख में लचीलापन लाने का प्रयास नहीं किया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के यूक्रेन की ओर से यूरेनियम जैसा रेडियोएक्टिव एलीमेंट से जुड़े 'डर्टी बम' के इस्तेमाल की आशंका जताए जाने के बाद जहां समूची दुनिया अनर्थ होने की आशंका से भयभीत एवं डरी हुई है, वहीं इस युद्ध के कहीं घातक दौर में प्रवेश करने का डर बढ़ गया है।

रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भीषणतम तबाही एवं सर्वनाश का कारण बनता दिख रहा है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा 'डर्टी बम' का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। इस मसले का हल कूटनीति और आपसी बातचीत से ही निकालने के प्रयास किये जाने की आवश्यकता भारत लगातार व्यक्त करता रहा है। शांति का उजला एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते हुए दोनों ही देशों को दिशा-दर्शन देते रहे हैं। परमाणु युद्ध न हो, इसके लिये रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने यह अपील अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु से बातचीत के दौरान की। यह बातचीत रूस की पहल पर ही आयोजित हुई थी। हालांकि कहना मुश्किल है कि रूस भारत की इस अपील को कितनी गंभीरता से लेगा। जब युद्ध शुरू हुआ तबसे लेकर अब तक भारत कई बार यह बात दोहरा चुका है, मगर दोनों में से किसी भी देश ने अपने रुख में लचीलापन लाने का प्रयास नहीं किया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के यूक्रेन की ओर से यूरेनियम जैसा रेडियोएक्टिव एलीमेंट से जुड़े 'डर्टी बम' के इस्तेमाल की आशंका जताए जाने के बाद जहां समूची दुनिया अनर्थ होने की आशंका से भयभीत एवं डरी हुई है, वहीं इस युद्ध के कहीं घातक दौर में प्रवेश करने का डर बढ़ गया है। यूक्रेन और उसके सहयोगी अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देशों ने भले ही इस आरोप को बेबुनियाद एवं बेतुका बताया हो या पश्चिमी देशों द्वारा रूस द्वारा परमाणु हथियारों का

प्रयोग की संभावनाएं जताया जाना, इन दोनों ही स्थितियों ने एक ऐसा अंधेरा परिव्याप्त किया है जिससे मानवता का भविष्य धुंधलाते हुए दिख रहा है। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। भारत इस समस्या का समाधान कूटनीति के रास्ते से देखना चाहता है। वह युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहता है। एक डर्टी बम शॉर्टहैंड है। इसे परमाणु-सुरक्षा अधिकारी रेडियोलॉजिकल डिस्पर्सल डिवाइस कहते हैं। यानी एक ऐसा उपकरण जो रेडियोधर्मी पदार्थों को फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसमें आमतौर पर डायनामाइट जैसे अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले विस्फोटकों के साथ किसी भी तरह के रेडियोधर्मी कचरे का इस्तेमाल किया जाता है। ये विस्फोट करने पर मलिनता या गंदगी फैलाते हैं। इन्हें आतंक फैलाने के हथियार के तौर पर भी देखा जाता है। इस तरह से ये आतंक फैलाने के साथ ही आर्थिक नुकसान करने के लिए जाने जाते हैं। इसमें परमाणु हथियारों की ऊर्जा या विनाशकारी क्षमता दूर-दूर तक नहीं होती। यह संभावना भी नहीं है कि एक डर्टी बम के विकिरण की पर्याप्त मात्रा सेहत पर तत्काल असर डाले या बड़ी संख्या में लोगों की मौत की वजह बने। फिर भी विनाश के तीक्ष्ण वार के रूप में इसका इस्तेमाल घातक हैं। विगत लम्बे दौर से दोनों देशों के बीच घातक एवं विनाशक हथियारों का लगातार प्रयोग होने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, बल्कि दुनिया में आर्थिक असंतुलन बढ़ रहा है, महंगाई बढ़ रही है। करीब दो हफ्ते पहले यूक्रेन की ओर से किए गए एक बड़े हमले के जवाब में रूस जिस तरह यूक्रेन के शहरों को निशाना बना कर हमले कर रहा है, उससे भारी तबाही की आशंका गहरी होती गई है। इन अशांत एवं युद्ध की स्थितियों से निजात दिलाने के लिये भारत लगातार प्रयासरत बना हुआ है। रूस ने जब यूक्रेनी शहरों पर, खासकर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाते हुए क्रूज मिसाइलें छोड़ीं तो भारत ने लड़ाई फैलने को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की थी। इससे पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत में कहा था कि यह युद्ध का दौर नहीं है। लेकिन इन सबके बावजूद तथ्य यह है कि शांति स्थापना के अब तक के सभी प्रयास नाकाम रहे हैं। आज यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध की कीमत कमोबेश पूरी दुनिया चुका रही है। इसलिए युद्ध बंद करने की कोई राह जल्द से जल्द निकालने की कोशिशों को सभी संबद्ध पक्षों द्वारा पूरी गंभीरता से आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है। मोदी दोनों देशों के नेताओं से बातचीत करके आपसी संवाद के जरिए समाधान निकालने की सलाह दे चुके हैं। समरकंद में शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात हुई तब भी उन्होंने यह बात कही थी। उस वक्त पुतिन ने उनकी सलाह पर अमल का भरोसा भी जताया था। मगर उसके कुछ दिन बाद ही रूस ने यूक्रेन पर भारी हमले शुरू कर दिए थे। स्वयं को एक महाशक्ति मानने वाला रूस चाहता है कि यूक्रेन आत्मसमर्पण कर दे, मगर वह झुकने को तैयार नहीं। दरअसल, सोवियत संघ टूटने के बाद यूक्रेन ने रूस से अलग होकर स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान कायम की थी। अब वह यूरोपीय देशों के संगठन नाटो का सदस्य बन कर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। रूस को लगता है कि अगर यूक्रेन नाटो का सदस्य बन गया, तो यूरोपीय सेनाएं उसकी सरहद पर आ खड़ी होंगी। इसलिए उसने यूक्रेन पर यह सदस्यता न लेने का दबाव बनाया। यूक्रेन नहीं माना, तो रूस ने उस पर हमला कर दिया। हालांकि इस मसले को आपस में मिल-बैठ कर भी सुलझाया जा सकता था, मगर दोनों अपनी जिद पर अड़े हुए हैं और दुनिया तबाही देख रही है। यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत ने लगातार शांति प्रयास किये हैं। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति दिलाना आवश्यक है।

धर्म की आंच पर किसकी गलेगी दाल

> सार्वजनिक जानकारी सही है, तो केजरीवाल आईआईटी से पढ़े हुए हैं, इसलिए जब वे कहते हैं कि अर्थव्यवस्था को सुधारने का एक तरीका है कि भारतीय नोटों पर लक्ष्मी गणेश के चित्र छापे जाएं, तो स्वाभाविक रूप से हमें ब्रिटिश मतदाताओं पर तरस आता है, जिन्होंने बाजार की गिरावट थामने के लिए अपना प्रधानमंत्री ही बदल डाला। मेरे जैसे भोजपुरिया के मन में कसक है कि उन्हें दरिद्दर भगाने का हमारा शर्तिया इलाज नहीं याद आया अन्यथा तो वह रिजर्व बैंक को सलाह देते कि उनकी हर शाखा में दीवाली के मौके पर सूप जरूर पीटा जाए। शायद बिहार के अगले चुनाव में यह भी याद आ जाए। धर्म को ध्यान में रखकर की जाने वाली राजनीति की एक सीमा यह है कि इसमें भाषा के स्तर पर निरंतर बदलाव की जरूरत पड़ती है। कुछ दशक पहले एक फिल्म आई थी शोले। उसमें हिंसा को एक खास मुकाम दिया गया था। तब तक बनी किसी भी बम्बइया फिल्म से बहुत क्रूर थी इसकी हिंसा।

दुनिया भर के राजनेताओं की तरह भारतीय राजनेता भी अपने वक्तव्य चुनावी नफे-नुकसान को ध्यान में रखकर ही देते हैं। इसलिए जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नोटों पर लक्ष्मी गणेश के चित्र छापने की मांग की, तो किसी को आश्चर्य नहीं हुआ। यह अलग बात है कि उन्होंने जो तर्क इस अनुरोध के पीछे दिए हैं, वे जरूर कौतूहल पैदा करने वाले हैं। सार्वजनिक जानकारी सही है, तो केजरीवाल आईआईटी से पढ़े हुए हैं, इसलिए जब वे कहते हैं कि अर्थव्यवस्था को सुधारने का एक तरीका है कि भारतीय नोटों पर लक्ष्मी गणेश के चित्र छापे जाएं, तो स्वाभाविक रूप से हमें ब्रिटिश मतदाताओं पर तरस आता है, जिन्होंने बाजार की गिरावट थामने के लिए अपना प्रधानमंत्री ही बदल डाला। मेरे जैसे भोजपुरिया के मन में कसक है कि उन्हें दरिद्दर भगाने का हमारा शर्तिया इलाज नहीं याद आया अन्यथा तो वह रिजर्व बैंक को सलाह देते कि उनकी हर शाखा में दीवाली के मौके पर सूप जरूर पीटा जाए। शायद बिहार के अगले चुनाव में यह भी याद आ जाए। धर्म को ध्यान में रखकर की जाने वाली राजनीति की एक सीमा यह है कि इसमें भाषा के स्तर पर निरंतर बदलाव की जरूरत पड़ती है। कुछ दशक पहले एक फिल्म आई थी शोले। उसमें हिंसा को एक खास मुकाम दिया गया था। तब तक बनी किसी भी बम्बइया फिल्म से बहुत क्रूर थी इसकी हिंसा। सिनेमा घरों में इसने धूम मचा दी और बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए थे, पर जब उसकी नकल पर और फिल्में बनीं, तो लगभग सभी पिट गईं। दर्शक अधिक की मांग कर रहे थे और निर्माता निर्देशकों की सांसें फूली जा रही थीं। कुछ ऐसा ही प्रयोग 1970 के दशक में पंजाब में हुआ। ज्ञानी जैल सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने अपने कार्यक्रमों को अरदास से शुरू करने का प्रयास किया और बुरी तरह से पिटे। पंथ के धार्मिक प्रतीकों का अकालियों द्वारा प्रयोग कांग्रेस के मुकाबले अधिक विश्वसनीय लगता था। एक बार इस दौड़ में शरीक होते ही जो प्रतिस्पर्धा शुरू होती है, उसमें दौड़ना सबके बस का नहीं है। मुद्रा पर लक्ष्मी गणेश के चित्रों की मांग भी प्रतिस्पर्धी और बड़ी हिंदू छवि निर्मित करने का प्रयास अधिक प्रतीत होती है। इस मामले में आम आदमी पार्टी पहले से ही बहुत सतर्क व्यवहार करती रही है। शाहीन बाग जैसे आंदोलन में भी पार्टी खुलकर किसी पक्ष में नहीं दिखी थी। दिल्ली के उत्तर पूर्व जिले में सांप्रदायिक दंगों के दौरान पार्टी का वीतराग भी इसी रणनीति का हिस्सा था। अनेक लोगों को शिकायत है कि पीड़ितों को राहत पहुंचाने की दिशा में ज्यादा प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया गया। देश के भिन्न हिस्सों में पार्टी की कई सभाओं में जयश्री राम के नारे भी लगाए गए हैं और यह भी भुला दिया गया कि इसका कॉपीराइट तो किसी अन्य के पास है। शायद यह भुला दिया गया है कि कांग्रेस इसी चक्कर में अपना दामन जला चुकी है। उसने एक बार अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत अयोध्या से की थी और एक चुनाव के मौके पर बाबरी मस्जिद का ताला खुलवाने में मदद की थी, दोनों बार उन्हें मुंह की खानी पड़ी। दोनों बार भाजपा ज्यादा बड़ी हिंदू साबित हुई। आज तक कांग्रेस उस धक्के से उबरी नहीं है और उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे बड़े राज्यों से तो उसका पूरा जनाधार ही इसी चक्कर में खिसक गया। न खुदा ही मिला, न विसाले सनम। राहुल या प्रियंका की चुनावी मौकों पर मंदिरों में शीश नवाती, गंगा स्नान करती या जनेऊ धारण की हुई छवि बहुत विश्वसनीय नहीं बन पाती है। इसीलिए हिंदुत्व के पाले में घुसकर भाजपा को ललकारने पर हमेशा हार की आशंका बनी रहती है। अनुभव तो यही कहता है। 1952 के पहले आम चुनावों से ही धर्म और जाति राजनैतिक दलों और मतदाताओं, दोनों के लिए चुनौती बने हुए हैं। संविधान निर्माताओं की मंशा बड़ी स्पष्ट थी कि चुनाव प्रक्रिया में इनकी दखलंदाजी कम से कम हो, पर शायद ही कोई चुनाव इनसे मुक्त रहे हों। कोई दल इस क्षेत्र में पूरी तरह से पाक साफ नहीं रहा। डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा में अफसोस जाहिर किया था कि 1935 के चुनावों में भी कांग्रेस ने अपने टिकट धर्म और जाति को ध्यान में रखकर बांटे थे। शुरुआती सालों में जब आजादी की लड़ाई के मूल्य राजनीति में हावी थे या राष्ट्र निर्माण की भावना बलवती रहती, चुनावी मुहावरों में धार्मिक प्रतीक कम मिलते थे, पर जैसे-जैसे आदर्शवाद कमजोर पड़ता गया धर्म और जाति के लिए जगह बढ़ती गई। तीसरे चौथे आम चुनावों तक तो ये ही जीतने के लिए सबसे बड़े औजार बन गए। साफ-सुथरे चुनावों के लिए बना चुनाव आयोग भी कभी बहुत प्रभावशाली हस्तक्षेप नहीं कर सका। यह समझ आज तक विकसित नहीं हो पाई कि धर्मनिरपेक्षता चुनाव जीतने के लिए नहीं, राष्ट्र निर्माण के लिए जरूरी है और दुर्भाग्य से इधर अनेक बयान इस विचार को ही नष्ट कर देते हैं। मुद्रा पर लक्ष्मी गणेश की प्रतिमा छाप कर बेरोजगारी दूर करने या महंगाई पर नियंत्रण करने के सुझाव में और भी खतरे निहित हैं। सबसे बड़ा खतरा तो शिक्षा के क्षेत्र दिल्ली की सरकार ने जो हासिल किया है, उसी के नष्ट होने का है। क्या दिल्ली सरकार अपने स्कूलों में बच्चों को अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तकों में यह पढ़ाना शुरू करेगी कि आर्थिक गिरावट रोकने के लिए नोटों पर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापनी चाहिए। ऐसा करके भारतीय संविधान की उस अपेक्षा का भी उल्लंघन ही होगा, जो उसने राज्य से कर रखी है। संविधान राज्य से अपेक्षा करता है कि वह नागरिकों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करे। हमारी शिक्षा व्यवस्था के बड़े आलोचक भी यह तो मानेंगे ही कि आधी अधूरी सही, पर भारतीय बच्चों की समझ कुछ हद तक वैज्ञानिक हुई है। किसी भी धर्म का छात्र अब यह मानता है कि सूरज नहीं, बल्कि पृथ्वी घूमती है या सृष्टि सिर्फ छह दिनों में नहीं बनी, बल्कि लाखों सालों में विकसित हुई है। अभी भी बहुत से जाले हैं, पर दिल्ली के मुख्यमंत्री की मांग मान ली गई, तो ये साफ होने की जगह और घने ही होंगे।

नागरिक बोध

न्यायपालिका के लिए छुट्टियों की संस्कृति को बंद किया जाना चाहिए?

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय न्याय वितरण प्रणाली तेजी से लंबित मामलों का बोझ बन गई है। नवीनतम राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड आंकड़ों के अनुसार, भारत में अदालतों में 2.74 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। न्याय का पहिया कितनी धीमी गति से चलता है, उसके समय और संसाधनों की भारी कीमत चुकानी पड़ती है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या को रोकने के समाधान पर चर्चा करते समय, अक्सर अदालती अवकाश का विषय सामने आता है। कम करने, और यहां तक कि छुट्टियों को पूरी तरह से समाप्त करने के लिए भी आह्वान किया गया है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी जिसमें अदालतों द्वारा मनाई गई छुट्टियों की संख्या को कम करने की मांग की गई थी। जैसा कि बार-बार कहा जा रहा है, पेंडेंसी एक बहुआयामी मुद्दा है, जिसके समाधान के लिए बड़ी संख्या में जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। क्या अदालती छुट्टियों को कम करने या समाप्त करने से लंबित आंकड़ों पर असर पड़ सकता है। तो, क्या अदालतों को वास्तव में छुट्टियों की ज़रूरत है? क्या पेंडेंसी दरों को कम करने के लिए अदालती छुट्टियों की संख्या कम कर दी जानी चाहिए? यदि छुट्टियों को समाप्त कर दिया जाए तो क्या पेंडेंसी दरों में भारी कमी आएगी? अधिकांश उच्च न्यायालय वर्ष में औसतन 200 दिन से थोड़ा अधिक कार्य करते हैं। इसका मतलब है कि अदालतें छुट्टियों, सप्ताहांत और राष्ट्रीय छुट्टियों के कारण औसतन लगभग 160 दिनों की छुट्टी का आनंद लेती हैं। सुप्रीम कोर्ट में उच्च न्यायालयों की तुलना में अधिक छुट्टियां हैं। ये संख्या, निश्चित रूप से, अवकाश पीठ की बैठकों को छोड़कर हैं। ऊपर से साक्ष्य, और जैसा कि कानूनी बिरादरी के विभिन्न सदस्यों द्वारा बताया गया है, उच्च न्यायालयों में रिक्तियां किसी भी खिंचाव से लंबित आंकड़ों की मदद नहीं कर रही हैं। इस स्थिति के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन यह एक और दिन की कहानी है। 1958 का क़ानून बताता है कि अवकाश का अर्थ राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति से अनुसूचित जाति के नियमों द्वारा निर्धारित एक वर्ष के दौरान ऐसी अवधियों से है। अवकाश के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसरण किया जाने वाला वर्तमान नियम सर्वोच्च न्यायालय नियम, 2013 है और भारत के मुख्य न्यायाधीश हर साल छुट्टी के लिए अधिसूचना जारी करते हैं। वर्तमान में, सर्वोच्च न्यायालय में प्रति वर्ष 193 कार्य दिवस होते हैं, जबकि उच्च न्यायालयों में 210 दिन होते हैं। क्या उच्च न्यायपालिका के लिए छुट्टियों की संस्कृति को बंद कर दिया जाना चाहिए? अवकाश की अवधारणा औपनिवेशिक नियमों से उत्पन्न हुई है। उस समय न्यायाधीश इंग्लैंड से आए थे, भारत की तुलना में ठंडी जगह और भारत की गर्मी उनके लिए असहनीय थी। अदालतों और स्कूलों को छोड़कर देश में कोई भी सरकारी संगठन नहीं है जहाँ छुट्टी होती है। भारतीय अदालतों में 3.1 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। भारत में अपर्याप्त न्यायिक शक्ति है (भारत में प्रति मिलियन जनसंख्या पर केवल 13 न्यायाधीश हैं, ब्रिटेन की 100 की तुलना में)। दुनिया में कई देश ऐसे हैं जहां कोर्ट में छुट्टियां नहीं होती हैं। उदाहरण के लिए, फ्रांस और यू.एस. न्यायाधीशों के पास अवकाश नहीं होता है, लेकिन वे न्यायालय के कार्य को प्रभावित किए बिना अवकाश ले सकते हैं।

देश दुनीया से

एक गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्ट

15 अक्तूबर 2022 को जर्मनी की एक गैर-सरकारी संस्था 'वेल्ट हंगर हिल्फे' ने एक बार फिर भारत को बदनाम करने हेतु अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना तरीके से तैयार विश्व भूख सूचकांक की रैंकिंग जारी की है, जिसमें 121 देशों की सूची में भारत को 107वें स्थान पर रखा गया है। इससे पहले पिछले साल अक्तूबर में 116 मुल्कों की सूची में भारत को 101वें स्थान पर रखा गया था। वास्तविकता से कहीं दूर यह रिपोर्ट आंकड़ों की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि विश्लेषण और क्रियाविधि यानी मैथोडलॉजी की दृष्टि से भी दोषपूर्ण ही नहीं, हास्यास्पद भी है। अकादमिक उपयोग की दृष्टि से पूर्णतः अनुपयोगी यह रिपोर्ट वास्तव में एक राजनीतिक स्टंटबाजी का एक हिस्सा प्रतीत होती है, जो भारत समेत कुछ विकासशील देशों और उनके नेतृत्व को बदनाम करने का एक प्रयास लगता है। पिछले वर्ष अक्तूबर में जब ऐसी रिपोर्ट जारी हुई थी तो भारत सरकार की ओर से उसमें इस्तेमाल किए गए आंकड़ों और क्रियाविधि पर खासा विरोध दर्ज कराया गया था और तब विश्व खाद्य संगठन (एफएओ) ने यह कहा था कि इन त्रुटियों को ठीक किया जाएगा, लेकिन अब दोबारा से उन्हीं गलत आंकड़ों और क्रियाविधि को इस्तेमाल करते हुए इस वर्ष भी रिपोर्ट जारी करने से इस संस्था की बदनीयती स्पष्ट हो रही है। आज जब दुनिया के कई मुल्क अपनी खाद्य सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं, भारत दुनिया के सामने एक मिसाल बनकर उभरा है। महामारी काल में जब सभी आर्थिक गतिविधियां ठप्प हो गई थीं और गरीबों, मजदूरों और वंचितों के आय के स्रोत समाप्त हो रहे थे, ऐसे में भारत सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन (अनाज एवं दाल) उपलब्ध कराने की योजना और उसका सफल निष्पादन अचंभित करने वाला कहा जा सकता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भारत में खाद्य सुरक्षा को लेकर भ्रामक प्रचार में जुटी हैं, लेकिन धरातल पर एक अलग ही चित्र उभर रहा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। एक समय था, जब 1964-65 में भारत में खाद्यान्न उत्पादन मात्र 890 लाख टन ही था, जबकि भारत की कुल जनसंख्या 50 करोड़ ही थी। ऐसे में प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उपलब्धता मात्र 178 किलोग्राम प्रतिवर्ष ही थी। उस समय खाद्यान्नों की कमी तो थी ही, साथ ही साथ अन्य पोषक खाद्य पदार्थों का उत्पादन भी बहुत कम होता था। हमने देखा कि वर्ष 1964-65 में देश में कुल 205 लाख लीटर ही दूध का उत्पादन होता था, यानी 28 मिली लीटर प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन। फल-सब्जियां और अंडों इत्यादि का उत्पादन भी बहुत कम मात्रा में होता था। ऐसे में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास करने का आह्वान भी किया था, ताकि खाद्यान्न एवं अन्य खाद्य पदार्थों की कमी से निपटा जा सके। अन्य खाद्य पदार्थों का उत्पादन भी कम होने के कारण देश में खाद्यान्नों की आवश्यकता कहीं ज्यादा होती थी। इन हालात में देश के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था कि वो विदेशों से खाद्यान्न आयात करें। अमरीका एक ऐसा देश था, जिसके पास अतिरिक्त खाद्यान्न उत्पादन था। जब अमरीका से इस संबंध में सम्पर्क साधा गया तो उसने पीएल-480 योजना के तहत भारत को गेहूं भेजा। अमरीका द्वारा भेजा गया गेहूं जिसे 'लाल गेहूं' के नाम से भी पुकारा जाता था, अत्यंत घटिया किस्म का था कि देशवासी बहुत कम मात्रा में उसका उपभोग कर पाए। लेकिन विडंबना यह थी कि उसके साथ ही कई प्रकार के फफूंद एवं खरपतवार भी इसके साथ भारत में प्रवेश कर गए। एक अत्यंत खतरनाक खरपतवार जिसे 'कांग्रेस ग्रास' के नाम से भी जाना जाता है, वो भी साथ में आ गया। देश इस खरपतवार से तब से जूझ रहा है और हमारी लाखों एकड़ भूमि ही इसके कारण बर्बाद नहीं हुई, बल्कि इस खरपतवार को साफ करने के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपया बर्बाद हो जाता है। गौरतलब है कि वेल्ट हंगर हिल्फे, विश्व भूख सूचकांक तैयार करने के लिए खाद्य उपभोग के स्वयं कोई आंकड़े एकत्र नहीं करती और केवल विश्व खाद्य संगठन (एफएओ) द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों को ही इसे उपयोग करना होता है। पूर्व में खाद्य संगठन भारत की एक संस्था राष्ट्रीय पोषण निगरानी बोर्ड पर निर्भर करती रही है।

> गौरतलब है कि वर्ष 1998-2002 के बीच अपने आयु से ठिगने बच्चों का अनुपात 54.2 प्रतिशत से घटता हुआ वर्ष 2016-2020 के बीच में मात्र 34.7 प्रतिशत ही रह गया है। यानी अब बच्चे पहले से ज्यादा लंबे हो रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चूंकि बच्चे पहले से ज्यादा लंबे हो रहे हैं, इसलिए बढ़ती लंबाई के चलते उनमें पतलापन आ रहा है, जो कि अच्छा संकेत है।

धर्मनिरपेक्षता पर क्यों सिल गई नेपाली कांग्रेस की जुबान, घोषणापत्र पर उठे सवाल

काठमांडू। सत्ताधारी नेपाली कांग्रेस ने अगले आम चुनाव के लिए जारी अपने घोषणापत्र में धर्मनिरपेक्षता का जिक्र नहीं किया है, जिस पर यहां कई हलकों से सवाल उठाए जा रहे हैं। धर्मनिरपेक्षता नेपाल के संविधान के प्रमुख सिद्धांत है। समझा जाता है कि देश में दक्षिणपंथ के बढ़े प्रभाव के कारण नेपाली कांग्रेस ने रक्षात्मक रुख अपना लिया है। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में पांच दलों का गठबंधन इस चुनाव में सत्ता का प्रमुख दावेदार है। नेपाल में संसद और प्रांतीय असेंबलियों की प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली सीटों पर मतदान अगले 20 नवंबर को होगा। संसद के निचले सदन में प्रत्यक्ष निर्वाचन वाली 165 सीटें हैं। सात प्रांतीय असेंबलियों में ऐसी 330 सीटें हैं। इस आम चुनाव में मुख्य मुकाबला नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की नेपाल की कम्यनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के बीच है। नेपाली कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र शनिवार को जारी किया। उसमें संघीय व्यवस्था को मजबूत करने का वादा उसने किया है। सत्ताधारी गठबंधन में शामिल दूसरी सबसे बड़ी पार्टी कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) है। धर्मनिरपेक्षता की रक्षा इस पार्टी का प्रमुख एजेंडा रहा है। हालांकि सत्ताधारी गठबंधन एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरा है, लेकिन इसमें शामिल पार्टियों ने अलग-अलग घोषणापत्र जारी करने का फैसला किया है। नेपाली कांग्रेस का घोषणापत्र जारी होने के बाद कई हलकों से यह मांग उठी है कि पार्टी धर्मनिरपेक्षता के बारे में अपना रुख स्पष्ट करे। उन्होंने कहा है कि जिस समय कई समूह नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग कर रहे हैं, इस मुद्दे पर चुप रहने का विकल्प नेपाली कांग्रेस के पास नहीं है। राजनीति विश्लेषक उद्धब प्याकुरेल ने नेपाली कांग्रेस के इस रुख पर एतराज जताते हुए कहा है कि पार्टी को अपने घोषणापत्र में धर्मनिरपेक्षता के बारे में अपनी राय का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए था। विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि नेपाली कांग्रेस के पूर्व महासचिव शशांक कोइराला अब हिंदू राष्ट्र के मुखर समर्थक हो गए हैं। उधर पार्टी में प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के विरोधी माने जाने वाले नेता शेखर कोइराला ने भी इस मुद्दे पर अपना रुख नरम कर लिया है। देउबा के बारे में भी माना जाता है कि उनकी प्राथमिकता भारत की वर्तमान सरकार से संबंध मजबूत करना है। इसलिए वे धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे पर जोर नहीं देना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जन्मदिन से एक दिन पहले कत्ल: ईरान के सेलेब्रिटी शेफ थे शाहिदी, हिजाब के विरोध में गई जान

तेहरान। ईरान के मशहूर शेफ महरशाद शाहिदी की हत्या कर दी गई है। शाहिदी देश में चल रहे हिजाब विरोधी प्रदर्शन का एक अहम चेहरा बन गए थे। इसकी वजह से वहां की सरकार और मॉरल पुलिस उनसे बेहद खफा थी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 19 साल के शाहिदी को पिछले हफ्ते उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वो हिजाब विरोधी प्रदर्शन कर रहे थे। परिवार का दावा शाहिदी की फैमिली का दावा है कि उनके बेटे का कत्ल पुलिस ने किया। परिवार के मुताबिक- अब पुलिस हम पर दबाव बना रही है कि हम मीडिया को यह बताएं कि बेटे की मौत हार्टअटैक से हुई। हैरानी की बात यह है कि पुलिस और दूसरी सिक्योरिटी एजेंसीज शाहिदी की मौत पर खुद कुछ बताने को तैयार नहीं। एक जज ने कहा- शाहिदी के शरीर पर किसी तरह की चोट या फ्रैक्चर के निशान नहीं थे। शाहिदी की हत्या के एक दिन बाद ही उनका जन्मदिन था। उनकी मौत के बाद से ईरान में शोक का माहौल छाया हुआ है। उनके अंतिम संस्कार में हजारो लोगों की भीड़ थी। सोशल मीडिया पर भी कई यूजर्स ने उनकी मौत के लिए ईरानी अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। ईरानी अमेरिकी लेखिका डॉ नीना अंसारी ने लिखा- वह बूटे रेस्तरां में एक टैलेंटेड युवा शेफ थे। ईरान में सुरक्षा बलों ने उन्हें बेरहमी से मार दिया। हम उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। इस बीच जर्मन विदेश मंत्री ने रविवार को कहा कि जर्मनी और यूरोपीय संघ इस बात की जांच कर रहे हैं ।

ईमेल उल्लंघन मामले में सुएला ब्रेवरमैन ने दी सफाई, कहा- जो दस्तावेज साझा किए उनसे नहीं पैदा होगा खतरा

लंदन । भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन ने सोमवार को लिज ट्रस की सरकार से उनके इस्तीफा देने के कारण पर बड़ा बयान दिया है। सुएला ने ईमेल विवाद को लेकर कहा कि उन्होंने अपने निजी ईमेल के जरिए से एक दस्तावेज भेजा था तो कोई गुप्त और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन जाने वाले डेटा को लीक नहीं किया था। गौरतलब है कि सुएला ब्रेवरमैन का यह बयान तब आया है जब ब्रिटेन के नए पीएम ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में उनकी वापसी पर सवाल खड़े होने लगे हैं। बता दें कि 42 वर्षीय ब्रेवरमैन ने ट्रस सरकार में अपने निजी ईमेल से सुरक्षित जानकारी भेजकर मंत्रिस्तरीय संहिता का उल्लंघन करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बाद में लिज ट्रस के पीएम पद से इस्तीफा देने के बाद जब भारतीय मूल के ऋषि सुनक पीएम बने तो उन्होंने सुएला ब्रेवरमैन को वापस गृह मंत्री बनाया था। वहीं, अब दोबारा गृह मंत्री के पद पर उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। गृह मामलों की चयन समिति के अध्यक्ष और सांसद डेम डायना जॉनसन को दिए गए एक पत्र में ब्रेवरमैन ने कहा, जैसा कि तत्कालीन प्रधान मंत्री (लिज़ ट्रस) को मेरे पत्र में संकेत दिया गया था, मैंने स्वीकार किया कि मैंने गलती की थी। उसकी मैने जिम्मेदारी लेते हुए गृह सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि नए प्रधान मंत्री ऋषि सुनक के मंत्रिमंडल में मेरी नियुक्ति की चर्चा के दौरान मैंने प्रधान मंत्री को आश्वासन भी दिया कि मैं आधिकारिक व्यवसाय के लिए अपने व्यक्तिगत ईमेल का उपयोग नहीं करूंगी।

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में दो बम ब्लास्ट, अब तक 120 लोगों की मौत

मोगादिशु । सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में शनिवार को सरकारी कार्यालयों के करीब हुए दो धमाकों में सोमवार तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 120 हो गई है। सोमालिया के स्वास्थ्य मंत्री के हवाले से यह जानकारी दी है। बताया गया कि जिस जगह धमाके हुए वहां भारी भीड़ जुटी हुई थी। राष्ट्रीय पुलिस ने कहा कि सोमालिया की राजधानी में प्रमुख सरकारी कार्यालयों के पास एक व्यस्त जंक्शन पर शनिवार को दो कारों में बम विस्फोट हुए, जिसमें बच्चों सहित सैकड़ों नागरिक हताहत हुए। पुलिस प्रवक्ता सादिक डोदिशे के हवाले से कहा कि सोमालिया की राजधानी में प्रमुख सरकारी कार्यालयों के पास एक व्यस्त जंक्शन पर दो कारों में लगाए गए बमों में धमाका हुआ है। जिसमें बच्चों सहित कई नागरिक हताहत हुए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटनास्थल पर कई शव देखे गए। धमाके में मारे गए लोगों में लगभग सभी आम नागरिक हैं। मृतकों में कई लोग सार्वजनिक वाहनों में यात्रा कर रहे थे। मदीना अस्पताल के एक स्वयंसेवक हसन उस्मान ने बताया कि अस्पताल में लाए गए मृत लोगों में से अधिकांश महिलाएं हैं। मैंने इसे अपनी आंखों से देखा है। अस्पताल और अन्य जगहों पर घबराए हुए परिजन प्लास्टिक से ढंके बैग में रखे शवों में अपने प्रियजनों की तलाश करते नजर आए।

जंग के 250 दिन पूरे, पुतिन ने बताया यूक्रेन के बिजलीघरों पर इसलिए किए हमले, अनाज निर्यात रोका

मास्को/ कीव ।

रूस व यूक्रेन के बीच 250 दिनों से जारी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है, बल्कि तेज हो रही है। सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के बिजलीघरों व अन्य अधोसंरचना पर हमलों को लेकर सफाई दी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के ड्रोनों ने काला सागर के सुरक्षित समुद्री मार्ग का इस्तेमाल कर रूसी सेना पर हमला किया, जिससे यूएन के प्रयासों से अनाजों के जहाज भेजे जा रहे थे। इसके विरोध में पुतिन ने कालासागर से अनाज निर्यात में अपनी साझेदारी रोक दी।

राष्ट्रपति पुतिन ने आरोप लगाया कि यूक्रेन ने क्रीमिया में रूसी सेना के बेड़े पर ड्रोन हमले किए थे। इसके जवाब में हमने उसके बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुतिन ने कहा कि यूक्रेन के ड्रोन ने हमले के लिए उसी सुरक्षित समुद्री गलियारों का इस्तेमाल किया, जिनसे संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में अनाज के जहाज गुजर रहे हैं।

समुद्री गलियारे का इस्तेमाल हमले के लिए नहीं किया : यूक्रेन

उधर, पुतिन के आरोप के जवाब में यूक्रेन ने कहा है कि उसकी सेना ने रूसी फौज पर हमले के लिए अनाज निर्यात के लिए बनाए गए समुद्री सुरक्षा गलियारे का इस्तेमाल नहीं किया है। शनिवार को काला सागर मार्ग से अनाज का कोई जहाज नहीं गुजरा, जबकि रूस का आरोप है कि क्रीमिया में उसके जहाजों पर ड्रोन हमला किया गया।

पुतिन के गुस्से को देखकर लगता है कि यूक्रेन के खिलाफ हमले और भी तेज हो सकते हैं। उधर, यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि रूसी हमलों से पनबिजली ऊर्जा संयंत्र प्रभावित हुआ है। इससे यूक्रेन में बिजली और पानी की आपूर्ति ठप हो गई है।

ड्रोन से दागी जा रहीं रूसी मिसाइलें

24 फरवरी से शुरू हुई रूस-यूक्रेन जंग को 250 दिन हो गए हैं। यह थमना तो दूर बल्कि तेज होती जा रही है। यूक्रेन के कई शहरों में रूस ने सोमवार को ड्रोन से मिसाइलें दागीं। राजधानी कीव में जोरदार धमाका हुआ। यूक्रेन के सेना प्रमुख ने फेसबुक पर जारी एक बयान में कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन के कम से कम छह इलाकों में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने वाले संस्थानों पर बमबारी की।

हजारों लोग बगैर बिजली के रह रहे

पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनेहुबोव के अनुसार रूसी हमलों के बाद लगभग डेढ़ लाख लोग बिजली से वंचित हो गए हैं। इसमें यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव के 50,000 लोग शामिल हैं। हालांकि, यूक्रेन की सेना ने दावा किया कि उसने 50 रूसी मिसाइलों में से 44 को मार गिराया है, लेकिन हमलों ने कीव के 80प्रतिशत हिस्से को पीने के पानी के लिए मोहताज कर दिया। यूक्रेन की पुलिस ने कहा कि ताजा हमलों में 13 लोग घायल हुए हैं।

गहरा सकता है खाद्य संकट, गेहूं की कीमतों में उछाल

रूस द्वारा अनाज निर्यात कार्यक्रम में अपनी हिस्सेदारी रोकने के एलान से दुनियाभर में खाद्य संकट और गहरा सकता है। उधर, यूक्रेन और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि अनाज ले जा रहे 12 जहाज रूसी फैसले के बाद भी यूक्रेन के बंदरगाहों से रवाना हुए। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनका देश जुलाई में संयुक्त राष्ट्र और तुर्की की मध्यस्थता में तय अनाज निर्यात कार्यक्रम को जारी रखेगा। इसका उद्देश्य वैश्विक खाद्य संकट को कम करना है। इस बीच, अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि काला सागर अनाज निर्यात कार्यक्रम को लेकर अनिश्चितता के कारण गेहूं व अन्य खाद्यान्न की कीमतों में वृद्धि हुई है।

चीन ने स्पेस स्टेशन का आखिरी लैब मॉड्यूल भेजा, पूरा बनने पर तीन अंतरिक्ष यात्री भी भेजेगा

बीजिंग। चीन ने अपने स्पेस स्टेशन के आखिरी लैब मॉड्यूल मेंग्शन का सोमवार को प्रक्षेपण किया। लॉन्ग मार्च-5बीवाई-4 रॉकेट के जरिये दक्षिणी द्वीपीय प्रांत हैनान के तटीय क्षेत्र पर स्थित वेनचांग लॉन्चिंग स्टेशन अंतरिक्ष में भेजे गए इस मॉड्यूल के स्पेस स्टेशन तियांगोंग से जुड़ते ही चीन की अंतरिक्ष स्थित प्रयोगशाला पूरी तरह तैयार हो जाएगी। चीन के स्पेस स्टेशन को संचालन के लिए तैयार करने के लिए अब दो और मिशन भेजे जाने हैं। नवंबर में स्वचालित कार्गो शिप भेजा जाएगा। दिसंबर में स्टेशन पर लंबे समय तक रहने के लिए शेनझोउ-15 को तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ भेजा जाएगा। चीन के एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन के मुताबिक इस साल स्पेस स्टेशन का निर्माण पूरा होने के बाद चीन एकमात्र ऐसा देश होगा जिसका अपना स्पेस स्टेशन होगा।

जुलाई में भेजा था पहला लैब मॉड्यूल

चीन ने इसी साल जुलाई के अंतिम सप्ताह की शुरुआत में अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन का पहला लैब मॉड्यूल सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, जो दक्षिणी द्वीप प्रांत हैनान के तट पर वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित हुआ।

नया मॉड्यूल कोर मॉड्यूल के बैकअप के रूप में और बनाए जा रहे तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन में एक शक्तिशाली वैज्ञानिक प्रयोग मंच के रूप में कार्य करेगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने के लिए सही ट्रैक पर चल रहा है। अब तीसरी मॉड्यूल अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद स्पेस स्टेशन का बनकर जल्द से जल्द पूरी तरह तैयार होना तय है।

चीन पूरी ताकत झोंक रहा

अंतरिक्ष में खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करने के लिए चीन पूरी ताकत झोंक रहा है। इसके लिए वह अंतरिक्ष में यात्री भी भेज रहा है। चीन ने जुलाई में तीन अंतरिक्ष यात्रियों को मिशन पर भेजा था। यह मिशन करीब छह महीने चलने वाला है। तीनों यात्री चीनी स्पेस स्टेशन तियांगोंग में निर्माण में भूमिका निभाएंगे। अंतरिक्ष यात्री चेन डोंग, लियू यांग और कै जुझे शेनझोउ-14 अंतरिक्ष यान के जरिए स्पेस में भेजे गए थे।

किम जोंग ने देश को घोषित किया परमाणु संपन्न फिर पश्चिम क्यों कर रहा स्वीकारने में देरी

प्योंग्यांग । उत्तर कोरिया ने यह साफ कर दिया है कि अपने परमाणु हथियारों को वह नष्ट नहीं करेगा। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन ने पिछले महीने दो टूक कहा था कि उत्तर कोरिया ने परमाणु हथियार बनाए हैं और अब वह कभी इन्हें खत्म नहीं करेगा। उन्होंने कहा- इस मामले अब कदम पीछे नहीं खींचा जा सकता। ये हथियार हमारी गरिमा और हमारे राज्य की सर्वोच्च शक्ति का प्रमाण हैं। उत्तर कोरिया अपने को परमाणु हथियार संपन्न देश घोषित करने के लिए एक कानून भी पारित कर चुका है। हाल में उसने 20 से ज्यादा ऐसी मिसाइलों के परीक्षण किए हैं, जिनसे परमाणु हथियार दागे जा सकते हैं। उसने यह एलान भी किया है कि वह टैक्टिकल परमाणु हथियारों को संभावित युद्ध क्षेत्र में तैनात कर रहा है। इसके अलावा वहां के मीडिया ने खबर दी है कि उत्तर कोरिया जल्द ही अपना सातवां परमाणु परीक्षण करेगा। इन घोषणाओं के बाद अब विशेषज्ञों के बीच यह चर्चा शुरू हो गई है कि क्या पश्चिमी देशों को उत्तर कोरिया को उसी तरह एक परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्वीकार कर लेना चाहिए, जैसा उन्होंने इजराइल के मामले में कर रखा है। अमेरिकी थिंक टैंक कारनेगी एन्डोवमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में सीनियर फेलॉ अंकित पांडा ने कहा है- 'हमें उत्तर कोरिया को उसी रूप में स्वीकार करना होगा, जैसा वह है। परमाणु वैज्ञानिकों ने हाल में यह लिखा है कि उत्तर कोरिया के पास संभवत: इतनी विखंडनीय सामग्री है, जिससे वह 45 से 55 परमाणु हथियार बना ले। हाल के उसके मिसाइल परीक्षणों से यह संकेत भी मिला है कि उत्तर कोरिया के पास परमाणु हथियार दागने की कई विधियां मौजूद हैं। सिओल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और उत्तर कोरियाई मामलों के विशेषज्ञ आंद्रेई लैंकोव ने अमेरिकी टीवी चैनल सीएनएन से कहा- 'हमें यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि उत्तर कोरिया परमाणु हथियार संपन्न देश है।

इमरान के कंटेनर ने पत्रकार को कुचला: उन्हें धक्का दिया गया, सवाल- यह हादसा है या हत्या

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के लॉन्ग मार्च में रविवार को कंटेनर से कुचलकर एक महिला पत्रकार की मौत हो गई। कहा जा रहा है कि उन्हें धक्का दिया गया। इससे सवाल उठ रहा है कि यह कहीं हत्या तो नहीं। पूरा मामला समझने से पहले आप इस पोल पर अपनी राय दे सकते हैं। जान गंवाने वाली सदफ नईम चैनल 5 की रिपोर्टर थीं। वे इस लॉन्ग मार्च को कवर कर रहीं थीं। इमरान शाहबाज शरीफ सरकार से इस्तीफे की मांग को लेकर लॉन्ग मार्च पर लाहौर से इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च निकाल रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सदफ इमरान के कंटेनर पर ही सवार थीं। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों में से किसी ने उन्हें धक्का दे दिया, सदफ कंटेनर से नीच गिर गईं। कंटेनर का पहिया उनकी गर्दन के ऊपर से निकल गया। सदफ की मौके पर ही मौत हो गई। इमरान ने शुक्रवार को लाहौर से लॉन्ग मार्च शुरू किया था। वो 4 नवंबर को इस्लामाबाद पहुंचेंगे और वहां बेमियादी धरना देंगे। खान की मांग है कि शाहबाज शरीफ प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दें और देश में फौरन जनरल इलेक्शन कराए जाएं। इमरान का काफिला गुजरांवाला के करीब कामोकी पहुंचा था। इमरान जिस कंटेनर पर सवार हैं, उस पर कुछ जर्नलिस्ट भी मौजूद थे। सदफ नईम इनमें से एक थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, सदफ को कंटेनर पर मौजूद किसी शख्स ने धक्का दिया और वो जमीन पर आ गिरीं। इसी दौरान कंटेनर का पहिया उनकी गर्दन के ऊपर से गुजर गया। शोरगुल इतना था कि उनके गिरने की चीख भी ज्यादा सुनाई नहीं दी। इसके फुटेज भी सामने आए हैं। कुछ खबरों में कहा गया है कि सदफ इमरान के कंटेनर के बगल में चल रही दूसरी गाड़ी पर सवार थीं।

एक दिन के लिए मार्च रुका

घटना के बाद इमरान खान ने एक दिन के लिए मार्च रोकने का ऐलान किया। उन्होंने सदफ को बहादुर और अच्छा जर्नलिस्ट बताया। खान ने कहा- मैं इस हादसे से बहुत दुखी हूं। एक दिन के लिए मार्च रोक रहा हूं। इसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर भी किया था। लाहौर पुलिस ने कहा है कि वो इस मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी हादसे पर दुख जताया। कहा- मैं सदफ के परिवार के लिए भी बहुत परेशान हूं। हमारी सरकार उनकी फैमिली की मदद करेगी। सदफ का करियर छोटा भले ही रहा हो, लेकिन उन्हें नॉलेज बहुत था।

मुश्किल में शाहबाज सरकार

इमरान के लॉन्ग मार्च से शाहबाज शरीफ सरकार फंस गई है। 28 अक्टूबर से शुरू हुआ यह मार्च बेमियादी रहेगा। नवंबर के पहले हफ्ते में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान पाकिस्तान दौरे पर आने वाले हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के खराब हालात को देखते हुए सलमान यह दौरा रद्द कर सकते हैं।

ब्राजील के अगले राष्ट्रपति होंगे लूला डा सिल्वा

1 जनवरी 2023 को संभालेंगे पद; 21 लाख से ज्यादा वोटों से बोल्सोनारो को हराया

ब्राजील । लूला डा सिल्वा लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के नए राष्ट्रपति होंगे। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को करीब 21 लाख 39 हजार वोटों से हरा दिया। लूला वामपंथी वर्कर्स पार्टी से हैं। वो 1 जनवरी 2023 को पद संभालेंगे, तब तक बोल्सोनारो केयरटेकर राष्ट्रपति बने रहेंगे। इस साल लूला 6वीं बार राष्ट्रपति पद के लिए खड़े हुए, जिसमें उन्हें जीत मिली। उन्होंने पहली बार 1989 में चुनाव लड़ा था। ये तीसरी बार होगा जब लूला राष्ट्रपति पद संभालेंगे। इसके पहले वो 2003 से 2010 के बीच दो बार राष्ट्रपति चुने गए थे। राजनीति में आने से पहले वो एक फैक्ट्री में काम करते थे। 30 अक्टूबर को राष्ट्रपति चुनाव के लिए दूसरे राउंड की वोटिंग हुई। लूला डा सिल्वा को 50.90प्रतिशत, जबकि बोल्सोनारो को 49.10प्रतिशत वोट मिले। ब्राजील के संविधान के मुताबिक, चुनाव जीतने के लिए किसी भी कैंडिडेट को कम से कम 50प्रतिशत वोट हासिल करने होते हैं। पिछले महीने हुई पहले राउंड की वोटिंग में लूला को 48.4प्रतिशत, जबकि बोल्सोनारो को 43.23प्रतिशत वोट मिले थे। 77 साल के लूला डा सिल्वा ने चुनाव मैदान में भ्रष्टाचार को खत्म करने का अभियान छेड़ा था। उनका कहना था कि बोल्सोनारो के दौर में भ्रष्टाचार बढ़ा। वैसे लूला भी राष्ट्रपति रह चुके हैं और उन्हें भ्रष्टाचार के कारण पद छोड़ना पड़ा था। भ्रष्टाचार के आरोपों सही साबित होने के बाद वे 580 दिन जेल में रहे थे। राष्ट्रपति चुनाव का फैलसा आने के बाद अब पूरी दुनिया की नजरें बोल्सोनारो और उनके समर्थकों पर टिकीं हैं। बोल्सोनारो पहले ही ये साफ कर चुके थे कि अगर वो चुनाव हारे तो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का रास्ता अपनाएंगे और नतीजों को कबूल नहीं करेंगे। अब उनकी हार के बाद देश में हिंसा होने का खतरा बढ़ गया है। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मतदान केंद्रों से 100 मीटर की दूरी तक हथियार नहीं ले जाने के आदेशों के बावजूद कई जगह बोल्सोनारो समर्थक खुलेआम हथियारों के साथ घूम रहे थे। वो वोटरों को धमकाने में लगे हुए थे। इस बार ब्राजील में सियासी नफरत इस कदर बढ़ गई कि बोल्सोनारो और लूला दोनों ही बुलेट प्रूफ जैकेट पहनकर प्रचार करते नजर आए। हाल ही में राष्ट्रपति बोल्सोनारो के एक समर्थक ने लूला-समर्थक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। बोल्सोनारो पर तो पिछले चुनाव में प्रचार के दौरान हमला भी हुआ था। दरअसल, ब्राजील में गैंग कल्चर यहां पर हाई क्राइम का कारण है। चुनाव के दौरान बड़े राजनीतिक दल हिंसा फैलाने और वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए इन गैंग को भाड़े पर रखते हैं।

अलवर में सरकार की नीतियों के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

अलवर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी शहर के चारों मंडलों की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पर मंगलवार सुबह प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन जिला अध्यक्ष संजय नरूका के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं को कलेक्ट्रेट में घुसने के लिए रोकने पर पुलिसकर्मी व भाजपा कार्यकर्ताओं में तीखी नोकझोंक हो गई। उसके बाद एडिशनल एसपी सरिता सिंह ने मोर्चा संभाल मामले को शांत कराया। जिलाध्यक्ष नरूका ने बताया कि पुलिस ने कार्यकर्ताओं की गिरेबान को पकड़ा, आंखें दिखाई, इस तरह का पुलिस का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा नेताओं ने राज्यपाल के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अलवर की बिगड़ती कानून व्यवस्था, सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध किया गया। कार्यक्रम में शहर के चारों मंडलों के अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, महामंत्री सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

कैथल के 23 गांवों में सरपंच पद पर बनी सहमति

कैथल (हिंस)। बुधवार को कैथल जिलों की 277 गांवों की 283 पंचायतों के लिए होने वाले चुनाव से पहले ही 23 गांव के लोगों ने सरपंचों को सर्वसम्मति से चुन लिया। मंगलवार को डीसी ने सर्वसम्मति से सरपंचों के निर्वाचन की घोषणा की। सबसे अधिक गुहला खंड में 12 सरपंचों को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. संगीता तेतरवाल ने मंगलवार को बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2022 के अंतर्गत सरपंच पद हेतू 23 उम्मीदवारों को सर्वसम्मति से चुन लिया गया है। सर्वसम्मति से चुनी गई प्रत्येक पंचायत को विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपए की धनराशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि खंड कलायत के 2 गांवों कोलेखां से सज्जन कुमार को तथा शिमला में रामचंद्र को सर्वसम्मति से सरपंच पद के चुना गया है।

डीसीसी ग्रामीण ने पूर्व सरपंच रायपुर, पूर्व पंच बागानी के निधन पर किया शोक व्यक्त

जम्मू। जिला कांग्रेस कमेटी जम्मू ग्रामीण ने आज यहां जम्मू उत्तर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित शोक सभा में रायपुर के पूर्व सरपंच बुपिंदर सिंह जम्वाल और पूर्व पंच बगानी हुसैन मोहम्मद के निधन पर शोक व्यक्त किया। शोक सभा का संचालन डीसीसी जम्मू ग्रामीण द्वारा डीसीसी ग्रामीण अध्यक्ष हरि सिंह चिब के नेतृत्व में किया गया, जिसमें मुला राम पूर्व मंत्री एवं उपाध्यक्ष जेकेपीसीसी, उदय भानु चिब अध्यक्ष युवा कांग्रेस जम्मू-कश्मीर, सोमनाथ शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष पट्टा पलौडा ब्लॉक, डॉ. चंद्र मोहन शर्मा, ओम प्रकाश, डॉ. राज पाल हंस, देव राज, वीरेंद्र मेहता, तरुण वैद और अन्य ने बुपिंदर सिंह जम्वाल और हुसैन मोहम्मद को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेताओं ने दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को चिर शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने स्वर्गीय बुपिन्दर सिंह जम्वाल और हुसैन मोहम्मद को समर्पित और दयालु व्यक्ति करार दिया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री मुला राम ने कहा कि स्वर्गीय बुपिंदर सिंह जम्वाल और हुसैन मोहम्मद कांग्रेस के बहुत समर्पित सैनिक थे जिन्होंने पार्टी की सेवाओं में अपने जीवन का अधिकतम समय दिया। उन्होंने कहा बुपिंदर सिंह और हुसैन मोहम्मद ने नि:स्वार्थ भाव से लोगों की सेवा की

और हमेशा जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की। हरि सिंह चिब ने कहा कि पार्टी के लिए दिवंगत बुपिंदर सिंह जम्वाल और हुसैन मोहम्मद के योगदान को पार्टी कभी नहीं भूलेगी और उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखेगी। उन्होंने दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना भी व्यक्त की।

फैक्टरी में गैस का रिसाव, पांच कर्मचारी हुए बेहोश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के लुधियाना में सोमवार को एक गैस फैक्टरी में गैस लीक होने से आधा दर्जन कर्मचारी बेहोश हो गए। हादसे के बाद पुलिस तथा फायर ब्रिगेड ने आसपास के इलाकों को खाली करवाकर स्थिति को संभाला। जानकारी के अनुसार लुधियाना के ग्यासपुरा की वेलटेक गैस फैक्ट्री में वाल्व फटने से सोमवार को गैस रिसाव की घटना हो गई। हादसे के वक्त फैक्टरी में दो कर्मचारी मौजूद थे, जो वॉल्व फटते ही बाहर आ गए। इसके बाद गैस हवा में फैल गई। इससे साथ में लगती एक फैक्ट्री के कर्मचारी बेसुध हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रबंधक पहुंचे और गैस को बंद किया, लेकिन तब तक गैस हवा में फैल चुकी थी। गैस लीक होने के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। गैस के कारण आसपास के उद्योगों के तीन कर्मचारी भी चपेट में आकर बेहोश हो गए। पुलिस ने आसपास के उद्योगों को खाली करवाया। बेहोश कर्मचारियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेसुध हुए वर्करों की पहचान दिनेश, एमडी सज्यान, कुंदर कुमार, सनी और दाहोर राय के रूप में हुई है। हादसे के बाद मौके पर विधायक रजिंद्रर पाल कौर छीना पहुंची। उन्होंने गैस प्लांट के मैनेजर व पुलिस प्रशासन से बातचीत कर हालात का जायजा लिया। पुलिस तथा फायर ब्रिगेड मामले की जांच कर रहे हैं।

गौमाता सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक समरसता का प्रतीक : भदेल

अजमेर (हिंस)। पूर्व मंत्री एवं विधायक अनिता भदेल ने कहा कि गौ माता सामाजिक सांस्कृतिक और धार्मिक समरसता का प्रतीक है। वर्तमान में गौ संरक्षण और संवर्धन पर एक मजबूत कानून बनाने की जरूरत है। विधायक भदेल मंगलवार को अजमेर के पहाड़गंज स्थित श्री सीता गौशाला पर विश्वकल्याण की कामना से गोपाष्टमी पर गौ पूजन के लिए उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, शास्त्रों और समृद्धि का मजबूत आधार ही नहीं आध्यात्मिक एवं सामाजिक उत्थान की कारक है। संयोजन उमेश गर्ग ने बताया कि इस अवसर पर शहर के गणमान्य गौभक्त समाज सेवी एवं राजनेताओं ने सुरभि महायज्ञ में भाग लिया एवं गौ माता की पूजा अर्चना कर विश्वकल्याण की कामना की। उपमहापौर नीरज जैन ने गौ माता को आध्यात्मिक एवं सामाजिक उत्थान का कारक बताया। जैन ने प्रत्येक जन को गौ माता की सेवा का आह्वान किया साथ ही कहा कि आज गौमाता संकट में है और आपको पुकार रही है। इस मौके पर गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मजबूत कानून बनाने की भी मांग की गई ।

पहले भाई-भाभी का रिश्ता बनाया फिर ठगे दस लाख

कैथल (हिंस)। एक महिला ने नानक पुरी कॉलोनी में रहने वाले एक परिवार के साथ पहले भाई बहन का रिश्ता बनाया और फिर उन्हें मकान बेचने का वादा करके उनसे लाख रुपए ठग लिए। बाद में उसने मकान भी किसी दूसरे को बेच दिया। थाना शहर पुलिस ने रिश्ते में बहन बनी महिला के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। नानकपुरी कालोनी निवासी सतीश कुमार ने सिटी थाना में शिकायत दी है कि कुरुक्षेत्र के गांव निवासी अजरानी निवासी सुनीता और उसके पति सरदूल ने उसकी पत्नी सुदेश से रिश्ता जोड़ कर दस लाख रुपए ठगे हैं।

नेकां युवाओं के लिए वापस लाएगा स्वर्ण युग : डॉ. विकास शर्मा

जम्मू। समन्वयक जम्मू जिला (शहरी) और सचिव मध्य क्षेत्र जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस डॉ. विकास शर्मा ने अपनी मूर्खतापूर्ण और दिशाहीन नीतियों के साथ युवाओं के जीवन को दयनीय बनाने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। विक्रम चौक पर युवाओं के साथ बातचीत करते हुए डॉ. विकास शर्मा ने कहा कि केंद्र ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति को राज्य से केंद्र शासित प्रदेश में डाउनग्रेड कर दिया और इसकी विशेष स्थिति को भी समाप्त कर दिया, जिसके कारण सभी राज्य विषयों को भारी मात्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि केंद्र के के कारण जम्मू-कश्मीर को काफी नुकसान हुआ है। राज्य का दर्जा समाप्त होने के बाद यहां

के लोग बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई और भेदभाव के कारण पीड़ित हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेकां सरकार के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरियां प्रदान की गईं, भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए आरटीआई अधिनियम बनाया गया और जम्मू-कश्मीर को विकास के पथ पर धकेलने के लिए कई अन्य क्रांतिकारी कदम उठाए गए। उन्होंने व्यक्त किया कि नेकां जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए स्वर्ण युग वापस लाएगा। उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूर्ण शक्तियों के साथ राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में पार्टी के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा कि नेकां लड़ रही है और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल होने तक अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

संपदा विभाग में काम करने वाले दिहाड़ी मजदूरों ने किया प्रदर्शन

जम्मू। एसटेट डिपाटमैंट (संपदा विभाग) में काम करने वाले दिहाड़ी मजदूरों ने अपने नियमतीकरण और न्यूनतम वेतन अधिनियम को लागू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे पिछले कई वर्षों से विभाग में 6750 रुपए प्रति माह के मामूली वेतन पर काम कर रहे हैं और आज तक सरकार ने उनके लिए कोई नीति नहीं बनाई है। उन्होंने कहा अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद हमें बताया गया था कि देश भर में लागू न्यूनतम मजदूरी अधिनियम जम्मू-कश्मीर में भी लागू हो जाएगा, लेकिन वादा एक धोखा साबित हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आज तक जो भी सत्ता में आया है उन्होंने हमारे लिए कुछ नहीं किया है। राजनीतिक शासन के दौरान हमने सभी मंत्रियों के आवासों में काम

किया। सभी ने हमसे वादा किया कि हमारे साथ न्याय होगा लेकिन किसी ने भी अपना वादा पूरा नहीं किया। वर्तमान शासन ने जम्मू-कश्मीर में 61000 दैनिक ग्रामीणों की दुर्दशा के प्रति आंखें मूंद ली हैं और हमारी सुनने को भी तैयार नहीं हैं। हम धरने पर बैठे ताकि हमारी बात सुनी जा सके। ऐसा लगता है कि यूटी सरकार बहरी और गूंगी है। प्रदर्शनकारियों ने मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की धमकी दी।

हेरोइन के साथ एएनटीएफ के हत्थे चढ़ा तस्कर

जम्मू। नशा तस्करों पर अपना शिकंजा कसते हुए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने एक तस्कर को हेरोईन के साथ गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार एएनटीएफ की टीम को ठूस सूचना मिली थी कि क्षेत्र में हैराइन का धंधा चल रहा है। उसी सूचना पर टीम ने श्रीनगर में उक्त क्षेत्र छापेमारी की और लाखों रूपए की हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया, जिसकी पहचान मोहम्मद शफी निवासी शोपियां के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संदर्भ में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि लाखों की खेल कहां बेची जानी थी और इसके तार कहां तक जुड़े हैं।

खाचरियावास परिसर क्षेत्र में धारा 144 लागू

जयपुर (हिंस)। खाचरियावास हाउस पर आगामी दिनों में होने वाले आयोजनों की संभावना से जनशांति भंग होने की संभावना को मध्यनजर रखते हुए सहायक पुलिस आयुक्त माणक चौक (उत्तर) ने एक आदेश जारी कर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 144 लागू की है। यह आदेश आगामी 28 दिसंबर 2022 की सांय 6 बजे तक प्रभावशील रहेगा। सहायक पुलिस आयुक्त माणक चौक (उत्तर) जयपुर डॉ. हेमंत जाखड़ ने बताया कि उक्त अवधि में इस क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का आयोजन कीर्तन, कव्वाली, प्रसादी एवं उद्घाटन नहीं करेगा। आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि खाचरियावास हाउस क्षेत्र में 500 मीटर की परिधि में 5 या 5 से अधिक व्यक्ति न तो एकत्रित होंगे और न एकत्रित होकर चलेंगे तथा न ही किसी प्रकार की नारेबाजी करेंगे तथा जुलुस आदि भी नहीं निकाल सकेंगे, किसी प्रकार कोई हथियार लेकर नहीं चलेंगे, नहीं किसी प्रकार का अवरोध या रोका टोकी कर सकेंगे। यह आदेश राजकीय ड्यूटी पर कार्यरत अर्थात् वास्तविक ड्यूटी को अंजाम देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों पर भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 188 के अंतर्गत अभियोग चलाया जाएगा।

लॉर्ड महावीर प्लेवे स्कूल जम्मू ने मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

जम्मू। लॉर्ड महावीर प्लेवे स्कूल, जम्मू ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। लॉर्ड महावीर प्लेवे स्कूल जम्मू ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करके सरदार वल्लभाई पटेल भारत के लौह पुरुष की जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस के भव्य उत्सव का आनंद लिया। स्कूल ने राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ को लेकर छात्रों और शिक्षकों के लिए शपथ समारोह आयोजित किया और संदेश दिया कि वे भविष्य में राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखेंगे। शपथ समारोह के बाद स्कूली छात्रों द्वारा रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया और संदेश दिया गया कि वे सरदार वल्लभभाई पटेल के मार्ग पर चलने का प्रयास करेंगे। अध्यक्ष सुरिंदर शर्मा ने स्कूल को संबोधित किया।

वोटों की खरीद-फरोख्त पर भिड़े दो पक्ष, गांव में तनाव

कैथल (हिंस)। कैथल के कलायत खंड के अति संवेदनशील गांव जुलानी खेड़ा में सरपंच के चुनाव में वोटों की खरीद-फरोख्त को लेकर दो घड़े खुलकर आमने-सामने आ गए हैं। जिसके कारण गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं। दो खेमों में बंटे मतदाता सरपंच पद के उम्मीदवारों के समर्थकों पर वोट की आड़ में परेशान करने का आरोप लगा रहे हैं। दोनों पक्षों में अधिकांश अनुसूचित वर्ग के लोग शामिल हैं। इस मसले को लेकर एक पक्ष ने एसपी मकसूद अहमद से सुरक्षा की गुहार लगाई। उनका कहना था कि उन्हें मतदान नहीं करने के लिए धमकाया जा रहा है। जब वे इसका विरोध करते हैं तो गांव निकाला और जान से मारने की धमकी दी जाती है। जुलानी खेड़ा गांव में उपजे विवाद को लेकर दूसरा पक्ष देर रात तक कलायत पुलिस स्टेशन के मुख्य द्वार पर डेरा डाले रहा। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी। इनका कहना था कि वोट के लिए गांव में सरेआम पैसे फेंके जा रहे हैं। वे पैसे के बजाय योग्य उम्मीदवार को वोट देना चाहते हैं। कुछ लोगों द्वारा उन्हें ऐसा करने से रोका जा रहा है। नौ गांवों की खाप पंचायत ने अमन चैन कायम करने के लिए नियम बनाए हैं। इसके तहत सांय छह बजे के बाद चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं है। सामाजिक संहिता को लागू करने के लिए खाप पंचायत ने हाल ही सरपंच पद के दोनों उम्मीदवारों की तरफ से पांच-पांच शांति दूतों की नियुक्ति की थी। नियमों की पालना सुनिश्चित हो सके इसके लिए दोनों पक्ष की तरफ से 72 लाख रुपए की सिक्योरिटी तय की गई। खाप पंचायत की ओर से तय नियम के अनुसार जो सामाजिक संहिता की अवहेलना करेगा, उसको जुर्माना देना होगा। हालांकि दोनों पक्ष अपने को साफ और दूसरे को दोषी बता रहे हैं।

केसीडब्ल्यूटी ने जम्मू के नए मेयर राजिंदर शर्मा को दी बधाई

जम्मू। आज कोटली कॉलोनी वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष चंदन दत्ता ने ईमानदार नए जम्मू मेयर को बधाई दी और ऐसे कुशल नेता को मनोनीत करने और मौका देने के लिए भाजपा की चयन समिति को धन्यवाद दिया। जम्मू के मेयर के रूप में उनकी घोषणा के बाद उनका लोकिप्रय नारा शहर की चर्चा है जिसके लिए वे व्यवस्था पर जनता का विश्वास बहाल करने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने जम्मू के लोगों को जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं और विभागों को वितरित करके व्यवसाय और स्थिति को न्याय दिलाने के लिए सुनिश्चित किया है जो कि किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र का उद्देश्य है। दत्ता शर्मा के दृष्टिकोण की सराहना करते हैं और अपने असाधारण दृष्टिकोण के माध्यम से आम जनता से जुड़ने के लिए कुशलतापूर्वक काम करने की सराहना करते हैं। जम्मू नगरपालिका कार्यालय में आधी रात के दौरान भी खुद को उपलब्ध कराने की उनकी हाल ही में की गई पहल उन कदमों में से एक है जहां वे विभाग के कामकाज को व्यविस्थत करने और किसी भी सुझाव के लिए आम लोगों के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार मुक्त विभाग के दृष्टिकोण के लिए आम जनता को सुनिश्चित किया है और यह सुनिश्चित किया है कि जेएमसी के अंतर्गत आने वाले सभी विभाग जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को बहाल करने के लिए प्रत्येक संबंधित वार्ड का दौरा कर सकते हैं और सरकार द्वारा प्रायोजित योजना का लाभ देने के लिए माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को पूरा कर सकते हैं। अंतिम व्यक्ति। दत्ता ने जम्मू के लोगों के कल्याण के लिए कई प्रचलित मुद्दे लाए हैं और अगले 20 वर्षों के लिए योजना के रोड मैप के साथ आने पर जोर दिया है।

हजारों किमी की दूरी तय कर बीकानेर पहुंचे प्रवासी पक्षी

बीकानेर (हिंस)। सर्दी के शुरु होने के साथ ही हजारों किलोमीटर का सफर तय कर प्रवासी जलीय पक्षी बीकानेर आना शुरु हो गए है। ये जलीय प्रवासी पक्षी मुख्यत: मध्य एशिया व यूरोपियन देशों से हजारों किलोमीटर की दूरी तय कर भारत आते हैं। वर्तमान में समीपवर्ती जोड़बीड़ क्षेत्र के पास बनी एक झील में वुड सैंडपाइपर प्रजाति के काफी छोटे आकार के जलीय पक्षी बड़ी संख्या में पहुंचे है। इसके शरीर का ऊपरी हिस्सा स्लेटी भूरा होता है, जिस पर हल्के धब्बे होते हैं। भारत में यह एक प्रवासी पक्षी है जो पक्षी एक बड़े समूह में प्रवास करते हैं। स्थानीय निवासी राकेश शर्मा ने बड़ी संख्या में प्रवासी जलीय पक्षियों को जिले के ग्रामीण क्षेत्र के तालाब, झील में देखकर फोटोग्राफ्स खींचे है। शर्मा बताते हैं कि देश के अलग-अलग हिस्सों में ये अगस्त से पहुंचना आरंभ कर देते हैं और फरवरी तक इन्हें आसानी से देखा जा सकता है। इनका मुख्य भोजन जलीय कीट, लार्वा, घोंघा आदि होता है। ये पानी में चलते हुए भोजन ग्रहण करते हैं। ये पक्षी तैरते समय भी पानी के ऊपर मौजूद कीटों को खा जाते हैं। इनके साथ अन्य जलीय पक्षी मार्स सैंडपाईपर, स्टींट, रफ्फ, रेड सैंक, डनलीन, रेगड पूलोवर आदि भी प्रवास करते हैं। वुड सैंडपाईपर काफी लंबी दूरी तय करते है। जलीय पक्षी वुड सैंडपाइपर बिना रूके दो हजार किलोमीटर से भी अधिक दूरी तय करने की क्षमता रखता है।

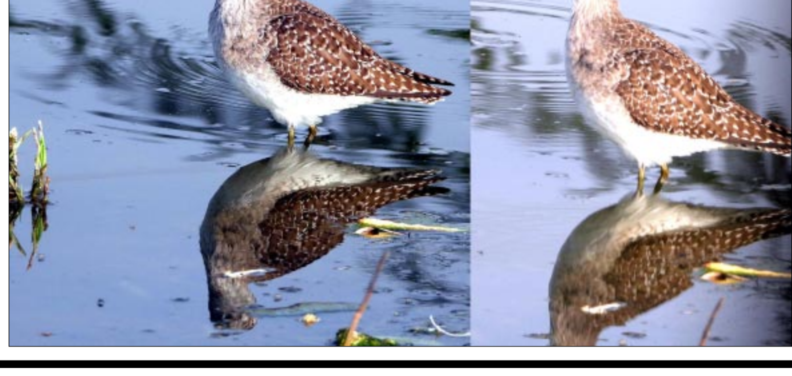

INVITATION FOR BID

No.AF(S)180/PMMSY/2020-21/ 10583-87

Sealed tenders affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paisa twenty-five) only are re-invited by the Directorate of Fisheries, Assam, Guwahati from eligible contractors of appropriate category having currently valid registration from APWD (Bldg./ Road) CPWD or other Govt. Deptt. for the following work. The last date of submission of bid at the office of the undersigned is 15th Nov, 2022 up to 12.00 Noon. The bids will be opened on the same day at 12.30 pm where the bidders or their authorized representative may be present. The stipulated time of completion is 2(two) months.

SL	Name of Work	Approximate Value of work (Rs.)	EMD (Rs.)		Tender Fee (Rs.)
			For General	For SC / ST / OBC/ MOBC/ GE	
1	Establishment of PMMSY cell at Meen Bhawan	6,44,300.00	12,886.00	6,443.00	200.00

Intending quotationers may see the details and download the **Bidding document** from the website **"https://fisheriesdirector.assam.gov.in"** of the Deptt. of Fisheries, Assam from 2nd Nov, 2022 up to 12.00 Noon on 15th Nov, 2022.

Sd/-
Director of Fisheries
Assam, Guwahati

-- Janasanyog /C/ 13013 /22

शिबाशीष सरकार ने रिलायंस एंटरटेनमेंट स्टूडियोज और रिसी एंटरटेनमेंट को 11.58 अरब रुपये में खरीदा

मुंबई।
भारतीय मीडिया मुगल शिबाशीष सरकार द्वारा पिछले साल लॉन्च की गई विशेष प्रयोजन अधिग्रहण कंपनी इंटरनेशनल मीडिया एक्विजिशन कॉर्प ने रिसी एंटरटेनमेंट और रिलायंस एंटरटेनमेंट स्टूडियोज को खरीद लिया है। दोनों कंपनियों के लिए 140 मिलियन डॉलर का सौदा हुआ है। सौदे के तहत कुल 102 मिलियन डॉलर (करीब 8.44 अरब रुपये) नकद और 38 मिलियन डॉलर (करीब 3.14 अरब रुपये) निवेश के रूप में दिया जाएगा। इस सौदे के साथ ही रिलायंस एंटरटेनमेंट के पूर्व सीईओ शिबाशीष को अपने कई पूर्व सहयोगियों के साथ फिर से जुड़ने का मौका मिलेगा, जो की स्थापना के बाद उनसे अलग हो गए थे। इंटरनेशनल मीडिया एक्विजिशन कॉर्प ने पिछले साल कई हाई-प्रोफाइल भारतीय मनोरंजन हस्तियों और मीडिया कंपनियों के सहयोग से नैस्डैक (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सिक्योरिटीज डीलर्स ऑटोमेटेड कोटेशन) पर लॉन्च किया था। नैस्डैक न्यूयॉर्क शहर में स्थित एक अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज है। इस महीने की शुरुआत में की गई एक फाइलिंग के मुताबिक, आईएमएक्यू ने संयुक्त रूप से रिसी और रिलायंस स्टूडियोज कंपनी का 100 फीसदी अधिग्रहण करने के लिए एक समझौता किया है। समझौते के तहत नकद भुगतान के लिए तय की गई कुल 102 मिलियन डॉलर की राशि चार चरणों में पूरा होगी जबकि 38 मिलियन डॉलर की राशि इक्विटी पूंजी निवेश से आएगा। इसी के साथ शिबाशीष सरकार पांच निदेशकों के बोर्ड के साथ इस सौदे से उभरने वाली कंपनी की सीईओ बन जाएंगे। इनमें से तीन निदेशक आईएमएक्यू द्वारा और दो संयुक्त रूप से रिसी और/या रिलायंस स्टूडियोज से नामित किए जाएंगे। प्रभावी रूप से एक ऐसी कंपनी है जो केवल मौजूदा कंपनियों को खरीदने के लिए पूंजी जुटाती है और उन्हें पारंपरिक आईपीओ के विकल्प के रूप में देखा जाता है। आईएमएक्यू ने अपनी शुरुआती नैस्डैक पेशकश में 230 मिलियन डॉलर जुटाए थे। इस के बाद शिबाशीष ने मीडिया से कहा था कि वह चाहते हैं कि यह कंपनी फिल्म और टीवी उत्पादन, एनीमेशन और प्रदर्शनी के क्षेत्र में काम करने वाली भारत की सबसे बड़ी सामग्री निर्माण कंपनी के रूप में काम करे। उन्होंने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि मेरा सपना एक दिन सार्थक स्थिति लेगा। पिछले साल दिसंबर में यह पूछे जाने पर कि क्या आईएमएक्यू रिलायंस के फिल्म और टीवी व्यवसाय का अधिग्रहण करेगी सरकार ने जवाब दिया था।

यूपी-बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में पिछले 24 घंटे के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। इसका असर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी नजर आने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार (01 नवंबर) सुबह नई रेट लिस्ट जारी किए, जिनमें उत्तर प्रदेश और बिहार के कई शहरों में तेल की कीमतें कम नजर आई। हालांकि दिल्ली-मुंबई समेत देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी नई कीमतों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले (नोएडा-ग्रेटर नोएडा) में पेट्रोल 35 पैसे सस्ता हो गया है। इसकी नई कीमतें 96.65 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं, डीजल के दाम में 32 पैसे की कटौती हुई है और इसकी नई कीमत 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल-डीजल के भाव में एक पैसे की मामूली गिरावट आई है। यहां पेट्रोल अब 96.57 रुपये लीटर और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। उधर, बिहार की राजधानी पटना में भी पेट्रोल-डीजल के दामों में कमी आई है। यहां पेट्रोल 82 पैसे गिरकर 107.30 रुपये लीटर और डीजल 77 पैसे टूटकर 94.09 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गौर करने वाली बात है कि बीते 24 घंटे के दौरान क्रूड ऑयल की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 1.40 डॉलर गिरकर 94.83 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआई भी 2.22 डॉलर की गिरावट के साथ 86.01 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

आठ बुनियादी क्षेत्रों में सितंबर महीने के दौरान उत्पादन बढ़ा, आंकड़े जारी किए गए

नई दिल्ली। देश के प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों में सितंबर महीने में उत्पादन बढ़ा है। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कोयला, उर्वरक, सीमेंट और ऊर्जा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन के कारण आठ बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के उत्पादन में सितंबर महीने के दौरान 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वर्ष इस महीने में यह आंकड़ा 5.4 प्रतिशत था। अगस्त में आठ बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों में उत्पादन वृद्धि दर 4.1 प्रतिशत थी। बता दें कि आठ बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के अंतर्गत कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र आते हैं। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर महीने के दौरान इन क्षेत्रों में उत्पादन वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत थी, जबकि एक वर्ष पहले यह आंकड़ा 16.9 प्रतिशत था।

मस्क ने ट्विटर के सभी निदेशकों को हटाया, अकेले संभालेंगे पूरे बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की जिम्मेदारी

वॉशिंगटन। ट्विटर को खरीदने के बाद एलन मस्क इस प्लेटफॉर्म को लेकर धड़ाधड़ फैसले कर रहे हैं। बीते हफ्ते ट्विटर हेडक्वार्टर में काम शुरू करने के साथ ही मस्क ने कंपनी के सीईओ पराग अग्रवाल समेत कई अधिकारियों को निकाल दिया था। अब सामने आया है कि 27 अक्तूबर को ही मस्क ने ट्विटर के निदेशक बोर्ड को भी हटा दिया। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन में सोमवार को की गई फाइलिंग के मुताबिक, ट्विटर बोर्ड के चेयरमैन ब्रेट टेलर, सीईओ अग्रवाल के अलावा सभी पुराने सदस्यों को हटाने के साथ ही मस्क अकेले ही बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की जिम्मेदारी संभालेंगे। गौरतलब है कि मस्क ने शुक्रवार को ही ट्विटर को खरीदने की 44 अरब डॉलर (3,36,910 करोड़ रुपये) का समझौता पूरा कर लिया था। इसके साथ ही मस्क ने जिन ट्विटर अफसरों को निकाला था, उनमें कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी नेडल सीगल और कानूनी और नीति मामलों की प्रमुख विजया गाड्डे शामिल थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एलन मस्क ट्विटर से कर्मचारियों की बड़े स्तर पर छंटनी करने वाले हैं। उन्होंने इसे लेकर प्रबंधकों को ऐसे कर्मचारियों की सूची बनाने को कहा है, जिन्हें हटाया जा सकता है। मस्क के ट्विटर के अधिग्रहण से पहले ही चर्चा थी कि वह सोशल मीडिया कंपनी में कर्मचारियों की संख्या में कटौती करेंगे। कुछ रिपोर्ट्स में तो यहां तक कहा गया कि वह कर्मचारियों की संख्या में 75 प्रतिशत की कमी करेंगे। एनवाईटी की रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि मस्क कितने कर्मचारियों की छंटनी करेंगे।

चालू वित्त वर्ष : पहली छमाही में सरकार का खर्च 18.24 लाख करोड़, राजस्व 12.03 लाख करोड़

नई दिल्ली।
चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के दौरान सरकार ने 18.24 लाख करोड़ रुपये खर्च किया है। इसी दौरान इसका राजस्व 12.03 करोड़ रहा है। इससे राजकोषीय घाटा सालाना आधार पर बढ़कर 6,19,849 करोड़ हो गया है। एक साल पहले 5.27 लाख करोड़ था। कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट्स की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, पूरे साल के लक्ष्य का यह 37.3प्रतिशत है जबकि बजट अनुमान का यह 35प्रतिशत है। सरकार की प्राप्ति और उसके खर्च के बीच का जो अंतर है, उसे राजकोषीय घाटा कहते हैं। सरकार को इस दौरान कुल 12.03 लाख करोड़ रुपये का राजस्व मिला जिसमें टैक्स भी शामिल है। सालाना आधार पर यह 9.5प्रतिशत अधिक जबकि बजट अनुमान का 52.7प्रतिशत है। इस साल कुल रकम में टैक्स का हिस्सा 10.11 लाख करोड़ रुपये था जो बजट अनुमान का 52.3प्रतिशत है। केंद्र सरकार का खर्च इस दौरान 2022-23 के बजट अनुमान का 46.2प्रतिशत रहा है। 2022-23 के लिए सरकार ने 16.61 लाख करोड़ के राजकोषीय घाटा का अनुमान लगाया है।

8 कोर सेक्टरों का उत्पादन सितंबर में 7.9प्रतिशत बढ़ा

देश की अर्थव्यवस्था सितंबर महीने में तेज रही है। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सरकार की कोयला, खाद, सीमेंट और बिजली के बेहतर प्रदर्शन से देश के 8 प्रमुख सेक्टरों का उत्पादन सितंबर में 7.9प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले समान अवधि में इन उद्योगों की वृद्धि दर 5.4प्रतिशत रही थी। इस साल अगस्त में यह 4.1प्रतिशत थी।

पहली छमाही में सभी का उत्पादन 9.6प्रतिशत बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान छमाही में यह 16.9प्रतिशततेजी में था। कोर सेक्टर किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख उद्योग होते हैं। इनमें कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, खाद, स्टील, सीमेंट और इलेक्ट्रिसिटी होते हैं।

पूरे साल में 40 लाख करोड़ के खर्च का अनुमान

घाटे की कुल रकम में से 4.36 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान पर और 1.98 लाख करोड़ रुपये बड़ी सब्सिडी का हिस्सा था। सरकार ने ज्यादातर खर्च सितंबर तिमाही में किया है। तमाम अर्थशास्त्री का मानना है कि सरकार का खर्च इस साल 40 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकता है जो एक साल पहले की तुलना में 4 फीसदी अधिक होगा। सब्सिडी पर ज्यादा खर्च हो रहा है।

आईएमएफ के अनुमान से ज्यादा रहेगी अगले साल विकास दर

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि अगले साल भारत की विकास दर अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष (आईएमएफ) के अनुमान से ज्यादा रहेगा। आईएमएफ ने इस साल 6.8 फीसदी और अगले साल 6.1 फीसदी की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। नागेश्वरन ने कहा कि उन्हें आने वाले सालों में वृद्धि दर इस अनुमान से कहीं अधिक रहने की उम्मीद है।

एक दशक तक सुस्त रहने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक डिजिटल ढांचे ने एक स्तर को पार कर लिया है और यह देश की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने के साथ ही ऊंची वृद्धि दर में भी योगदान देगा। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में छह फीसदी के बुनियादी आंकड़े में 0.5-0.8 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति में आमतौर पर एक-दूसरे से तालमेल होता है।

इस साल 44प्रतिशत बढ़ सकती है नए मकानों की आपूर्ति

इस साल में नए मकानो की आपूर्ति में 44 फीसदी की तेजी आ सकती है। देश के शीर्ष सात शहरों में कुल 3.4 लाख यूनिट्स तैयार हो सकती हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से सितंबर तक सात शहरों में 2.65 लाख मकान लॉन्च हुए हैं। इनमें दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बंगलूरू, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता हैं। चालू रुझान से पता चलता है कि नए मकानों की लॉन्चिंग में तेजी आएगी।

दिल्ली-एनसीआर में 80 लाख रुपये से कम कीमत वाले मकानों की पसंद सबसे ज्यादा रही है। 2021 में एनसीआर में कुल 40,053 मकान बिके थे। 2017 से लेकर 2021 के दौरान कुल 1.58 लाख से ज्यादा मकान बनाए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिग्नेचर ग्लोबल ने इन क्षेत्रों में अच्छा काम किया है। 2019 से 2021 के बीच इसकी हिस्सेदारी कुल मकानों में 9प्रतिशत रही है।

यूरोप के 19 देशों में महंगाई से अर्थव्यवस्था सुस्त, मुद्रास्फीति 10.7 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली।
यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले 19 यूरोपीय देशों में मुद्रास्फीति की दर अक्तूबर महीने में रिकॉर्ड 10.7 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। प्राकृतिक गैस और बिजली की आसमान छूती कीमतों ने इन देशों की अर्थव्यवस्था की रफ्तार को भी सुस्त कर दिया है।

यूरोपीय संघ (ईयू) के सांख्यिकी संगठन यूरोस्टैट ने सोमवार को अक्टूबर महीने के जो आंकड़े जारी किए हैं उनके अनुसार एक साल पहले की तुलना में इस महीने मुद्रास्फीति की दर बढ़कर 10.7 प्रतिशत पर पहुंच गई। बता दें कि सितंबर महीने में मुद्रास्फीति की दर 9.9 प्रतिशत रही थी। यूरोजोन के लिए 1997 में आंकड़ों का संकलन शुरू होने के बाद यह मुद्रास्फीति का उच्चतम स्तर है। यूरोपीय संघ के कुल 28 में से 19 देशों में यूरो का इस्तेमाल किया जाता है। इन देशों को सामूहिक तौर पर यूरोजोन कहा जाता है। यूरोस्टैट के अनुसार रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण प्राकृतिक गैस की कीमतों में हुई वृद्धि और बिजली के भाव बढ़ने से मुद्रास्फीति में तेजी आई है। ऊर्जा संसाधनों पर खर्च बढ़ने से उपभोक्ताओं का अन्य जरूरी चीजों पर व्यय घट गया है। यूरोस्टैट के आंकड़ों के मुताबिक खाद्य उत्पाद, शराब और तंबाकू उत्पादों के भाव 13.1 प्रतिशत बढ़े हैं जबकि ऊर्जा संसाधनों की कीमतों में 41.9 प्रतिशत का उछाल आया है। इस बीच कोविड-19 महामारी के दुष्प्रभावों से उबरने की कोशिश में जुटे यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्थाएं जुलाई-सितंबर तिमाही में 0.2 प्रतिशत की ही वृद्धि दर हासिल कर पाई है। इसके पहले अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 0.8 प्रतिशत रही थी। बता दें कि यूरोपीय केंद्रीय बैंक ने पिछले हफ्ते एक अनुमान में कहा था कि अगले साल मुद्रास्फीति की दर 5.8 प्रतिशत रह सकती है। वहीं, तीन महीने पहले लगाए गए अनुमान में इसके 3.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई थी। यूरोप समेत दुनिया के तमाम हिस्सों में इस वर्ष बेतहाशा मुद्रास्फीति दिखी है। अमेरिका और ब्रिटेन में भी मुद्रास्फीति ने पिछले 40 वर्षों के उच्चतम स्तर को छू लिया है।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़ी, 6.49 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली।
औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 6.49 प्रतिशत हो गई। यह अगस्त, 2022 में 5.85 प्रतिशत थी। सरकार की तरफ से सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मुख्य रूप से खाने-पीने का सामान महंगा होने से खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ी है। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सितंबर, 2022 के लिए मुद्रास्फीति दर पिछले महीने के 5.85 प्रतिशत तथा गत वर्ष के इसी माह के 4.40 प्रतिशत की तुलना में 6.49 प्रतिशत रही।

इसी तरह खाद्य मुद्रास्फीति की दर इस साल अगस्त में 6.46 प्रतिशत और इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में 2.26 प्रतिशत की तुलना में सितंबर, 2022 में 7.76 प्रतिशत रही। अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (औद्योगिक श्रमिक) सितंबर, 2022 में 1.1 अंक बढ़कर 131.3 अंक के स्तर पर पहुंच गया। यह अगस्त में 130.2 अंक था। सूचकांक में दर्ज वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव खाने-पीने के सामान का रहा। इसके कारण सूचकांक में 0.68 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई।

वस्तुओं की बात की जाए, तो चावल, गेहूं का आटा, भैंस का दूध, डेयरी मिल्क, पॉल्ट्री चिकन, गाजर, फूलगोबी, हरा धनिया, प्याज, आलू, टमाटर, वडा, इडली, डोसा इत्यादि सूचकांक को बढ़ाने में जिम्मेदार रहे। दूसरी तरफ ताजा मछली, पाम तेल, सरसों का तेल, सूरजमुखी का तेल, सोयाबीन तेल, सेब, हींग, संतरा, लौकी आदि ने सूचकांक में दर्ज वृद्धि को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

एलपीजी सिलेंडर 115 रुपये सस्ता, दिल्ली के अलावा बाकी मेट्रो शहरों में नए दाम

नई दिल्ली।
दिवाली के बाद महंगाई से राहत मिलने वाली खबर सामने आई है। दरअसल, एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी कटौती की गई है। एलपीजी गैस सिलेंडर 115 रुपये सस्ता हो गया है। हालांकि, यह कटौती देशभर में एलपीजी के कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में की गई है। फिलहाल, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

इन सिलेंडरों के दाम में आखिरी बार परिवर्तन छह जुलाई को हुआ था। एक नवंबर से दिल्ली में इंडेन के 19 किलो के कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 115.5 रुपये कम हो गई है। वहीं, कोलकाता में 113 रुपये, मुंबई में 115.5 रुपये और चेन्नई में 116.5 रुपये की कटौती की गई है। इससे पहले एक अक्टूबर को भी कमर्शियल सिलेंडर के दाम 25 रुपये घटाए गए थे।

हालांकि, 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर पुराने दाम पर ही मिलेगा। देश के चार महानगरों में कमर्शियल सिलेंडर की नई कीमतें दिल्ली में इंडेन का 19 किलो का सिलेंडर अब 1859.5 रुपये की जगह 1744 रुपये में मिलेगा। कोलकाता में कमर्शियल सिलेंडर 1846 रुपये में मिलेगा। पहले इसकी कीमत 1995.50 रुपये थी। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर 1844 रुपये की जगह अब 1696 रुपये में लिया जा सकेगा। चेन्नई में एलपीजी सिलेंडर अब 1893 रुपये में मिलेगा। इससे पहले इसकी कीमत 2009.50 रुपये थी। बता दें कि देश की गैस कंपनियां हर महीने की एक तारीख को गैस सिलेंडरों के दाम तय करती हैं। कमर्शियल एलपीजी गैस का इस्तेमाल अधिकतर होटलों, खाने-पीने की दुकानों में होता है। गौर करने वाली बात यह है कि लगातार छह महीने से कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कटौती की जा रही है।

सेबी की कार्रवाईः मेहुल चोकसी प्रतिभूति बाजार से 10 साल के लिए प्रतिबंधित, पांच करोड़ का जुर्माना भी लगाया

नई दिल्ली।
सेबी ने सोमवार को भगोड़े व्यवसायी मेहुल चोकसी को प्रतिभूति बाजार से 10 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया और गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में धोखाधड़ी के कारोबार में शामिल होने के लिए उस पर 5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। उसे 45 दिनों के भीतर जुर्माना भरने का निर्देश दिया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ये आदेश जारी किया है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के साथ-साथ गीतांजलि जेम्स के प्रमोटर समूह का हिस्सा रहा चोकसी, नीरव मोदी का मामा है। इन दोनों पर सरकारी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है।

पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद चोकसी और नीरव देश से भाग गए थे - 2018 की शुरुआत में पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद चोकसी और नीरव मोदी दोनों भारत से भाग गए थे। चोकसी एंटीगुआ और बारबुडा में है, जबकि नीरव मोदी ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसने भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को चुनौती दी है। सेबी की कार्यवाही मई 2022 में सेबी द्वारा चोकसी के खिलाफ जारी एक सामान्य कारण बताओ नोटिस के बाद हुई है, जो कि नियामक द्वारा गीतांजलि जेम्स के शेयरों में कथित हेरफेर व्यापार की जांच से जुड़ी है। नियामक ने जुलाई 2011 से जनवरी 2012 की अवधि के लिए कंपनी के शेयरों में कुछ संस्थाओं की व्यापारिक गतिविधियों की जांच की थी।

सेबी ने अपने आदेश में कहा कि चोकसी ने फ्रंट एंटिटीज के रूप में जानी जाने वाली 15 संस्थाओं के एक समूह को वित्त पोषित किया था, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उनके साथ और एक-दूसरे से जुड़े थे। उन्होंने कंपनी के शेयरों में हेराफेरी के लिए उन्हें फ्रंट एंटिटी के तौर पर इस्तेमाल किया था। यह पाया गया कि कंपनी द्वारा फ्रंट संस्थाओं को फंड ट्रांसफर 77.44 करोड़ रुपये की सीमा तक था, जिसमें से 13.34 करोड़ रुपये के फंड का इस्तेमाल फ्रंट संस्थाओं द्वारा स्क्रिप में व्यापार करने के लिए किया गया था।

नियामक ने कहा कि जांच अवधि से ठीक पहले, जून 2011 को समाप्त तिमाही के लिए गीतांजलि जेम्स के शेयर, बैंकों / वित्तीय संस्थानों / एफपीआई के प्रमोटर होल्डिंग और होल्डिंग्स को छोड़कर सामान्य निवेशकों के लिए 28.96 प्रतिशत था। यह सितंबर 2011 को समाप्त तिमाही में घटकर 19.71 प्रतिशत हो गया था। इसके बाद सामान्य निवेशकों के लिए उपलब्ध शेयर जांच अवधि के बाद बढ़कर 25.36 प्रतिशत हो गए।

सेबी की समिति ने पीएसीएल निवेशकों को 15,000 रुपये तक लौटाने की मंजूरी दी - पर्ल ग्रुप (पीएसीएल) के निवेशकों को जमा राशि लौटाने से संबंधित उच्चाधिकार-प्राप्त समिति ने सोमवार को 15,000 रुपये तक के दावे करने वाले आवेदकों को भुगतान की अनुमति दे दी। सेबी ने एक सार्वजनिक सूचना में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि 15,000 रुपये तक के दावे एक नवंबर से लेकर 31 जनवरी, 2023 तक दाखिल किए जा सकेंगे। इसके लिए सेबी ने एक ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर एम लोढ़ा की अध्यक्षता वाली इस समिति का गठन पीएसीएल में निवेश करने वाले निवेशकों के पैसे लौटाने की व्यवस्था करने के लिए की गई थी। रिफंड की प्रक्रिया जनवरी, 2020 में शुरू हो गई थी लेकिन उस समय 5,000 रुपये तक के दावों का ही निपटान हो सका। उसके बाद जनवरी-मार्च, 2021 में 10,000 रुपये तक के दावे स्वीकार किए गए।

अभिनेता चिरंजीवी और रवि तेजा ने फिल्म 'वाल्टेयर वीरैया' के गाने में किया एक साथ किया डांस

चेन्नई (ईएमएस)। दक्षिण के मशहूर फिल्म निर्देशक बॉबी कोल्ली की बहुप्रतीक्षित सामूहिक और व्यावसायिक मनोरंजक फिल्म 'वाल्टेयर वीरैया' के निमार्ताओं ने अब अभिनेता द्वय चिरंजीवी और रवि तेजा के साथ एक शानदार डांस नंबर की शूटिंग की है। फिल्म यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि इस डांस को एक विशाल सेट पर शूट किया गया है। रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद, जिन्होंने फिल्म के लिए संगीत दिया है, एक सामूहिक नृत्य लेकर आए हैं जो मनोरंजन से भरपूर होगा। सूत्रों का कहना है कि चिरंजीवी और रवि तेजा, जो दोनों महान नर्तक के रूप में जाने जाते हैं, नृत्य में सुंदर और सुरुचिपूर्ण दिखते हैं, जिसे शेखर मास्टर द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है। यह याद किया जा सकता है कि चिरंजीवी को एक विंटेज मास अवतार में प्रस्तुत करने वाले फिल्म के शीर्षक टीजर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। श्रुति हासन ने फिल्म में चिरंजीवी के साथ मुख्य भूमिका निभाई है, जो सभी व्यावसायिक सामग्रियों से भरपूर एक मास-एक्शन एंटरटेनर है। फिल्म का निर्माण मैथरी मूवी मेकर्स के नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जबकि जीके मोहन सह-निर्माता हैं। आर्थर ए. विल्सन फिल्म के छायाकार हैं, जिसका संपादन निरंजन देवरामने और सुष्मिता कोनिडेला ने कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में किया है। जहां कहानी और संवाद बॉबी ने खुद लिखे हैं, वहीं कोना वेंकट और के. चक्रवर्ती रेड्डी ने पटकथा लिखी है। लेखन विभाग में हरि मोहन कृष्ण और विनीत पोटलुरी भी शामिल हैं।

शाहरुख की फिल्म जवान का टीजर देख एटली के साथ काम करने को उत्सुक हुए सलमान, शुरू की बातचीत

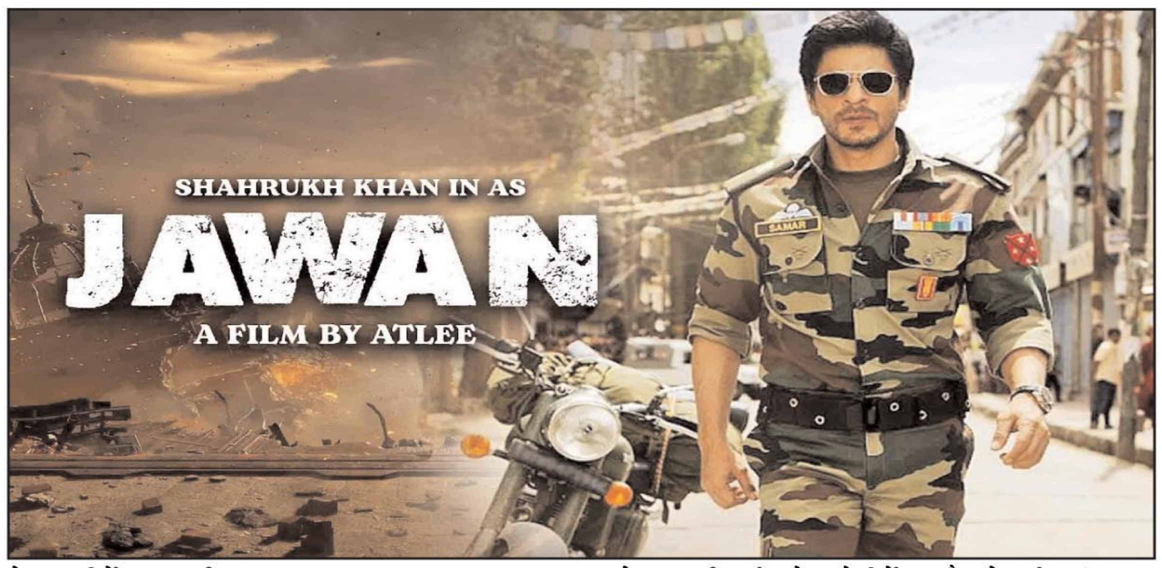

चेन्नई (ईएमएस)। तमिल फिल्मों के सुपर निर्देशकों में शुमार एटली इन दिनों अपनी फिल्म जवान को लेकर चर्चा में हैं। शाहरुख खान द्वारा निर्मित और अभिनीत फिल्म जवान प्रदर्शन के लिए तैयार है। जीरो के बाद परदे पर वापसी करने के लिए शाहरुख खान ने एटली पर दांव लगाया था, लेकिन इससे पहले उनकी यशराज बैनर तले बन रही फिल्म पठान का प्रदर्शन होगा जो आगामी वर्ष 25 जनवरी को प्रदर्शित होगी, जबकि शाहरुख खान की नयनतारा अभिनीत फिल्म जवान 2 जून को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। एटली को लेकर एक और बड़ी खबर बॉलीवुड के गलियारों में बहती हुई सुनाई दे रही है। सलमान खान ने जब से शाहरुख खान की फिल्म जवान का टीजर देखा है, उनका मन एटली के साथ काम करने का हो रहा है। बताया जा रहा है कि उन्होंने एटली के साथ अपनी फिल्म को लेकर बातचीत भी शुरू कर दी है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान ने एटली कुमार के साथ काम करने की इच्छा जताई है। जिसके बाद निर्देशक एटली कुमार सुपरस्टार सलमान खान के लिए अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। हालांकि पहले वह शाहरुख खान की फिल्म जवान को पूरा करेंगे। इसके बाद ही अगली बॉलीवुड फिल्म पर काम शुरू करेंगे। तब तक सुपरस्टार सलमान खान के पास भी कई फिल्मों के लाइनअप्स हैं। इन्हें पूरा करके ही निर्देशक एटली कुमार संग सलमान खान की अगली फिल्म पर तैयारी शुरू हो सकेगी। जिन्हें जानकारी नहीं हैं, उन्हें बता दें कि निर्देशक एटली कुमार तमिल फिल्मों के बड़े निर्देशक हैं, जो कई ब्लॉकबस्टर फिल्में मसलन, थेरी, मर्सेल और बिगिल दे चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी फिल्मों में थलापति विजय ही लीड स्टार थे। जिसकी वजह से इन दोनों स्टार-डायरेक्टर के बीच गहरी बॉन्डिंग हैं।

माराकेच फिल्म फेस्टिवल में एटोइल डी'ओर से सम्मानित किए जाएंगे रणवीर सिंह

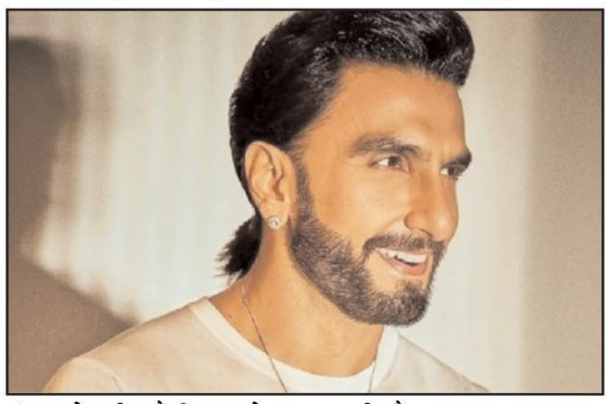

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को इस साल 19वें माराकेच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एटोइल ड-ी'ओर से सम्मानित किया जाएगा। रणवीर सिंह से पहले अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और आमिर खान को यह सम्मान मिल चुका है। रणवीर के साथ, प्रतिष्ठित स्कॉटिश अभिनेता टिल्डा स्विंटन, प्रसिद्ध अमेरिकी फिल्म निमार्ता जेम्स ग्रे और मोरक्कन फिल्म अग्रणी और निर्देशक फरीदा बेनलियाजिद को भी यह सम्मान दिया जाएगा। रणवीर ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा मैं गहराई से विनम्र और रोमांचित हूं। एटोइल डी'ओर ने मेरे काम को पहचाना, यह मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इस विशिष्ट पहचान और मुझे दी गई प्रतिष्ठा के लिए बहुत आभारी हूं। उल्लेखनीय है कि माराकेच अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव दुनिया में सबसे सम्मानित फिल्म आयोजनों में से एक है, जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सिनेमा को एक साथ लाता है। अपनी सिनेमाई यात्रा के 12 वर्षों में रणवीर हिंदी सिनेमा के सबसे प्रसिद्ध अभिनेताओं में से एक बन गए हैं, जिसके प्रशंसक उनकी बैंड बाजा बारात, राम लीला, बाजीराव मस्तानी, पद्मावत और गली बॉय को बहुत पसंद करते हैं। रणवीर 11 नवंबर से 13 नवंबर तक मोरक्को में रहेंगे और ऐतिहासिक जेमा अल-फना स्क्वायर में विश्व सिनेमा प्रेमियों के सामने भव्य उद्घाटन और सम्मान समारोह में शामिल होंगे।

प्रियंका पति निक जोनस संग डिनर करने पहुंची रेस्त्रा

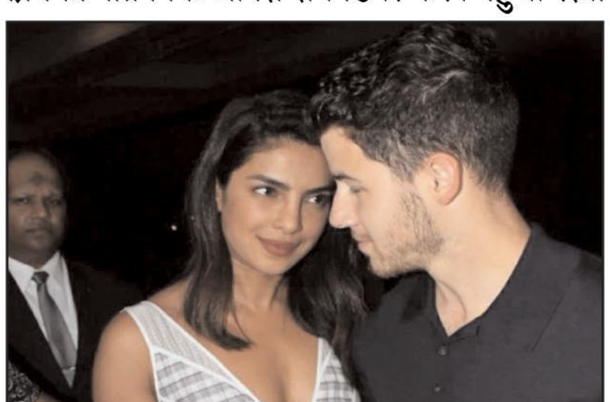

बॉलीवुड से अपने करियर की शुरूआत करने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अब हॉलीवुड में भी अपनी अदाकारी के का परचम लहरा रही हैं। इन दिनों वह लंदन में अपनी फैमिली संग खूब क्वालिटी टाइम स्पैंड कर रही हैं। इसी बीच बीते गुरुवार एक्ट्रेस को वेस्ट हॉलीवुड में पति निक जोनस संग डिनर डेट पर स्पॉट किया गया, जिसकी तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान प्रियंका चोपड़ा फ्लोरल ड्रेस में बेहद स्टनिंग लगीं। इसके साथ उन्होंने रेड कलर की हील और मैचिंग पर्स कैरी किया। उनके पति निक जोनस ब्लैक ब्लेजर और ग्रे पैंट में काफी डैशिंग दिखे और एक्ट्रेस का हाथ थाम डिनर डेट पर स्पॉट हुए। इस दौरान दोनों अपने ही ध्यान में चलते हुए कैमरे में कैद हो गए, जिसकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। बता दें, हाल ही में प्रियंका चोपड़ा-निक जोनस ने बेटी मालती मैरी संग उसकी पहली दीवाली की तस्वीरें शेयर की थी, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया।

चारू असोपा ने छोड़ा पति राजीव सेन का घर, बेटी जियाना के साथ नए घर में शिफ्ट हुईं

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री चारु असोपा और राजीव सेन बीते कुछ दिनों से अपने संबंधों में आई दरार की वजह से चर्चा में हैं। एक महीने पहले दोनों ने तलाक के फैसले को रद्द कर दिया था और अपनी शादी को एक मौका देने का फैसला किया था। अब एक महीने बाद चारु असोपा ने अपने पति राजीव को लेकर कई खुलासे किए और बताया कि अब उनके साथ रहना संभव नहीं है और वह जल्द उनसे तलाक लेने वाली हैं। इस बीच चारु असोपा अपने नए घर में शिफ्ट हो गई हैं। चारु असोपा एक्ट्रेस होने के साथ साथ यूट्यूबर भी है। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्होंने इस साल अपने माता-पिता और अपनी बेटी के साथ दीपावली मनाई। इसी के साथ उन्होंने अपने नए घर की भी एक झलक दिखाई। जहां वह अपनी बेटी जियाना के साथ शिफ्ट हुई हैं। इससे साफ जाहिर हो गया है कि उन्होंने पति राजीव का घर छोड़ दिया है और जल्द उनसे तलाक लेने वाली हैं। चारु ने बीते दिनों राजीव सेन पर शारीरिक शोषण का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा राजीव गाली दे चुके हैं और यहां तक कि एक-दो बार मुझ पर हाथ भी उठा चुके हैं। राजीव हर लड़ाई के बाद हफ्तों और महीनों के लिए गायब हो जाते हैं और मुझे ब्लॉक कर देते हैं। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने आगे बताया था कि जब मैं अकबर का बल बीरबल की शूटिंग कर रही थी तो उन्हें मुझे पर चीटिंग करने का शक भी हुआ था। उन्होंने मेरे को-स्टार्स को मुझसे दूर रहने के लिए मैसेज भी किए। इससे मुझे काम करना मुश्किल हो गया था।

ऋषभ शेट्टी से मिले रजनीकांत

कांतारा फिल्म की सफलता का जश्न मनाने के लिए फिल्म निमार्ता-अभिनेता ऋषभ शेट्टी ने सुपरस्टार रजनीकांत से मुलाकात की। शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' को जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। 'कांतारा' तटीय कर्नाटक में स्थापित है और भूमि की राजनीति और मनुष्य बनाम प्रकृति के मुद्दे से संबंधित है। रजनीकांत ने फिल्म और मुख्य अभिनेता ऋषभ की प्रशंसा करते हुए कहा, "अज्ञात, ज्ञात से अधिक है।' "सिनेमा में इसे होमबले फिल्मों से बेहतर कोई नहीं कह सकता था," और कहा, "ऋषभ, एक लेखक, निर्देशक और अभिनेता के रूप में आपको सलाम है"। हाल ही में, होम्बले फिल्मों ने सोशल मीडिया पर ऋषभ शेट्टी और रजनीकांत की तस्वीरों का एक समूह साझा किया। एक तस्वीर एक हजार शब्दों से अधिक जोर से बोलती है और यह 'मास्टर और उनके प्रशिक्षु' के लिए एक खुशी का क्षण था और यही होम्बले ने उनके लिए लिखा था। कैप्शन में, उन्होंने 'मास्टर एंड हिज अपरेंटिस' लिखा है जो एक व्यावहारिक बातचीत में लगे हुए हैं।

मालदीव में नारंगी स्विमसूट में रॉक कर रही रकुल प्रीत

अपने सोशल मीडिया पर, अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने मालदीव में अपने वेकेशन से एक सुपर हॉट फोटो शेयर की। उन्हें एक नारंगी रंग के स्विमसूट में रॉक करते हुए देखा जा सकता है। समुद्र तट पर बैठी रकुलप्रीत ने बालों का बन बनाया हुआ हैं। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, " हैशटैग-थैंकगॉड फॉर ए हॉलिडे"। एक पायलट, रोबोटिक्स इंजीनियर, शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका से सभी को प्रभावित करने के बाद, रकुल को 'थैंक गॉड' में अपने काम के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र ने यह भी खुलासा किया कि पिछले 8 से 10 महीनों में रकुल की यह पहली छुट्टी है क्योंकि वह लगातार अपनी फिल्मों और ब्रांडों की शूटिंग, प्रचार और काम कर रही हैं। इसलिए, इस बार उन्होंने अपने लिए 4 दिन की छुट्टी के लिए समय निकाला है।

'द जर्नी ऑफ इंडिया' में भारतीय सिनेमा के अतीत से परिचित कराएंगी बालीवुड अभिनेत्री काजोल

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल हाइब्रिड शो 'द जर्नी ऑफ इंडिया' के आगामी एपिसोड में दर्शकों को भारतीय सिनेमा के अतीत से परिचित कराएंगी। भारतीय सिनेमा के गौरवशाली अतीत की यह यात्रा अगल-अलग कालखंडों में विभाजित दौर से गुजरते हुए आगे बढ़ेगी तो निश्चित ही दर्शक लाभान्वित होंगे। भारतीय सिनेमा का इतिहास एक सदी से भी अधिक पुराना है-1913 में दादासाहेब फाल्के की 'राजा हरिश्चंद्र' से आलम आरा' के सफर को देखना-समझना और उसके बरअक्स आज के काम का मूल्यांकन करना एक मजेदार अनुभव बनने वाला है। आगामी एपिसोड के बारे में बात करते हुए काजोल ने कहा, यह कोई रहस्य नहीं है कि सिनेमा मेरा पहला प्यार है। फिल्में एक कला रूप से अधिक हैं। यह भावना का एक रूप है-नवाचार के साथ जुनून व्यक्त करने का एक तरीका, विभिन्न क्षेत्रों में दर्शकों को एकजुट करने के लिए प्रेरित करना।

मैं एक ऐसी परियोजना का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं जो फिल्मों की विरासत और संस्कृति को आकार देने में उनकी भूमिका का जश्न मनाती है। मुझे 'द जर्नी ऑफ इंडिया' का हिस्सा बनाने के लिए वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत का फिल्म उद्योग इस समय दुनिया में हर साल 2,000 से अधिक फिल्में बनाने वाला सबसे बड़ा उद्योग है। भारतीय फिल्में दुनिया भर में विभिन्न संस्कृतियों के लोगों द्वारा देखी जाती हैं। यह दुनिया की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रेरणा है। भारतीय सिनेमा की विरासत पर सीरीज की नवीनतम कड़ी का प्रीमियर 31 अक्टूबर को डिस्कवरी प्लस और डिस्कवरी के भारत में चैनलों के नेटवर्क पर 12 भाषाओं में प्रसारित होगा।

बिग बी अमिताभ बच्चन ने किया रैंप वॉक

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने 'कौन बनेगा करोड़पति 14' की प्रतियोगी और पूर्व मिस ओडिशा की पहली उपविजेता पूजा त्रिपाठी के अनुरोध पर रैंप वॉक किया। उसने इसे शेर की सैर कहा, न कि कैटवॉक क्योंकि वह मेजबान के साथ इसे और अधिक सुंदर बनाना चाहती थी। शो के दौरान पूजा ने अपने माता-पिता द्वारा उनकी शिक्षा में किए गए प्रयासों के बारे में भी बताया। पूजा अपने पिता को उनके सपनों को पूरा करने के लिए उनकी कड़ी मेहनत की थी, इसीलिए पूजा ने पापा को 3,20,000 रुपये का चेक भी सौंपा। पूजा ने कहा, "केबीसी के बारे में सब कुछ इतना वास्तविक था। यह अभी भी एक सपने जैसा लगता है। जब मैं शो में अपने पलों को याद करती हूं तो मुझे खुशी होती है। यह तथ्य कि मैं अपने पिता को अपना चेक देने और श्रीमान के साथ चलने में सक्षम थी। बच्चन मेरी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियां रही हैं जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी।"

सूडोकु नवताल- 6239

★★★★☆ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6238 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6986

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	प	गो
न	का	क	म	इं	डो	ने	ग	ति	मा	ला
अ	दा	र	ला	मा	ग	अं	द	ह	प	का
जी	ग	ल	का	जा	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	रु	का	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'कार' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रकार, गोलाकार, अनाकार, जानकार, एकाधिकार, नकार, अंधकार, अलंकार, असहकार, कमलाकार

शब्दजाल - 6985 का हल

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	व	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि
आ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द
सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5939

	7	3	4		6	1
1	37		29	2	29	
6		5			4	
	38	4	29		29	
		1		7	2	3
7	33	2	32		37	
3			4	1	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5938 का हल

2	3	1	4	6	7	5
7	30	2	25	2	34	4
4	5	6	3	1	7	2
6	34	3	35	5	33	6
1	2	7	6	4	5	3
5	32	5	42	3	32	7
3	5	4	6	7	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

फीफा वर्ल्ड कप से 20 दिन पहले डिफेंडिंग चैंपियंस फ्रांस को बड़ा झटका, पॉल पोग्बा मिडफील्डर हुआ बाहर

लंदन ।

फीफा वर्ल्ड कप में अब बस 20 दिनों का वक्त रह गया है। इससे पहले डिफेंडिंग चैंपियंस फ्रांस को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार मिडफील्डर पॉल पोग्बा चोट की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। पोग्बा 2018 में वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली फ्रांस की टीम का हिस्सा थे। पोग्बा के एजेंट राफेला पिमेन्टा ने उनके चोटिल होने और वर्ल्ड कप से बाहर होने की पुष्टि की। राफेला ने कहा- पोग्बा फ्रांस के टाइटल डिफेंड करने को मिस करेंगे क्योंकि उन्हें रिकवरी के लिए थोड़ा और वक्त चाहिए। टोरिनो और पीट्सबर्ग में हुए मेडिकल रिव्यू के बाद पता चला कि उन्हें रिकवरी में अभी समय लगेगा। इस वजह से वह युवेंतस क्लब और नेशनल टीम को कतर में भी नहीं जॉइन कर सकेंगे। इस साल फीफा वर्ल्ड कप कतर में खेला जा रहा है। किसी अरब देश में पहली बार इस टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है। इससे पहले युवेंतस के कोच एलेग्री ने भी कहा था कि अब शायद ही उन्हें लगता है कि फीफा वर्ल्ड कप के लिए सीरी-ए के ब्रेक से पहले 29 साल के मिडफील्डर पोग्बा किसी मैच में दिखेंगे। वहीं, इटैलियन मीडिया ने सोमवार को पहले खबर दी थी कि पोग्बा जांघ में चोट के कारण लगभग 15 दिनों के लिए बाहर हो सकते हैं। पोग्बा ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को छोड़कर युवेंतस के लिए साइन करने के बाद से इटैलियन क्लब के लिए के लिए एक भी मैच नहीं खेला है। जुलाई में उनके दाहिने घुटने में चोट लगी थी। पहले पोग्बा ने फीफा वर्ल्ड कप खेलने के लिए सर्जरी नहीं कराने का फैसला लिया था। हालांकि पिछले महीने की शुरुआत में प्रशिक्षण पर लौटने के बाद पोग्बा ने अपना विचार बदल दिया और सर्जरी का विकल्प चुना, जिसने उन्हें दो सप्ताह तक बेड पर रखा। इसको बाद उन्होंने युवेंतस के साथ आंशिक प्रशिक्षण शुरू किया। विश्व कप से चूकना पोग्बा के लिए बेहद निराशाजनक है, क्योंकि पिछले एक साल से वह काफी परेशानियों से जूझ रहे हैं। हाल ही में उनसे ब्लैकमेल भी किया गया था। पॉल पोग्बा को उनके 32 वर्षीय भाई माथियास पोग्बा और उनके चार अन्य करीबी लोगों पर झूठा आरोप लगाने के बाद ब्लैकमेल भी किया गया था। इसके बाद पॉल पोग्बा ने शिकायत भी दर्ज की थी, जिसमें कहा गया था कि उन्हें 13 मिलियन यूरो (.12.6 मिलियन) के लिए ब्लैकमेल किया जा रहा था। पॉल पोग्बा ने जांचकर्ताओं को बताया कि उनके ब्लैकमेलर यह दावा करके उन्हें बदनाम करना चाहते थे कि उन्होंने एक मैराबाउट (पवित्र व्यक्ति) से पेरिस सेंट-जर्मेन और फ्रांस के स्टार कीलियन एम्बाप्पे पर जादू करने के लिए कहा।

न्यूज ब्रीफ

भारत में भी चढ़ा वर्ल्ड कप का फीवर, केरल में नदी के बीच में लगाया मेसी का कटआउट

कोझिकोड । कतर में 20 नवंबर से फुटबॉल वर्ल्ड कप शुरू होने वाला है। फैंस को इस टूर्नामेंट का इंतजार चार साल तक रहता है। भारत में भी वर्ल्ड कप का क्रेज देखने को मिलता है। केरल के कोझीकोड जिले के पुलावूर गांव में फैंस का अलग ही अंदाज देखने को मिला। उन्होंने अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी का कट आउट नदी के बीच में लगाया है। मेसी का यह संभवत: आखिरी वर्ल्ड कप होगा। फैंस उन्हें ट्रॉफी उठाते हुए देखना चाहते हैं। केरल का यह इलाका राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के लिए भी प्रसिद्ध है, लेकिन अभी लियोनेल मेसी के कारण चर्चा में है। प्रशंसकों ने मेसी के 30 फीट लंबे कटआउट को पहले शहर में घुमाया और फिर कदावू नदी के बीच में उसे खड़ा कर दिया। इसके वहां वीडियो बनाने और सेल्फी लेने वालों की लाइन लग गई। फैंस को यह विश्वास है कि मेसी इस बार अर्जेंटीना के 36 साल के इंतजार को खत्म कर देंगे। 1986 में दिग्गज डिएगो माराडोना ने अर्जेंटीना को चैंपियन बनाया था। मैक्सिको में खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना ने वेस्ट जर्मनी को 3-2 से चैंपियन बनाया था। मेसी की टीम अर्जेंटीना इस बार ग्रुप-सी में है। उसके साथ सउदी अरब, मैक्सिको और पोलैंड की टीम है। मेसी के साथ उनके ग्रुप में मौजूदा समय के बेहतरीन स्ट्राइकर में से एक रॉबर्ट लेवानडॉस्की (पोलैंड) भी दिखाई देंगे। दोनों के बीच मुकाबला काफी रोचक होगा। अर्जेंटीना की टीम पिछली बार 2018 वर्ल्ड कप में प्री-क्वार्टरफाइनल तक पहुंच पाई थी। उसे रोमांचक मैच में फ्रांस ने हरा दिया था।

केएल राहुल को फिर मिलेगा मौका: कोच राहुल द्रविड़ ने ओपनर पर पूरा भरोसा जताया

नई दिल्ली । टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल बीते दिनों से फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। यह साफ झलक रहा है कि वे वर्ल्ड कप में अभी तक फ्लॉप रहे हैं। इससे राहुल और टीम मैनेजमेंट को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। फैंस ऋषभ पंत को राहुल की जगह लाने की भी बात कर रहे हैं। इस बीच राहुल द्रविड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ओपनर केएल राहुल पर भरोसा जताया और उनका बचाव किया। उन्होंने कहा कि राहुल आगे भी खेलेंगे। द्रविड़ ने केएल राहुल पर बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि राहुल एक शानदार प्लेयर हैं। उनका ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा रहा है। मेरी राय में वे शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। यह चीजें टी-20 क्रिकेट में आम हैं। बल्लेबाजों के लिए ओपनिंग करना चुनौतीपूर्ण होता है। यह आसान नहीं। आगे उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट सभी टीमों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। हम राहुल की क्षमता को जानते हैं और यह प्रैक्टिस मैच के दौरान देख चुके हैं। वह एक ऑल राउंड प्लेयर हैं और ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों को अच्छे से जानते हैं। उम्मीद है की वे आने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। राहुल के साथ रिलेशन पर द्रविड़ ने कहा कि हम अक्सर खिलाड़ियों से बातचीत करते रहते हैं। पिछले साल में हमारे रिलेशन बेहतर हुए हैं और राहुल जानते हैं कि टीम उन्हें सपोर्ट करती है। टीम मैनेजमेंट और प्लेयर्स के बीच क्लैरिटी है।

तीसरा मैच जीत सेमिफाइनल में जगह पक्की कर सकती है इंडियन आयल

जालंधर। सुरजीत हाकी टूर्नामेंट में मंगलवार को अगर इंडियन आयल टीम तीसरा मैच जीत जाती है तो वह सेमिफाइनल में प्रवेश कर लेगी। इंडियन आयल टीम लगातार दो मैच जीत चुकी है। टीम के खिलाड़ी सेमिफाइनल में पहुंचने के लिए शानदार खेल का प्रदर्शन करेंगे। इंडियन आयल की भिड़ंत भारतीय रेलवे टीम के साथ होगी। वहीं भारतीय रेलवे भी अपना शानदार प्रदर्शन करना चाहेगी। फिलहाल इंडियन आयल सेमिफाइनल में पहुंचती है या नहीं, यह आने वाले समय बताएगा। मंगलवार को दूसरा मैच पंजाब नेशनल बैंक बनाम एएससी टीम के बीच होगा। आर्मी इलेवन दिल्ली ने एएससी बेंगलुरू को 4-2 गोल के अंतर से हराकर मैच जीत लिया। एएससी बेंगलुरू के खिलाड़ी गौथम ने 12वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। आर्मी इलेवन के सुभाष ने 13वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। एएससी के गौथम ने 26वें मिनट में मैदानी गोल करके स्कोर 2-1 पहुंचा दिया। आर्मी इलेवन के सुभाष संघा ने मैदानी गोल करके स्कोर 2-2 बराबर कर दिया। आर्मी इलेवन के खिलाड़ी प्रताप ने 39वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 3-2 से बढ़त हासिल कर ली।

श्रीलंका की अफगानिस्तान पर आसान जीत

धनंजय की फिफ्टी, टीम ग्रुप-1 में तीसरे नंबर पहुंची, सेमीफाइनल की दौड़ में बरकरार

नई दिल्ली ।

श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराकर मैच जीत लिया है। श्रीलंका की यह दूसरी जीत है। 145 का टारगेट चेज कर रही श्रीलंका ने 18.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर लिया। इससे पहले अफगानिस्तान ने 8 विकेट खोकर 144 रन बनाए थे। इस जीत के साथ ही श्रीलंका के 4 मैचों में 4 पॉइंट हो गए हैं और वह पॉइंट टेबल में तीसरे नंबर पर बरकरार है। श्रीलंका के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद अभी बाकी है। हालांकि उसकी उम्मीदें न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के होने वाले मैच पर भी टिकी हुई है। अगर न्यूजीलैंड जीत लेता है, तो इसका फायदा श्रीलंका को मिलेगा। वहीं इंग्लैंड के जीतने पर उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए नेट रनरेट पर निर्भर होना पड़ेगा। साथ ही ऑस्ट्रेलिया के साथ अपना मैच हर हाल में जीतना होगा।

श्रीलंका को शुरुआती झटके के बाद मिली मजबूत शुरुआत - श्रीलंका का पहला विकेट दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर ही गिर गया था। पावर प्ले खत्म होने के बाद श्रीलंका का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 28 रन था। लेकिन उसके बाद धनंजय डी सिल्वा और चरित असलंका ने तीसरे विकेट के लिए 34 गेंदों पर 54 रनों की साझेदारी कर पारी को संभाला और पारी को 46 रन से 100 रन तक पहुंचा कर मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया।

शुरुआती झटके देने के बाद भी अफगानिस्तान गेंदबाज बेबस - अफगानिस्तानी गेंदबाज शुरुआती बढ़त लेने के बाद श्रीलंकाई बल्लेबाजों के सामने असहाय नजर आए। मुजीब उर रहमान ने दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर पंथुम निसांका का विकेट 12 रन पर लेकर अफगानिस्तान को पहला विकेट दिलाया। उसके बाद आठवें ओवर की 5वीं गेंद पर राशिद खान ने कुसल मेंडिस का विकेट लेकर श्रीलंका को दूसरा झटका दिया। लेकिन उसके बाद चरित असलंका और धनंजय डी सिल्वा ने शानदार पार्टनशिप की। असलंका 100 रन के स्कोर पर आउट हुए, तब तक श्रीलंका मजबूत स्थिति में पहुंच चुका था।

अफगानिस्तान और श्रीलंका ने प्लेइंग इलेवन में किए एक-एक बदलाव - अफगानिस्तानी टीम में चोटिल अजमतुल्लाह ओमारजई की जगह गुलबदीन नायब को शामिल किया गया है। वहीं श्रीलंकाई टीम ने भी एक बदलाव किया है। चमिका करूणारत्ने की जगह प्रमोद मदुशन को जगह दी गई है। मुजीब उर रहमान ने दसरे ओवर की आखिरी गेंद को गुड लेंथ फेंकी, जिसे पथुम निसांका समझ नहीं पाए और गेंद ऑफ स्टंप लगी। निसांका ने 10 गेंदों पर 10 रन बनाए और 2 चौके भी जड़े। राशिद खान की फुलर लेंथ बॉल को कुसल मेंडिस ने स्वीप करने की कोशिश की। लेकिन बॉल बल्ले के टॉप एज पर लगी और विकेटकीपर गुरबाज ने आसान सा कैच पकड़ लिया। मेंडिस ने 27 बॉल पर 25 रन जड़े। उन्होंने 2 चौके और एक छक्का लगाया। राशिद की फुलर लेंथ बॉल को चरिथ असालंका लॉन्ग ऑन के ऊपर से मारने गए। लेकिन टाइमिंग ठीक नहीं होने से बॉल बाउंड्री के अंदर ही रही। वहां खड़े फील्डर ने 2-3 कदम पीछे जाकर कैच पकड़ लिया। चरिथ ने एक चौके की मदद से 18 बॉल पर 19 रन बनाए। लाहिरु कुमार ने 7वें ओवर की पहली गेंद गुड लेंथ फेंकी, जिसे गुरबाज सीधे गेंदबाज के सिर से ऊपर निकालना चाह रहे थे, पर वह गेंद को समझ नहीं पाए और गेंद बैट और पैड के गैप से होती हुई मिडिल स्टंप पर जा लगी। वह 24 गेंदों पर 28 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वानिंदु हसरंगा ने 11वें ओवर की दूसरी बॉल ऑफ लेंथ फेंकी, जिसे गनी ने बैकफुट पर जाकर पुल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे डीप मिडविकेट पर खड़े फील्डर दासुन शनाका के हाथों में पहुंची। गनी ने 27 गेंदों पर 27 रन बनाए। 13वें ओवर की दूसरी गेंद लाहिरु कुमार ने 135 की रफ्तार से लेंथ गेंद फेंकी, इसे जदरान ने मिड ऑफ की ओर खेल दिया। गेंद सही से बल्ले पर नहीं आई और सीधे मिड ऑफ पर खड़े फील्डर भानुका राजपक्षे के हाथों में चली गई। इब्राहिम जदरान ने 18 गेंदों पर 22 रन बनाए और 1 चौका और 1 छक्का भी जड़ा। धनंजय ने गेंद फेंकी और नजीबुल्लाह ने क्लियर लॉन्ग ऑफ की तरफ इसे खेलना चाहा लेकिन चूक गए। डीप मिड विकेट पर खड़े हसरंगा के हाथों में ये आसान कैच आ गया। नजीबुल्लाह ने 16 गेंदों पर 18 रन बनाए और 1 चौका जमाया।

उधार के जूतों से प्रैक्टिस करते थे कुलदीप सेन

टीम इंडिया में चुने गए...अब न्यूजीलैंड दौरे में गेंदबाजी करेंगे

रीवा।

रीवा के तेज गेंदबाज कुलदीप सेन अब न्यूजीलैंड की फास्ट पिचों पर गेंदबाजी करते नजर आएंगे। लेकिन, इस बार वे नेट बॉलर नहीं, बल्कि स्ट्रीम बॉलर होंगे। कुलदीप को न्यूजीलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में चुना गया है। ये वही युवा तेज गेंदबाज है, जिसने पिछले आईपीएल में अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए लखनऊ सुपर जाएंट के खिलाफ आखिरी ओवर में 14 रन बनाए थे।

कुलदीप आज भले ही टीम इंडिया के राइजिंग स्टार बन हैं। लेकिन, उनका शुरुआती करियर संघर्षभरा रहा है। उनके पिता रामपाल आज भी रीवा के सिरमौर चौराहे पर फाइन हेयर कटिंग नाम का सैलून चलाते हैं। बेटे के सिलेक्शन पर कुलदीप के पिता ने कहा- बढ़िया है कि बेटा टीम इंडिया में चुन लिया गया। फ्री में दी कोचिंग कुलदीप के संघर्ष पर एंथोनी ने कहा- उसने बहुत संघर्ष किया है। एक समय उसके पास प्रैक्टिस के लिए जूते तक नहीं होते थे। मुझे अच्छे से याद है कि 2014 के न्यूजीलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में चुने गए ईश्वर पांडेय ने पहली बार अपने स्पाइक्स दिए थे। जिनसे कुलदीप अभ्यास करता था। वह गरीब घर से था। खेल के प्रति उसकी लगन और मेहनत को देखते हुए मैंने तय किया था कि कभी एक चवन्नी नहीं लूंगा। उसे झारखंड से रणजी खेलने वाले आनंद सिंह का भी भरपूर सहयोग मिला।

न्यूजीलैंड की चुनौती के लिए तैयार है सेन

केन विलियम्सन जैसे बल्लेबाजों की चुनौती पर वे कहते हैं कि उसकी चिंता नहीं है, क्योंकि उसने आईपीएल में दुनिया के दिग्गज बल्लेबाजों को गेंदबाजी की है। इतना ही नहीं, मलिंगा ने उसे कोचिंग दी है। ऐसे में वह वहां के लिए पूरी तरह तैयार है। वे कहते हैं कुलदीप ने इस मौके के लिए बहुत मेहनत की है। उसे उस मेहनत का फल भी मिलेगा, क्योंकि, न्यूजीलैंड में पिच तेज होती हैं, जो कुलदीप के लिए मददगार साबित होंगी।

पुणे हाफ मैराथन के लिए प्राइज मनी की घोषणा तीसरे संस्करण के लिए मिलेंगे 27.57 लाख रुपये

नई दिल्ली ।

बजाज आलियांज पुणे हाफ मैराथन (बीएपीएचएम) अपने तीसरे संस्करण के साथ एक शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। इसकी शुरुआत 27 नवंबर को होने जा रही है। इसके लिए पंजीकरण पूरे जोरों पर शुरू हो गए हैं। इस साल इस आयोजन ने लगभग 28 लाख रुपये की पुरस्कार राशि की भी घोषणा की है, जो दूसरे संस्करण से लगभग सात लाख रुपये (21 लाख रुपये) अधिक है। भारतीय धावकों को बढ़ावा देता है और इसलिए सभी पुरस्कार राशि केवल भारतीय नागरिकों के लिए आरक्षित हैं।

दो साल के लंबे अंतराल के बाद पुणे की लंबी दूरी की दौड़ धमाकेदार वापसी करने को तैयार है। दौड़ में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए हाफ मैराथन श्रेणी में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के लिए 10 लाख रुपये का इनाम भी रखा गया है। मुख्य रूप से चार श्रेणियां हैं, जिनमें हाफ मैराथन (21.1 किमी), 10 किमी दौड़, पांच किमी दौड़ और तीन किमी (पारिवारिक और मनोरंजक) दौड़ शामिल हैं। बीएपीएचएम के तीसरे संस्करण की आधिकारिक घोषणा पर अपने विचार साझा करते हुए, एपीजी रनिंग और फिटपेज के सीईओ श्री विकास सिंह ने कहा- हमें सबसे शानदार और बहु-प्रतीक्षित बीएपीएचएम की वापसी की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हम अपने प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों और दर्शकों से वादा करते हैं कि उनके दो साल के इंतजार को इस साल सर्वश्रेष्ठ अनुभव के साथ सार्थक बनाया जाएगा। इसके अलावा पहली बार हम फिटपेज ऐप पेश कर रहे हैं, जो बीएपीएचएम के प्रतिभागियों के लिए है। यह सुनिश्चित करेगा कि प्रतिभागी अपने वर्तमान फिटनेस स्तर को बेहतर ढंग से समझें और प्रत्येक व्यक्ति के लिए सबसे उपयुक्त तरीकों का उपयोग करके प्रशिक्षण शुरू करें। हमें विश्वास है कि तीसरा बीएपीएचएम सफल साबित होगा।

पहले संस्करण में 15,000 से अधिक पंजीकरण हुए और 2019 में हुए दूसरे संस्करण में 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। ओलंपिक पदक विजेता डॉ. जैक डेनियल और प्रसिद्ध अमेरिकी दूरी के धावक रयान हॉल पहले संस्करण में जुड़े थे। 2011 के बोस्टन हाफ मैराथन चैंपियन केन्याई जेनेट चेरोबोन-बावकॉम दूसरे संस्करण में ब्रांड एंबेसडर थे।

भारतीय टीम को ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलना होगा: हरमनप्रीत सिंह

भुवनेश्वर।

भारतीय हाकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने यहां एफआइएच पुरुष प्रो लीग में निचली रैंकिंग की स्पेन से मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम को ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलकर अच्छे नतीजे हासिल करने होंगे। भारत को रविवार को यहां स्पेन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा जो मौजूदा चरण में उसकी पहली हार है। इसके बाद पेनाल्टी कार्नर से मिले मौकों का फायदा उठाने को लेकर फिर चर्चा शुरू हो गई। भारत ने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में न्यूजीलैंड पर 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की थी। दुनिया की पांचवें नंबर की भारतीय टीम ने आठवीं रैंकिंग की स्पेन के खिलाफ पांच पेनाल्टी कार्नर हासिल किए, लेकिन टीम एक को ही गोल में बदल पाई जो हरमनप्रीत ने 27वें मिनट में किया।

हरमनप्रीत ने कहा, हम काफी मौके बना रहे थे। हमें काफी पेनाल्टी कार्नर भी मिले। हम विभिन्न संयोजन और विविधताओं की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कभी कभार ये काम नहीं करते। हमें अगले हफ्ते दो और मैच खेलने हैं, इसलिए उम्मीद करते हैं कि हम ज्यादा से ज्यादा मौकों को गोल में बदलने की कोशिश करेंगे। टीम के लिए एक मैदानी गोल अभिषेक ने 55वें मिनट में किया।

भारतीय टीम अब रिवर्स चरण के मुकाबलों में चार नवंबर को न्यूजीलैंड और छह नवंबर को स्पेन से भिड़ेगी। हरमनप्रीत ने कहा, हम पूरे दबदबे से खेलने की कोशिश करते हैं। इसलिए हम ज्यादा मौके बना सकते हैं। हम काफी पास दे पा रहे थे और प्रतिद्वंद्वी के सर्कल में प्रवेश कर रहे थे, लेकिन हम अपनी फिनिशिंग में सुधार कर सकते हैं।

रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप प्रयागराज में शुरू, 14 रेलवे जोन के 94 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

प्रयागराज।

68 वीं अखिल भारतीय रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप मंगलवार से प्रयागराज में शुरू हो गई है। सुबह साढ़े 9 बजे उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के महाप्रबंधक प्रमोद कुमार ने टेबल पर शाट लगाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इससे पहले महाप्रबंधक ने चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे 14 रेलवे जोन के 94 खिलाड़ी से परिचय प्राप्त किया। प्रतियोगिता में 14 रेलवे जोन के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

पहली बार एनसीआर बना है प्रतियोगिता का मेजबान : उद्घाटन अवसर पर एनसीआर के जीएम प्रमोद कुमार ने कहा कि यह गौरवशाली क्षण है। पहली बार उत्तर मध्य रेलवे अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता का मेजबान बना है। खिलाड़ी पूरे जीवन सीख देते हैं, लड़ने जीतने और रणनीति बनाने की कला सिखाते हैं। सभी खेल भावना के साथ खेले। कुछ कमियां जरूर होंगी लेकिन खिलाड़ी के लिए हर कमी और अधिक मेहनत व जज्बे का लक्ष्य निर्धारित कर दी है। अगर जीवन में कठिनाइयां ना हो तो जीवन का आनंद ही नहीं आता उसी तरह खिलाड़ी के समक्ष अगर कठिनाई न हो तो जीतने का मजा नहीं आता। हर खिलाड़ी यहां से अच्छी यादें लेकर जाए इसके लिए सभी को बहुत सारी बधाई और शुभकामनाएं।

किन जोन की टीमें प्रतियोगिता में हैं शामिल : चैंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे, दक्षिण रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, उत्तर सीमांत रेलवे, सीएलडब्ल्यू चितरंजन, मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, पूर्व तटीय रेलवे, मेट्रो रेलवे, आइसीएफ चेन्नई के खिलाड़ी शामिल हैं। इसमें सात जोन की 29 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। टेबल टेनिस में इंडिया टाप टेन रैंकिंग वाले कई खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं। सभी मैच रेलवे स्टेडियम के बैडमिंटन हाल में खेले जा रहे हैं। जिस जोन में टेबल टेनिस टीम नहीं है, वहां व्यक्तिगत स्पर्धा में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चैंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे के पांच टेबल टेनिस खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे।

5 नवंबर को होगा प्रतियोगिता का समापन : 1 नवंबर से शुरू हुई एंड सैलरी अखिल भारतीय रेलवे टेबल टेनिस चैंपियनशिप का समापन 5 नवंबर को होगा। अगले 4 दिनों तक रेल गांव सूबेदारगंज में दिग्गज खिलाड़ियों के बीच मुकाबला जारी रहेगा। खिलाड़ी ट्रैक मशीन ट्रेनिंग सेंटर सूबेदारगंज के छात्रावास में ठहराए गए हैं।

एनसीआर के सीपीआरओ बोले : उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया पिछले काफी समय से खेल प्रतियोगिताएं जोन में बंद थी। कोरोना के बाद से कोई आयोजन नहीं हो पा रहे थे। ऐसे में उत्तर मध्य रेलवे द्वारा पहली बार अखिल भारतीय स्तर पर टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देशभर से रेलवे के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

अकेलेपन से हो सकती हैं दिल की बीमारियां

हम में से कई लोग कई बार अकेलापन महसूस करते हैं। लेकिन लंबे समय तक अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारियों और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के एक दल ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि अकेलापन और सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से दिल की बीमारी का खतरा 29 फीसदी और स्ट्रोक का खतरा 32 फीसदी बढ़ जाता है।

बिना डॉक्टर से पूछें न लें खांसी सिरप

खांसी होने पर सामान्यत हम कैमिस्ट से कफ सिरप ले आते हैं। लेकिन इनका प्रयोग विशेषज्ञ की सलाहानुसार ही किया जाना चाहिए क्योंकि यह अलग-अलग कारणों से विभिन्न प्रकार की हो सकती है। एंटीबायोटिक बैक्टीरिया के संक्रमण से खांसी होने पर इसे एंटीबायोटिक से नियंत्रित किया जाता है। एंटी-हिस्टामाइन्स एलर्जी, खाने की दवा के रिएक्शन से खांसी होने पर एंटी-हिस्टामाइन्स कारगर मानी जाती है।

पहचानने की क्षमता को प्रभावित करती है अनिद्रा

एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि पर्याप्त नींद नहीं लेने से चेहरा पहचानने की सटीकता पर असर पड़ सकता है। कम सोने से अधिकारियों द्वारा किया जाने वाला पासपोर्ट मिलान का महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो सकता है। उदाहरण के लिए सीसीटीवी की तस्वीर से पुलिस रिकॉर्ड से पहचान करने की या पासपोर्ट फोटो से यात्री की शक्ल मिलाने की जरूरत पड़ती है। कम नींद लेने की वजह से ये फैसले प्रभावित हो सकते हैं।

हेल्थ फेक्ट

व्यायाम से बदल सकते हैं डीएनए...

जब आलसी लोग कुछ मिनट के लिए व्यायाम करते हैं, तब उनके डीएनए पर तत्काल परिवर्तन होता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन के अनुसार, यह व्यायाम करने वाले को मजबूत बना सकता है। व्यायाम से आदमी की मांसपेशियों का आनुवांशिक कोड बदलता नहीं है लेकिन इन मांसपेशियों के डीएनए अणुओं में कई तरह से संरचनात्मक बदलाव आते हैं। व्यायाम से डीएनए के विशिष्ट स्थानों पर पहले की घटनाओं के आधार पर मांसपेशियों की आनुवांशिक संरचना में यह बदलाव दिखता है जो ताकत बढ़ाता है और अंततः मेटाबॉलिज्म को फायदा होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, हमारी मांसपेशियों में बहुत टाक्सिन है।

यह अक्सर कहा जाता है कि आप जो खाते हैं वैसे बनते हैं। इसी तरह, आप जो करते हैं उसी हिसाब से मांसपेशियां भी बदलती हैं। यदि आप इनको निष्क्रिय बनाए रखेगें तो इससे इसकी ताकत कम होती है और यह एक रास्ता है जिससे यह होने की अनुमति देता है। डीएनए में बदलाव का यह प्रश्न एपीजेनेटिक (वंशानुगत) संशोधन कहलाता है। यह पारिवारिक क्रम के अनुसार डीएनए के केमिकल अंकों के फायदे और नुकसान में शामिल होता है।

शोध के अनुसार

नया अध्ययन यह दर्शाया कि जो लोग पहले एक्सरसाइज करते थे उनकी हड्डियों और मांसपेशियों के डीनएनए के केमिकल अंकों की तुलना में तुरंत व्यायाम करने वाले लोगों के केमिकल अंक कम होते हैं। यह परिवर्तन उस प्रकार के डीएनए में अपना स्थान बनाता है जिसके फंक्शन कार्यशील हो जाते हैं और व्यायाम के समय मांसपेशियों के जीन्स में समायोजित होते हैं।

जब शोधकर्ताओं ने लैब में मांसपेशियों का विभिन्न डिशेज के साथ संपर्क किया, तब उन्होंने डीएनए मिथाइल समूह में समान रूप से नुकसान देखा। एपीजेनेटिक परिवर्तन जीन्स के लचीलेपन को बारी-बारी से बदलने की क्षमता रखता है। यह हमारी कोशिकाओं के डीनएनए को पर्यावरण के अनुरूप बनाता है। डॉक्टरों के अनुसार, व्यायाम दवा है, जो केवल हल्के सैर से जीनोम्स को स्वस्थ तरीके से बदलता है।

जानें फर्टिलिटी फूड्स के बारे में...

आजकल की खराब लाइफस्टाइल और बुरी आदतों की वजह से महिलाओं में फर्टिलिटी की समस्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है, जिससे कंसीव करने में बड़ी परेशानी होती है। लेकिन क्या कभी सोचा है कि अगर अपनी डाइट में कुछ ऐसे आहार शामिल कर लिये जाएं, जिससे फर्टिलिटी बढ़ जाए तो कितना अच्छा होगा। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे ही फर्टिलिटी फूड्स के बारे में, जिन्हें अपने डाइट में शामिल कर इस दिक्कत से छुटकारा पाया जा सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां, खासकर पालक प्रजनन अंगों को स्वस्थ रखते हैं। इसमें मौजूद आयरन, फॉलिक एसिड व एंटीऑक्सीडेंट्स काफी मददगार होते हैं। पालक में मिलने वाला फोलिक एसिड न सिर्फ प्रेंगनेंट होने में मदद करता है, बल्कि नवजात में होने वाली समस्याओं से भी बचाता है।

पीली व नारंगी सब्जियां

महिलाओं को अपने खाने में नारंगी व पीले रंग की सब्जियों को शामिल करना चाहिए। ये सब्जियां एंटी आक्सिडेंट व बीटा केरोटीन का अच्छा स्रोत है। बीटा केरोटीन महिलाओं में हार्मोन्स के असंतुलन को कम करता है, जिससे आपको कंसीव करने में मदद मिलती है। इसके अलावा गर्भपात की आशंका भी कम हो जाती है।

रेशेयुक्त भोजन

महिलाओं को अपने आहार में साबुत अनाज लेना चाहिए। ब्राउन राइस, गेहूं की ब्रेड, बींस और फ्लैक्स सीड को शामिल करना चाहिए। ये रेशेयुक्त आहार हैं, जो पचने में आसान होते हैं। अगर पाचन-क्रिया सही रहेगी, तो शरीर में कोई भी विषैला तत्व नहीं रहेगा।

पीएं ज्यादा पानी

यह तो सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि ज्यादा पानी पीने से कंसीव करने भी मदद मिलती है। प्रजनन अंग ठीक से काम करते हैं। प्राकृतिक तरल पदार्थ आसानी से स्पर्म सर्विक्स तक पहुंचते हैं।

गाजर खाएं

गर्भवती होने के लिए जरुरी है कि महिलाओं के मासिक धर्म नियमित हो। इसके लिए गाजर, मटर, स्वीकट पटैटो आदि का सेवन करें, इससे मासिक धर्म नियमित रहेगा। साथ ही आप जल्द ही कंसीव कर सकेंगी।

विटामिन-सी

विटामिन-सी वाले आहार, जैसे- संतरा, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी व किवी फ्रूट का नियमित सेवन करने से महिलाओं को कंसीव करने में मदद मिलती है।

दूध से बने इटेब्ल्स लें

दूध से बने खाद्य सामान महिलाओं में प्रजनन क्षमता को बढ़ाते हैं। इसलिए महिलाओं को दूध, दही खाना चाहिए। इसके अलावा मछली में मिलने वाला एमीनो एसिड भी फर्टिलिटी बढ़ाता है। आप इसे भी अपने खाने में शामिल कर सकती हैं।

मछली में ओमेगा-3

मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड, डीएचए, इपीए, विटामिन-डी और बी-12 नामक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। ये शरीर में हार्मोन्स को संचालित करते हैं। मछली न सिर्फ फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद है, बल्कि गर्भावस्था के दौरान भी शिशु के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि ओमेगा-3 एसिड युक्त डाइट के सेवन से पुरुष फर्टाइल होते हैं। इसलिए यह सभी के लिए फायदेमंद है।

बादाम खाएं

गर्भवती होने के लिए महिलाएं बादाम, अखरोट और अप्रीकॉट भी खा सकती हैं। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो कि शरीर के लिए काफी जरूरी है। ताजा और ऑर्गेनिक फल आपको प्रेगनेंट होने में मदद करता है। ऐसे फल, जो पैक या प्रिजर्व करके रखे जाते हैं, उनमें केमिकल मिला होता है। इसलिए इसे खाने से बचना चाहिए।

डाइ इनडोलीमिथेन

बंदगोभी, फूलगोभी, ब्रोकली, मोठ व स्प्राउट्स जैसी सब्जियों में डीआईएम यानी डाइ इनडोलीमिथेन नामक तत्व भरपूर मात्रा में होता है। यह फर्टिलिटी बढ़ाने में फायदेमंद होता है। शरीर में अतिरिक्त एस्ट्रोजेन को कम भी करता है। जिससे यूट्रीन फाइबरॉयड, ओवरी के सिस्ट और एंडोमीटोरॉयसिस जैसी समस्याएं नहीं होती हैं।

नट्स और बीन्स

नट्स और बीन्स में जरुरी फैटी एसिड, विटामिन्स, मिनिरल्स और भरपूर मात्रा में प्रोटीन होते हैं। इसके अलावा ये बेहतरीन एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करते हैं। इससे शरीर में रक्त का संचार ठीक होता है। प्रजनन-तंत्र को जरुरी तत्व मिलते हैं। इससे महिलाओं में भ्रूण का विकास तेजी से होता है। पुरुषों में स्पर्म की क्वॉलिटी भी सुधरती है।

अंडा है फायदेमंद

अंडे की पीली जर्दी फर्टिलिटी के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 एसिड, विटामिन-ए और ई, पानी में घुलने वाला विटामिन-बी, यानी कोलाइन भी होता है। इसके सेवन से गर्भ के भीतर शिशु का नर्व सिस्टम ठीक रहता है। ऐसे में अंडे का सेवन फर्टिलिटी बढ़ाने और हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए फायदेमंद है।

हेल्थ केयर

वजन घटाने में फायदेमंद हैं जापानी नुस्खे

वजन घटाने के लिए कोई जिम जाता है तो कोई डाइटिंग करता है। इसके बाद भी बहुत से लोगों का वजन कंट्रोल नहीं होता है। क्या आप जानते हैं कि जापानी लोग अपना वजन कैसे घटाते हैं, और इसकी प्रकिया किस तरह होती है, तो आपको जानकर आश्चर्य होगा वो वजन घटाने के जापानी नुस्खे काम में लेते हैं। इसे असा कहा जाता है।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि ये वजन कम करने का सांइटिफिक और अचूक उपाय है। जिसके नियमित इस्तेमाल से वजन कम होना तय है। जिस तरह हमारे यहां ज्यादातर लोग दिन की शुरुआत नींबू पानी या फिर चाय से करते हैं, उसी तरह जापान में लोग दिन की शुरुआत गुनगुने पानी और केले से करते हैं। विशेषज्ञों की मानें तो गुनगुना पानी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है।

मेटाबॉलिज्म दुरुस्त होने से फैट जल्दी बर्न होता है और वजन घटाने में मदद मिलती है, लेकिन इससे कमजोरी हो सकती है। ऐसे में केला खाना फायदेमंद होता है। केला खाने से एनर्जी मिलती है और पेट भी भरा हुआ महसूस होता है। इससे समय-समय पर कुछ खाने का मन नहीं करता। वजन कंट्रोल होने का ये एक बहुत बड़ा कारण है। आप सिर्फ सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी पिएं। उसके बाद आधे घंटे तक वॉक करें।

अब दो केले खाएं। इस उपाय को नियमित रूप से करें। इससे वजन तो कम होगा ही। साथ ही अन्य फायदे भी होंगे। इससे इंफेक्शन का खतरा कम होता है और कई बीमारियों से बचाव होता है। पेट से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं। बॉडी टॉक्सिन्स दूर हो जाते हैं, जिससे त्वचा पर निखार आता है। कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में मददगार है।

फ्लू से निजात दिलाएंगी यह नई वैक्सीन

इन दिनों फ्लू, वायरल बुखार,डेंगू और चिकनगुनिया की समस्या काफी फैली हुई है। ऐसा मौसम बदलने के कारण होता है क्योंकि मौसम के बदलने से तापमान में उतार-चढ़ाव आता रहता है और इसकी के वजह से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है। शरीर के कमजोर होने से यह फ्लू जैसी समस्याए हो जाती है। फ्लू एक संक्रामक बीमारी है। यह एक व्यक्ति से दूसरें में प्रवेश कर जाती है। आज हम आपको इसके इलाज के बारे में बताएंगे। फ्लू से बचने के लिए ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक नई वैक्सीन इलाज को शुरू किया है, जो संक्रामक विषाणुओं से रक्षा करेगा साथ ही भविष्य में फैलने वाले फ्लू को रोकने में मदद करेगा। इस वैक्सीन की एक खुराक से 88त्न फ्लू पर काबू पाया जा सकता है। दुनियाभर में फ्लू से निपटने के लिए वैश्विक टीके तैयार किए हैं, जिनमें से एक टीका 88 प्रतिशत फ्लू से निजात दिलाएगा। दूसरा टीका 95 प्रतिशत अमेरिकी इंफ्लूएंजा के लिए बनाया गया है। वैक्सीन की खोज को बहुत बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। ब्रिटेन के लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डेरेक गैदरर के मुताबिक वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित इलाज है। उन्होंने बताया है कि अगले साल तक इसे मार्किट में लाया जाएंगा।

चलने के बाद पैरों में दर्द बड़े खतरे की निशानी

आजकल जैसे-जैसे लोग जागरूक हो रहे हैं, टांगों में उभरने वाली नीले रंग की मकड़ीनुमा नसों को लेकर चिंता बढ़ रही है। जिस रफ्तार से हम लोग आरामतलब व विलासितापूर्ण जीवन शैली को अपना रहे हैं, उसी रफ्तार से हमारी टांगें वेरीकोस वेन्स की शिकार हो रही हैं। शुरूआती दिनों में हम लोग स्वभावत इनकी उपेक्षा करते हैं, पर जब तकलीफ ज्यादा बढ़ जाती है, तो इधर-उधर बगैर सोचे-समझे परामर्श लेना शुरू कर देते हैं। इस तरह के अधकचरे इलाज का परिणाम टांगों में कालिमा या लाइलाज घाव के रूप में निकलता है। सबसे ज्यादा इसके शिकार दुकानदार व महिलाएं होती हैं। नियमित चलने की आदत को जिसने अलविदा कहा और ज्यादा देर तक लगातार बैठने की आदत को जाने-अनजाने या मजबूरी में गले लगाया, उसकी टांगों में वेरीकोस वेन्स का देर-सवेर प्रकट होना नित है।

कैसे पहचानें?

अपनी टांगों व पैर का ध्यानपूर्वक अवलोकन कीजिए। अगर आपको केंचुआनुमा या मकड़ीनुमा उभरी हुई नीले रंग की नसें टांगों की त्वचा पर दिख रही हैं या काले रंग के निशान व काले रंग के चकत्ते या बिंदियां दिखाई पड़ रही हैं, तो आप यकीनन वेरिकोस वेन्स से ग्रसित हो चुके हैं। अगर थोड़ा चलने के बाद आपके पैरों में सूजन या थकान या हल्का दर्द महसूस होने लगे तो आप समझ जाइए कि आप वेरीकोस वेन्स के शिकार होने जा रहे हैं। अगर चलने के बाद टांगों में थोड़ी लाली व उभरी हुई नीले रंग की नसें दिखने लगें तो यकीन वेरीकोस वेन्स से आपका नाता जुड़ चुका है।

कारण

अगर आप आरामतलब व बैठे रहना पसंद करने वाले व्यक्ति हैं तो आपकी टांगें वेरीकोस वेन्स से दूर नहीं हैं। आप कुछ इस तरह समझ लें कि अगर आप गुसलखाने में स्नान करने जाएं जहां शुद्ध जल सप्लाई करने वाला पानी का नल व स्नानघर से निकलने वाली नाली दोनों सुचारू रूप से काम कर रहे हैं तो नहाने वाले को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि नल से निकलने वाले शुद्ध पानी से जब आप स्नान करेंगे तो गंदा पानी नाली द्वारा बाहर निकलता रहेगा। अगर कहीं नाली संकरी हो जाए या ठीक से अपना काम न करे या किसी वजह से उसमें रुकावट आ जाए, तो जाहिर है कि वह साबुन मिश्रित गंदा पानी आपके नहाने के बाद बाथरूम में इकट्ठा होता रहेगा और निकलने का दूसरा रास्ता ढूंढने लगेगा जैसे बाथरूम की दीवारों से रिसना या दरवाजे की दरार से निकलना या ऊपर तक भर जाने पर खिड़की से रिसना। ठीक उसी तरह से बाथरूम की जगह आप अपनी टांग को समझ लीजिए, जिसमें धमनियों यानी पैरों की आर्टरी से शुद्ध रक्त निरंतर प्रवाहित हो रहा है, जिसकी वजह से चलने के लिए जरूरी आक्सीजन की हमेशा आवश्यकता रहती है, टांगों की मांसपेशियों को आक्सीजन सप्लाई करने के बाद, रक्त आक्सीजन रहित व गंदा हो जाता है। यह रक्त अब तभी लाभदायक और फिर से इस्तेमाल यानी पैरों को दोबारा से सप्लाई करने लायक बनेगा जब दोबारा इसमें आक्सीजन डाली जाए। इसके लिए यह जरूरी है कि पैर में इकट्ठा हुआ यह गंदा रक्त ऊपर चढ़ कर दिल के जरिए फेफड़े तक पहुंचे। फेफड़े में फिर से आक्सीजन प्राप्त करके दोबारा फिर सर्कुलेशन में आए और आर्टरी के जरिए फिर से पैरों को शुद्ध रक्त पहुंचे। अगर किसी भी कारण से अशुद्ध रक्त ऊपर नहीं चढ़ेगा तो उसके पैर व टांगों में इकट्ठा होने की क्रिया बढ़ती जाएगी और टांगों में सामान्यत सोई हुई वेन्स गंदे रक्त से भरने लगेंगी और फूलने के कारण खाल के नीचे उभरी हुई मकड़ी के जाले की तरह दिखने लगेंगी। यहीं से वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो जाती है।

सर्जरी व लेजर तकनीक में अंतर

दोनों का उद्देश्य एक ही है। वेरीकोस वेन्स से टांगों को छुटकारा दिलाना यानी किसी से पीछा छुड़ाने के दो रास्ते हैं या तो उसको अपने इलाके से बाहर निकलवा दो या फिर उसको अपने इलाके में ही खत्म कर दो। ठीक उसी तरह से वेरीकोस वेन्स को टांग से बाहर निकालने का काम सर्जरी का है और टांग के अंदर ही अंदर खत्म कर देने का काम लेजर तकनीक का है इसलिए वेरीकोस वेन्स के इलाज के रास्ते अलग-अलग हैं पर मंजिल एक ही है।

लेजर से इलाज के फायदे

इस तकनीक में मरीज को बेहोश नहीं करना पड़ता और चमड़ी में कट भी नहीं लगाने पड़ते इसलिए टांके लगवाने और कटवाने की जरूरत नहीं पड़ती। अस्पताल में ज्यादा दिन तक रुकना नहीं पड़ता। एक दिन में ही मरीज घर जा सकता है। न ब्लीडिंग, न ड्रैसिंग का चक्कर। अगले दिन से ही मरीज अपने काम पर लौट सकता है। फिलहाल मरीज के लिहाज से व उपचार के लिहाज से भी यह तकनीक अत्यंत सुगम व लाभदायक है। इसके अलावा आर.एफ.पी नामक एक नई उपचार विधि विकसित हुई है जो लेजर तकनीक की तुलना में अधिक लाभदायक है।

इलाज

अगर आपको लगता है आपकी टांगों में वेरीकोस वेन्स की शुरूआत हो चुकी है तो हाथ पर हाथ धर कर मत बैठिए, तुरंत किसी वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श लें। वेरीकोस वेन्स की शुरूआत होने पर, तुरंत सर्जरी या लेजर की जरूरत नहीं पड़ती बल्कि अपनी आरामपसंद दिनचर्या में फेरबदल करना पड़ता है। रोज सुबह व शाम को एक-एक घंटे यानी कुल दो घंटे पार्क में टहलना पड़ता है। पैरों को कुर्सी से एक घंटे से ज्यादा लटका कर नहीं बैठना होता है और न ही एक घंटे से ज्यादा लगातार खड़े रहना होता है। अपने बढ़े हुए वजन को घटाना पड़ता है। दिन में चलते वक्त एक विशेष किस्म की जुराबों को टांगों पर पहनना पड़ता है। इसके साथ-साथ हर दो महीने में वैस्क्युलर सर्जन से परामर्श करते रहना पड़ता है। अगर वेरीकोस वेन्स पूरी तरह से विकसित हो जाती हैं या पैरों पर काले निशान व चकत्ते उभर आते हैं या सूजन व लाली बनी रहती है या फिर घाव उभरने लगे हों, तो ऐसी परिस्थितियों में सर्जरी या लेजर या आर.एफ.ए. तकनीक का सहारा लेना पड़ता है। इसके लिए किसी ऐसे अस्पताल में जाएं जहां वैस्क्युलर सर्जरी का महकमा हो और इन सब इलाजों की सुविधा हो।

रेसिपी

आलू कबाब

सामग्री

2 आलू (उबले हुए)
2 हरी मिर्च (कटी हुई)
1 टीस्पून अदरक (कद्दूकस किया हुआ)
1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर
1 टीस्पून सेंधा नमक
1 कप व्रत के चावल

विधि

सबसे पहले उबले हुए आलओं को कद्दूकस कर लीजिए। अब एक बाऊल में कद्दूकस किए गए आलू, हरी मिर्च, अदरक, काली मिर्च पाऊडर और सेंधा नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें।, अब इस मिश्रण हाथ में ले और छोटी-छोटी बॉल बना लें। अब इन बॉल्स को व्रत के आटे में रोल करें। अब एक कडाही में तेल गर्म करें। तेल गर्म होने पर तैयार की गई बॉल्स को फ्राई करें। आलू कबाब तैयार है। इन्हें नारियल की चटनी के साथ सर्व करें।

ड्राईफ्रूट शेक

सामग्री

3 कप ठंडा दूध, 2 टेबलस्पून शहद
8 काजू, 6 बादाम, 10 किशमिश
8 पिस्ता, 1 अखरोट
आधा टीस्पून इलायची पाऊडर
3 अंजीर और खजूर (दूध में भिगोए हुए)
शक्कर स्वादानुसार, 3 टीस्पून वेनीला एक्सट्रेक्ट
मिक्स ड्रायफ्रूट्स (कटे हुए)

विधि

शेक बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में भिगोए हुए अंजीर-खजूर, आधा कप दूध और सारे ड्राईफ्रूट्स डालकर मिक्सर में पीस लें। दूध में शहद, इलायची पाऊडर और शक्कर मिलाकर ब्लेंड करें। अब इसमें ड्राईफ्रूट्स पेस्ट और वेनीला एक्सट्रेक्ट डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। जब शेक बन जाएं तो फ्रिज में आधे घंटे के लिए ठंडा करने के लिए रखें। अब गिलास में डालकर ड्राईफ्रूट्स से सजाकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**